THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 98 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ़ शु.8 2080 सोमवार, 26 जून 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 : 8 रुपये

पाठ्यपुस्तकों से सावरकर का अध्याय हटाने पर विवाद

पोते रंजीत ने सिद्धारमैया सरकार पर साधा निशाना

पणजी, 25 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के स्कूलों की पाठ्यपुस्तकों से हिंदुत्व विचारत वीडी सावरकर के एक अध्याय हटाने के राज्य सरकार के फैसले पर उनके पोते रंजीत सावरकर ने प्रतिक्रिया दी है।

पत्रकारों से गोवा में एक इवेंट के दौरान बातचीत करते हुए रंजीत सावरकर ने कहा कि कांग्रेस को लगता है कि पुस्तक से एक अध्याय हटाने से वह छात्रों को सावरकर के बारे में जानने के अवसर से वंचित रख पाएंगे, लेकिन छात्र बहुत तेज हैं। उन्होंने कहा, सावरकर के बारे में बहुत सारे तथ्य सोशल मीडिया पर उपलब्ध है। सावरकर स्मारक ने उनका साहित्य अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित किया है। हम उन्हें कन्नड़ में भी प्रकाशित करेंगे। रंजीत सावरकर ने बताया कि अध्याय को हटाने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा, वास्तव में कहूंगा कि अगर आप उसे दबाने की कोशिश करोगे तो वह उतना उठने की कोशिश करेगा आएगा। यह एक प्राकृतिक प्रतिक्रिया है। प्रत्येक क्रिया की बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया होती है। कर्नाटक में कांग्रेसी सरकार ने गुरुवार को इस शैक्षणिक वर्ष के लिए राज्य में कक्षा छह से 10 की कन्नड़ और सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों के संशोधन को मंजूरी दे दी थी।

मोदी को मिस्र का सर्वोच्च राजकीय सम्मान

प्रेसिडेंट अल-सीसी ने ऑर्डर ऑफ नाइल से सम्मानित किया, 11वीं सदी की मस्जिद भी पहुंचे पीएम

काहिरा, 25 जून (एजेंसियां)। 2 दिन के दौरे पर मिस्र पहुंचे पीएम मोदी ने राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की। सीसी ने उन्हें मिस्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ नाइल' से सम्मानित किया। इसके पहले मोदी ने 11वीं सदी की अल-हाकिम मस्जिद का दौरा किया। इसे भारत के बोहरा समुदाय की सहायता से दोबारा बनाया गया है।

प्रधानमंत्री हेलियोपोलिस स्मारक भी गए। यहां उन्होंने पहले विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। यह स्मारक राष्ट्रमंडल ने बनवाया है। यह उन 3,799 भारतीय सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने इजिप्ट में प्रथम विश्व युद्ध के में अपनी जान गंवा दी थी

क्या है ऑर्डर ऑफ नाइल

इजिप्ट में इसे 'किलादात अल नाइल' कहा जाता है। 1915 में इसकी शुरूआत सुल्तान हुसैन कामिल ने की थी। यह अवॉर्ड उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने देश सेवा में अहम योगदान दिया हो। 1953 में मिस्र गणतंत्र बना और इसके बाद 'ऑर्डर ऑफ नाइल' को देश के सर्वोच्च सम्मान का दर्जा दिया गया। इसमें जो नाइल शब्द है, वो दरअसल नील नदी से जुड़ा है। इस अवॉर्ड की चार कैटेगरीज हैं।

मोदी को एयरपोर्ट पर इजिप्ट के प्रधानमंत्री ने रिसीव किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दो दिन के दौरे पर इजिप्ट पहुंचे। मोदी को एयरपोर्ट पर वहां के प्रधानमंत्री ने रिसीव किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। 1997 के बाद पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री मिस्र पहुंचा है। मोदी यहां भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात की।

मिस्र में भारत के एंबेसडर अजीत गुप्ते ने कहा कि भारत और मिस्र के व्यापारिक संबंध चार हजार साल पुराने हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा से संबंध और मजबूत होंगे।

काहिरा के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान वंदेमातरम और मोदी-मोदी के नारे भी लगे। साड़ी पहन मिस्र की एक महिला जेना ने मोदी को फिल्म शोले का गीत 'ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे...' गाकर सुनाया।

मोदी ने तब आश्चर्य हुआ जब महिला ने बताया कि वह बहुत कम हिंदी जानती है और कभी भारत नहीं आई है।

मोदी ने महिला से कहा, किसी को पता भी नहीं चलेगा कि आप मिस्र की बेटी हो या हिंदुस्तान की बेटी हो।

शनिवार को पीएम मोदी ने मिस्र के पीएम मैडबौली के नेतृत्व में मिस्र मंत्रिमंडल की इंडिया यूनिट के साथ एक राउंड टेबल चर्चा में भी भाग लिया। इसके बाद उन्होंने काहिरा में भारतीय प्रवासी बोहरा समुदाय के सदस्यों और योग टीचरों रीम जाबक और नाडा एडेल से मुलाकात की।

26 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का दौरा

मिस्र की जियोग्राफिक और स्ट्रैटेजिक लोकेशन सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए कई मायनों में बेहद अहम है। 1997 के बाद पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री इजिप्ट दौरे पर पहुंचा है।

सऊदी अरब के पूर्व डिप्लोमैट अनिल त्रिगुणायत ने कहा, मोदी का यह दौरा भारत और इजिप्ट के करीबी रिश्तों को दिखाता है। अब तक इजिप्ट का लगभग हर प्रेसिडेंट भारत दौरे पर गया है। अनिल लीबिया और जॉर्डन में भारत के ऐंबेसडर रह चुके हैं।

अनिल कहते हैं, इजिप्ट भारत को बहुत अहमियत दे रहा है। अफ्रीका में यह सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। भारत के लिए भी इजिप्ट अहम है। अच्छी बात ये है कि दोनों देशों के लोगों के बीच भी बहुत करीबी रिश्ते रहे हैं। भारत की आजादी के बाद से ही दोनों देश किसी न किसी तौर पर जुड़े रहे हैं। इजिप्ट भारत के साथ डिफेंस और टेक्नोलॉजी सेक्टर में ट्रेड पर फोकस कर रहा है।

भारत ने इजिप्ट के अलावा ओमान और यूएई को भी सितंबर में होने वाली जी-20 मीटिंग में शामिल होने का न्योता दिया है। ये बताता है कि भारत कितनी तेजी से इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ा रहा है।

दोहरी भूमिका और हमारे लिए फायदेमंद

इजिप्ट एक ऐसा देश है, जिसे डिप्लोमैटिक वर्ल्ड में 'डबल हैट' भी कहा जाता है। दरअसल मिस्र अरब के साथ ही अफ्रीकी देशों में भी शुमार किया जाता है। मायने ये हुए कि भारत अगर यहां प्रभाव बढ़ाता है तो वो अरब के साथ अफ्रीका में भी मजबूत हो सकेगा।

2021-22 में भारत-मिस्र के बीच बाइलेट्रल ट्रेड 7.26 अरब डॉलर था। खास बात ये है कि ये बीते साल की तुलना में 60 प्रतिशत ज्यादा था। अब मोदी और प्रेसिडेंट सीसी इसे पांच साल में 12 अरब डॉलर तक ले जाना चाहते हैं।

इजिप्ट सुएज नहर को इकोनॉमिक जोन में बदलना चाहता है। ये करीब 460 किलोमीटर लंबा ट्रेड स्ट्रैच है। इसमें अफ्रीका, अरब और यूरोप के 6 अहम पोर्ट शामिल हैं। चीन इस प्रोजेक्ट पर 1 अरब डॉलर खर्च कर रहा है। वो इसे बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का हिस्सा बनाना चाहता है। भारत इससे अच्छी तरह वाकिफ है और वक्त रहते यहां ज्यादा इन्वेस्टमेंट करना चाहता है।

इजिप्ट सरकार चाहती है कि भारत यहां अपनी मिलिट्री प्रेजेंस भी बढ़ाए। दोनों देशों के बीच सीक्रेट मिलिट्री डील होने की भी खबरें हैं। जनवरी में राजस्थान के जैसलमेर में दोनों सेनाओं ने कम्बाइंड ट्रेनिंग भी की थी।

मणिपुर शांति समझौते से कुकी विद्रोहियों और उनके हथियारों की गणना में तेजी आई

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में बढ़ती जातीय हिंसा के बीच 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस' (एसओओ) समझौते के तहत राज्य में कुकी विद्रोहियों और उनके हथियारों की गिनती में तेजी आई है। मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले सूत्रों ने यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक 25 से अधिक कुकी विद्रोही समूहों ने एसओओ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत उन्हें सरकार द्वारा चिन्हित शिविरों तक ही सीमित रखा जाएगा और भंडारण में रखे गए हथियारों की नियमित निगरानी की जाएगी।

सेना ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि वे एसओओ शिविरों में औचक निरीक्षण कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज बताया, हमने अतिरिक्त बलों की मांग की है क्योंकि कानून और व्यवस्था की स्थिति के कारण कुछ सैनिकों को मोर्चे पर भेज दिया गया है। लेकिन अब हम फिर से एसओओ शिविरों में कैडर और हथियारों के लेखांकन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

कुकी-बहुल चुराचांदपुर जिले में कल मूक मार्च पर चिंताओं के बीच एसओओ से जुड़े विद्रोहियों की गिनती जारी है, जहां 3 मई को इसी तरह की रैली के बाद हिंसा भड़क गई थी।

उधर घाटी-बहुसंख्यक मेइतियों के साथ जातीय संघर्ष में मारे गए कुकियों की याद में आयोजित शनिवार की रैली के दृश्यों में सशस्त्र लोग नजर आए थे, जिनके चेहरे एक विद्रोही समूह ज़ोमी रिवोल्यूशनरी आर्मी (जेडआरए) के रंग में रंगे हुए थे।

रैली में युद्ध की वर्दी और गोला-बारूद रखने की जेब वाली जैकेट पहने हुए लोग भी शामिल थे। रैली की संभावित अस्थिर करने वाली संभावनाओं और एसओओ समझौते पर ऐसे समय में सवाल उठाए गए हैं जब अधिकारी मणिपुर में सामान्य स्थिति लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

केंद्र के अनुसार, मणिपुर में लगभग 36,000 सुरक्षाकर्मियों और 40 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को तैनात किए जाने के बावजूद, विरोध प्रदर्शन बंद नहीं हुए हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि, कई समूह सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं। अक्सर वे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं।

मामले से परिचित लोगों ने कहा कि मणिपुर में सेना के क्षेत्र-वर्चस्व अभियानों के बीच गृह मंत्रालय भी राज्य में सामान्य स्थिति लाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। मंत्रालय के अधिकारी और अर्धसैनिक बल कई बार स्थिति को बिगड़ने से रोकने में सफल रहे हैं। गृह मंत्रालय के पास असम राइफल्स का प्रशासनिक नियंत्रण है, जो मणिपुर में कार्यरत है, जबकि सेना के पास परिचालन नियंत्रण है।

सूत्रों ने कहा कि मणिपुर में एक बड़ी चुनौती यह है कि सड़कों पर बहुत सारे समूह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रत्येक के पास मांगों की एक सूची है। क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि उनके साथ बातचीत करना कठिन होता जा रहा है।

रिश्ते तार-तार

गुस्साए दामाद ने सास पर किया धारदार हथियार से हमला, हुई मौत

विजयवाड़ा, 25 जून (एजेंसियां)। आजकल रिश्तों का कोई मोल नहीं बचा है। आए दिन कोई न कोई खबर ऐसी सामने आ जाती है, जिससे अपने सगे लोगों पर से भी विश्वास उठ जाता है। अब एक ऐसी ही दिल दहलाने वाली खबर आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से आई है। एक शख्स ने अपनी ही सास की हत्या कर दी। आरोपी ने हत्या करने के लिए धारदार हथियार का उपयोग किया।

विजयवाड़ा वेस्ट के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) हनुमंत राव ने बताया कि 37 वर्षीय राजेश का अदालत में तलाक का केस चल रहा है। वह इसी बात को लेकर अपनी सास से नाराज था। उसका मानना था कि सास उसकी पत्नी का साथ दे रही थी।

एसपी ने बताया कि गुस्साया राजेश रात करीब नौ बजे चनुमोलु वेंकट राव फ्लाईओवर पर पहुंचा। फिर उसने कथित तौर पर 47 साल की सास नागमणि की हत्या कर दी। आरोपी ने नारियल काटने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दरांती (धारदार हथियार) से अपनी सास नागमणि पर वार किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में आरोपी फरार हो गया।

राव ने आगे बताया कि पुलिस को जैसे ही सूचना मिली वह तुरंत मौके पर पहुंची। आरोपी मौके से फरार हो गया था। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि राजेश की तलाश की जा रही है, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पत्रकार को गोली मारकर जान लेने की कोशिश

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक पत्रकार को शनिवार रात करीब 10 बजे गोली मार दी गई। 25 साल के स्वतंत्र पत्रकार मन्नू अवस्थी ने तीन महीने पहले भू-माफिया के लोगों की ओर से जान से मारने की धमकी दिए जाने की शिकायत की थी। कानपुर के अस्पताल में भर्ती घायल पत्रकार की हालत रविवार सुबह को स्थिर और खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक उन्नाव में पत्रकार मन्नू अवस्थी कोटवाल पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत एक इलाके में अपने स्कूटर की सवारी कर रहे थे। अचानक हुई गोलीबारी में उनके दाहिने कंधे में गोली लगी और वह स्कूटर से गिर पड़े। घायल हालत में अवस्थी को जिला अस्पताल ले जाया गया। प्रारंभिक इलाज के बाद वहां से उन्हें कानपुर के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया। रविवार सुबह तक वह बेहोश थे। हालांकि, डॉक्टर्स ने उनका हालत स्थिर बताई है।

पुलिस ने उस जगह पर गोलियों के खोखे बरामद किए हैं जहां पर अवस्थी को गोली मारी गई थी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे एफआईआर दर्ज करने के लिए अवस्थी के परिवार की ओर से शिकायत किए जाने का इंतजार कर रहे हैं।

उन्नाव के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) शशि शेखर सिंह ने शनिवार रात को मौका ए वारदात पर ही पत्रकारों से बात करते हुए कहा, एक पत्रकार को गोली मार दी गई। घटनास्थल से हमने एक जिंदा कारतूस और एक इस्तेमाल किया हुआ कारतूस बरामद किया है।

कांग्रेस का आप पर हमला

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी दलों के जमावड़े के ठीक दो दिन बाद अब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच सबकुछ ठीक नहीं दिखाई दे रहा है। इसका उदाहरण आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज का बयान और कांग्रेस की ओर से दिए गया जवाब है। जिसमें आप प्रवक्ता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि मोहब्बत की दुकान चला रहे हैं, तो आपको बड़ा दिल भी दिखाना होगा।

इसके जवाब में कांग्रेस की ओर से अजय माकन ने तीखा हमला करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल जेल नहीं जाना चाहते इसलिए विपक्षी एकता को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। गौरतलब है कि पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक में आप और कांग्रेस के बीच सबकुछ ठीक नहीं दिखाई दिया था।

आम आदमी पार्टी दिल्ली में नौकरशाही पर केंद्र के अध्यादेश के मामले पर कांग्रेस का साथ नहीं मिलने से नाराज है। आप प्रवक्ता और दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है।

आरएसएस के मुखपत्र में इंदिरा गांधी की तुलना हिटलर से

पांचजन्य के कवर पेज पर लिखा- दो तानाशाह, एक जैसी इबारत

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। देश में आज ही के दिन 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी। आज इमरजेंसी के 48 साल पूरे होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पत्रिका पांचजन्य ने इंदिरा गांधी की तुलना जर्मनी के तानाशाह हिटलर से की है।

पांचजन्य पत्रिका ने अपने नए अंक के कवर पेज पर हिटलर और इंदिरा गांधी की तस्वीर लगाई है और इसे 'हिटलर गांधी' का नाम दिया है। पत्रिका ने लिखा है- दो तानाशाह, एक जैसी इबारत। पत्रिका ने लिखा, हिटलर के जघन्य अपराधों को नकारने अथवा भुलाने पर यूरोप में कई जगह कानूनी पाबंदी है। यह उनके लिए अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। यही स्थिति भारत में इंदिरा गांधी के लगाए आपातकाल की है, जिसे भुलाना लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए खतरनाक हो सकता है।

पीएम ने लिखा, इतिहास में कभी न भुलाए जाने वाला समय

पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा, मैं उन सभी साहसी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया और हमारी लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने के लिए काम किया। हमारे इतिहास में कभी न भुलाए जाने वाला समय है, जो हमारे उन संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है जिन पर हमें गर्व है।

नड्डा ने लिखा, एक परिवार ने आपातकाल जैसा कलंक थोपा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लिखा, 25 जून 1975 को एक परिवार ने अपने तानाशाही प्रवृत्ति के कारण देश के महान लोकतंत्र की हत्या कर आपातकाल जैसा कलंक थोपा था। जिसकी निर्दयता ने सैकड़ों वर्षों के विदेशी शासन के अत्याचार को भी पीछे छोड़ दिया। ऐसे कठिन समय में असीम यातनाएं सहकर लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष करने वाले सभी राष्ट्र भक्तों को नमन करता हूं।

भाजपा ने इमरजेंसी पर 7 मिनट का वीडियो जारी किया

भाजपा ने इमरजेंसी को लेकर अपने ट्विटर हैंडल पर 13 पोस्ट किए हैं। इनमें 4 वीडियो भी शामिल हैं। भाजपा ने इमरजेंसी को लेकर लिखा, आपातकाल... लोकतंत्र का काला अध्याय! कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर देश की आत्मा को कुचलने का काम किया। आपातकाल लगाकर सरेआम कानून की धज्जियां उड़ाने वालों को जनता माफ नहीं करेगी!

आज जम्मू में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा सम्मेलन में होंगे शामिल

जम्मू, 25 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 26 जून को जनरल जोरावर सिंह सभागार (जम्मू विश्वविद्यालय) में रक्षा सम्मेलन में शामिल होंगे। इसके अलावा रक्षा मंत्री त्रिकुटा नगर स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पार्टी नेताओं से रूबरू होंगे। इस दौरान आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। रक्षामंत्री का कुछ अग्रिम चौकियों का दौरा भी प्रस्तावित है। भाजपा की ओर से जारी शेड्यूल में केंद्रीय रक्षा मंत्री जनरल जोरावर सिंह सभागार में होने वाले सुरक्षा सम्मेलन में सोमवार की सुबह 11 बजे शामिल होंगे, जबकि उपस्थिति को 10.30 बजे मौजूद रहने को कहा गया है। सम्मेलन में वरिष्ठ लोगों के साथ सेवानिवृत्त सुरक्षा अधिकारी सहित अन्य वर्ग के लोग शामिल होंगे।

62 साल बाद एक साथ दिल्ली और मुंबई में पहुंचा मानसून

आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज और येलो अलर्ट

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। मानसून का असर देशभर में देखने को मिल रहा है। कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है। दिल्ली और मुंबई में भी मानसून पहुंच चुका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, मुंबई और दिल्ली में आज एक साथ मानसून ने एंट्री दी है। मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली में मानसून जहां निर्धारित समय से दो दिन पहले पहुंचा। वहीं, मुंबई में मानसून दो सप्ताह के देरी से आया है। पिछली बार दिल्ली और मुंबई में एकसाथ मानसून 21 जून, 1961 में आया था।

कहां-कहां पहुंचा मानसून

आईएमडी के महानिदेशक डॉ। मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी सक्रिय है। इसने मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र को कवर कर लिया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मू के कुछ हिस्सों में भी मानसून आ गया है। यह अगले 2 दिनों में आगे बढ़ेगा और अन्य हिस्सों को भी कवर करेगा। आईएमडी निदेशक ने कहा कि यह अगले 2 दिनों में आगे बढ़ेगा और अन्य हिस्सों को भी कवर करेगा।

चिलचिलाती गर्मी से राहत

बारिश से दिल्ली और आसपास के इलाकों में चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली, लेकिन गुरुग्राम के विभिन्न इलाकों में जलभराव बना हुआ है। मुंबई और उसके उपनगरों में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई, जिसके कारण विभिन्न स्थानों पर जलजमाव और यातायात जाम हो गया।

'येलो अलर्ट' जारी

आईएमडी ने कहा कि शहर में दिन के दौरान और बारिश होने की उम्मीद है। कल शाम हुई बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में अंधेरी, मलाड और दहिसर शामिल हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए तस्वीरों में लोगों को बाढ़ वाली सड़कों पर कारों को धकेलते हुए देखा गया है। महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण मौसम कार्यालय ने रायगढ़ और रत्नागिरी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसने पालघर, मुंबई, ठाणे और सिंधुदुर्ग के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है।

जम्मू कश्मीर में मानसून की दस्तक, भारी बारिश की चेतावनी

जम्मू, 25 जून (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में दक्षिण पश्चिम मानसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत के कई हिस्सों में समय से पहले मानसून पहुंच गया है। पिछले साल जम्मू कश्मीर में 30 जून को मानसून पहुंचा था, जबकि 2021 में 17 दिन पहले जून के मध्य में मानसून पहुंचा था। प्रदेश में पुंछ, श्रीनगर सहित कश्मीर के कई हिस्सों में बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले तीन दिन बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम में बदलाव का असर जम्मू संभाग पर अधिक दिखेगा। जम्मू में रविवार सुबह की शुरुआत तपिश के साथ हुई। दिन चढ़ने के साथ गर्मी ने रंग दिखाना शुरू कर दिया है। इससे पहले शनिवार को भी तेज धूप से हर कोई परेशान था। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से हटते ही पसीने छूट रहे हैं। यहां दिन में आर्द्रता (उमस) का प्रतिशत 63 पहुंच जाने से उमस से कोई राहत नहीं मिल पाई है। जम्मू में दिन का अधिकतम तापमान 37.7 और बीती रात का न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में दिन का पारा 32.4, बटोत में 30.8, कटड़ा में 33.0 और भद्रवाह में 34.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कश्मीर में पिछले कई दिन से मौसम के लगातार साफ रहने से अधिकांश जिलों में दिन का तापमान सामान्य से 5 से 8 डिग्री ऊपर चल रहा है।

भेड़िये झुंड में शिकार करते हैं, लेकिन वे शेर

स्मृति ईरानी का विपक्षी एकता पर हमला

इंदौर, 25 जून (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी में विपक्षी दल की अहम बैठक हुई। जिसे लेकर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने विपक्ष पर तंज कसा है। ईरानी ने कहा कि भेड़िये झुंड में शिकार करते हैं, लेकिन वे इस बात से अनभिज्ञ है कि उनसे शेर का शिकार मुमकिन नहीं है। ईरानी ने केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर इंदौर में भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित आम सभा में कहा कि अंग्रेजी में कहावत है कि भेड़िये झुंड में शिकार करते हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि उनसे शेर का शिकार होना संभव नहीं है। उन्होंने विपक्षी दलों में गहरे मतभेदों का दावा करते हुए कहा, जो अपना घर तक संभाल नहीं सकते, वे हिंदुस्तान क्या खाक संभालेंगे।

'वह भारत के संग है या अनुच्छेद 370'

ईरानी ने कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पटना में राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव के पैर छू रही थीं, लेकिन हम लोग जानते हैं कि खुद बनर्जी ने यादव का कच्चा-चिट्ठा निकालकर उन्हें भ्रष्ट नेता घोषित किया था। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को भी निशाने पर लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पटना में इन दलों में बड़ा याराना नजर आ रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया। मैं आज बड़ी विनम्रता से गांधी खानदान से पूछना चाहती हूं कि वह भारत के संग है या अनुच्छेद 370 के साथ है। ईरानी ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर का हवाला देते हुए विपक्षी दलों से यह सवाल भी किया कि वे भगवान राम के साथ हैं या अदालत में राम के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगाने वाला हलफनामा पेश करने वाले लोगों के साथ हैं। ईरानी ने लालू प्रसाद यादव के राहुल गांधी को जल्द शादी करने की सलाह की ओर इशारा करते हुए कहा विपक्ष की बैठक में गांधी खानदान के वारिस का उपहास स्वयं लालू प्रसाद यादव ने किया। यह बताता है कि विपक्ष के पास ठोस राष्ट्रीय, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दे नहीं हैं। ।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, करंट लगने से पिता की मौत, बेटी की डोली के बाद उठी अर्थी

छतरपुर, 25 जून (एजेंसियां)। छतरपुर में एक परिवार की शादी की खुशियां मातम में बदल गई। एक पिता जिसने कुछ वक्त पहले ही अपनी बेटी को हंसी खुशी विदा किया था, कुछ देर बाद की उसकी करंट लगने से मौत हो गई। करंट लगने के बाद परिजन आनन फानन में शख्स को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार घटना जिले के राजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरा की है। बताया जा रहा है कि गांव में बेटी की विदाई के बाद उसके पिता की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई है। घटना के बाद घायल को जिला अस्पताल लाया गया था, जहां चिकित्सकों ने मौत की पुष्टि करते हुए शव को पीएम के लिए भेज दिया।

महाराष्ट्र में असदुद्दीन ओवैसी की रैली में लगे औरंगजेब अमर रहे' के नारे

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) के चीफ असदुद्दीन ओवैसी को लेकर एक बार फिर चर्चा हो रही है। महाराष्ट्र के बुलढाना में असदुद्दीन ओवैसी की रैली में कथित तौर पर 'औरंगजेब अमर रहे' के नारे लगे। इसको लेकर पुलिस जांच में जुट गई है। दरअसल, बुलढाना में शाम को सांसद ओवैसी की पार्टी की एआईएमआईएम की एक सभा थी। जिसमें असदुद्दीन ओवैसी अपना भाषण दे रहे थे। तभी औरंगजेब के लिए नारे लगने शुरू हुए। जब तक सूरज चांद रहेगा, औरंगजेब तेरा नाम रहेगा।

क्या कहना है पुलिस का?

बुलढाना पुलिस का कहना है, "मामले को लेकर वीडियो उनके पास आए हैं। हम जांच कर रहे हैं। लीगल ओपिनियन भी लेंगे। अब तक किसी ने शिकायत नहीं की है। शिकायत आने के बाद और लीगल ओपिनियन के बिनाह पर कार्रवाई की जाएगी।"

औरंगजेब को लेकर राजनीति तेज

वहीं, औरंगजेब को लेकर महाराष्ट्र में राजनीति तेज हो गई है। शिव सेना यूबीटी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के कुछ ऐसे होर्डिंग्स मुंबई की सड़कों पर लगे जिसमें उद्धव ठाकरे और वंचित बहुजन अघाड़ी प्रमुख प्रकाश आंबेडकर के साथ औरंगजेब की तस्वीर दिखी थी। ये पोस्टर तब सामने आए जब बाबासाहेब अंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर ने संभाजीनगर (पूर्व में औरंगाबाद) में औरंगजेब की कब्र पर जाकर मुगल बादशाह को पुष्पांजलि अर्पित करके विवाद खड़ा कर दिया था। उनकी यात्रा अहमदनगर और विशेष रूप से कोल्हापुर में सांप्रदायिक तनाव के कुछ दिनों बाद हुई थी, जिसमें कुछ मुस्लिम कॉलेज छात्रों द्वारा औरंगजेब पर व्हाट्सएप स्टेटस और ऑडियो संदेश पोस्ट करने के बाद हिंसा देखी गई थी, जिससे हिंदू संगठन भड़क गए थे। बता दें, प्रकाश अंबेडकर के इस कदम से बीजेपी ने उद्धव गुट पर भी निशाना साधा था।

अंधेरे में निकले बदमाशों ने फायरिंग कर मचाई दहशत, पुलिस ने तीन खोखे किए बरामद

कटनी, 25 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश का कटनी जिला इन दिनों बदमाशों के लिए सुरक्षित बना हुआ है। यहां कोई असुरक्षित है, तो सिर्फ आमजन! ये हम नहीं कह रहे बल्कि यहां के मौजूदा हालात बयां कर रहे हैं। ताजा मामला रंगनाथ थाना क्षेत्र से समाने आया है, जहां पांच बाइक में करीब एक दर्जन बदमाशों ने आतंक का वो मंजर दिखाया, जो किसी फिल्म से कम नहीं था। दरअसल एक साथ निकले बाइक सवार बदमाशों ने पाठक वॉर्ड में घूम-घूमकर आधा दर्जन गोलियां बरसाईं और क्षेत्र में दहशत फैलाई।

चुनाव से पहले कांग्रेस में 'सीएम फेस' को लेकर घमासान

मंच छोड़कर निकलीं कुमारी शैलजा

चंडीगढ़, 25 जून (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस में अक्सर गुटबाजी की खबरें आती रहती हैं। शनिवार को एक बार चंडीगढ़ में हरियाणा कांग्रेस में गुटबाजी देखी गई। पार्टी के नए प्रभारी दीपक बाबरिया की पहली ही पहली ही बैठक में दीपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। जिसके बाद छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा बीच में ही बैठक से निकल गईं। दरअसल, पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा ने जब मीटिंग के दौरान अपना संबोधन शुरू किया तो एक कार्यकर्त्ता ने 'अबकी बार हुड्डा सरकार' का नारा लगा दिया। जिसके बाद शैलजा भड़क गईं। उन्होंने प्रभारी दीपक बाबरिया को इसकी शिकायत करते हुए कहा कि देख लीजिए। इसी बीच हुड्डा ने मोर्चा संभाला और कुमारी शैलजा के समर्थन में नारेबाजी करवा दी। कुमारी शैलजा मंच छोड़कर चली गईं। हालांकि जब शैलजा से मीडिया कर्मियों ने मंच छोड़कर जाने का कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि यहां तो सभी नेता सीएम हैं, इसमें कोई नई बात नहीं है।

विपक्षी गठबंधन का नाम यूपीए नहीं पीडीए होगा, शिमला की बैठक में लगेगी मुहर

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए विपक्षी गठबंधन की कोशिशें जोरों से चल रही हैं। शुक्रवार को विपक्ष के 15 दल एक साथ आये और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर बैठक की। इस बैठक में तमाम विषयों पर चर्चा की गई। अनुमान लगाया जा रहा था कि इस बार भी इस गठबंधन का नाम यूपीए यानि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन या संप्रग होगा, लेकिन ऐसी संभावना कम है। सीपीआई की तरफ से जारी के प्रेस रिलीज में कहा गया है कि गठबंधन का नाम पीडीए यानि पेट्रियोटिक डेमोक्रेटिक एलाइंस होगा।

सीपीआई की प्रेस रिलीज में किया गया है नाम का जिक्र

सीपीआई की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में बताया गया है कि गठबंधन के नाम पर शिमला में होने वाली बैठक में मुहर लगेगी। इस प्रेस रिलीज में सीपीआई नेता डी राजा के हवाले से नए गठबंधन का नाम पीडीए बताया गया है। बता दें कि इससे पहले समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी पीडीए नाम के जरिये पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक का गठजोड़ बताया था। इसके बाद सीपीआई की प्रेस रिलीज में भी इस नाम का जिक्र बता रहा है कि इस बार विपक्षी दलों के गठबंधन का नाम यूपीए से बदलकर पीडीए किया जाएगा।

नीतीश कुमार ने शुरू की थी कवायद

बता दें की लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तमाम विपक्षी दलों के नेताओं को पटना की इस बैठक में आने का न्योता दिया था, जिसके बाद शुक्रवार को यह बैठक हुई। अब अगली बैठक कुछ दिनों बाद हिमाचल प्रदेश के शिमला में होगी। शुक्रवार को हुई इस बैठक में 15 दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया था। इस बैठक के बाद विपक्ष के तमाम नेताओं ने सयुंक्त रूप से मीडिया से भी बात की थी लेकिन गौर करने वाली बात यह रही कि इस प्रेस कांफ्रेंस से आम आदमी पार्टी के नेता गायब रहे थे।

ट्रेन पकड़ने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पहुंची महिला

लेकिन वहां लगा करंट और हो गई दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े और भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशन नई दिल्ली पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां करंट लगने की वजह से एक महिला की मौत हो गई। महिला को करंट स्टेशन परिसर में ही लगा और वहीं उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात शुरू हुई बारिश की वजह से स्टेशन परिसर के आसपास पानी जमा हो गया था, जिससे पानी में करंट दौड़ गया और महिला की मौत हो गई। इस हादसे में जान गंवाने वाली महिला की पहचान पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार निवासी साक्षी आहूजा के रूप में हुई है। महिला आज सुबह अपने पति के साथ भोपाल शताब्दी ट्रेन पकड़ने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंची थी। स्टेशन परिसर में बिजली के एक खंभे के संपर्क में आने पर महिला की मौत हो गई। इस हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर एफएसएल टीम मौके पर पहुंच गई है।

छात्रा को किया अगवा होटल में ले जाकर पिस्तौल के बल पर दुष्कर्म, पांच माह की गर्भवती निकली

जलालाबाद, 25 जून (एजेंसियां)। पंजाब में जलालाबाद में कॉलेज की छात्रा को दो युवकों ने रास्ते से अगवा किया और फाजिल्का के एक होटल में पिस्तौल के बल पर उससे दुष्कर्म किया। आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते थे। पीड़िता के पेट में दर्द होने पर उसे अस्पताल में दाखिल करवाया तो पता चला कि वह पांच माह की गर्भवती है।

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े गैंगस्टर हाजी सलीम के तार, दोबारा कायम करना चाहता है लिट्टे का आतंक

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारतीय एजेंसियों ने पाया है कि कराची स्थित गैंगस्टर हाजी सलीम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़ा हुआ है। यह दोनों मिलकर बड़े पैमाने पर तस्करी के माध्यम से श्रीलंका और भारत में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) विद्रोही समूह को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस बात की जानकारी सूत्रों की ओर से दी गई है। पाकिस्तान और हिंद महासागर में करोड़ों डॉलर के ड्रग्स नेटवर्क के पीछे का मास्टरमाइंड

माने जाने वाले सलीम को अक्सर कराची में दाऊद के क्लिफ्टन रोड स्थित आवास पर देखा गया है। यह संदेह है कि इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के सक्रिय समर्थन से वो दोनों तस्करी के लिए एक-दूसरे के संसाधनों का उपयोग करते हैं। इब्राहिम की डी-कंपनी के भारतीय संपर्कों की पहचान कर रही एजेंसियां नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और राजस्व और खुफिया निदेशालय (डीआरआई) सहित एजेंसियां पूरे आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सलीम के साथ-साथ इब्राहिम की डी-कंपनी के भारतीय संपर्कों की पहचान करने पर काम कर रही हैं। पिछले महीने एक ज्वाइंट ऑपरेशन में, एनसीबी और नौसेना ने हिंद महासागर में एक मदर शिप को रोककर 12,000 करोड़ रुपये के मूल्य की 2,500 किलोग्राम उच्च शुद्धता वाली मेथमफेटामाइन जब्त की थी। खेप डेथ क्रिसेंट (ईरान, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के तस्करी मार्ग के लिए गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिया गया नाम) से उत्पन्न हुई थी और बलूचिस्तान प्रांत में मकरान तट से भेजी गई थी। पिछले हफ्ते, भारत में लिट्टे के पुनरुद्धार से संबंधित जांच में 13 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर करते हुए, एनआईए ने कहा कि श्रीलंकाई ड्रग माफिया के सदस्य सलीम से ड्रग्स की सोर्सिंग कर रहे थे। इसमें कहा गया, आरोपी ने गुप्त व्यापार को अंजाम देने के लिए विभिन्न विदेशी व्हाट्सएप नंबरों का इस्तेमाल किया। सूत्रों ने बताया, भले ही डी-कंपनी के नेटवर्क को 90 के दशक के अंत में भारतीय एजेंसियों द्वारा समाप्त कर दिया गया था, यह संभव है कि उसके पुराने संपर्क सलीम के सिंडिकेट के साथ काम कर रहे हो, क्योंकि अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद समुद्री और भूमि मार्ग के माध्यम से नशीली दवाओं का व्यापार बढ़ गया है। सलीम कराची में दाऊद के आवास पर देखा गया है और चौबीसों घंटे सशस्त्र गार्ड उसकी सुरक्षा करते हैं।सलीम आईएसआई और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ काम करता है और भारत, मालदीव, श्रीलंका और कुछ मध्य पूर्व देशों में तस्करी की देखरेख करता है। उसका कार्टेल बलूचिस्तान में कई गुप्त प्रयोगशालाएं संचालित करता है, जहां से हेरोइन के पैकेट आते हैं। ऐसा अनुमान है कि भारत में कुल मादक पदार्थों की 70% तस्करी समुद्री मार्गों से होती है और अधिकांश खेप के पीछे सलीम का नेटवर्क है। एक दूसरे अधिकारी ने कहा, सलीम के कार्टेल द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कार्यप्रणाली 90 के दशक में डी-कंपनी के समान है,

मस्जिद में घुसकर भारतीय सेना के जवानों ने लगवाए जय श्री राम के नारे ? महबूबा मुफ्ती का आरोप

श्रीनगर, 25 जून (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में भारतीय सेना के जवानों पर ज़दूरा गांव की मस्जिद में घुसने और लोगों से जबरदस्ती 'जय श्रीराम' के नारे लगवाने का इल्जाम लगा है। घटना शनिवार की बताई जा रही है। मामला सामने आने के बाद जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम और पीडीपी सुप्रीमो महबूबा मुफ्ती ने मामले में जांच की मांग की है। महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि 50 आरआर के जवानों द्वारा पुलवामा की एक

मस्जिद में घुसकर मुस्लिमों को 'जय श्री राम' का नारा लगाने के लिए विवश करने की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। ऐसा तब हुआ, जब अमित शाह यहीं पर है और यात्रा आरम्भ होने वाली है, ऐसे में यह केवल उकसावे की कार्रवाई है। वहीं, श्रीनगर में डिफेंस प्रवक्ता ने इस बारे में कहा है कि, 'मैंने मामले की डिटेल्स मांगी हैं।' स्थानीय लोगों का कहना है कि, घटना के बाद सेना के सीनियर अधिकारी और पुलिस अधिकारियों ने गांव का दौरा कर आश्वासन दिया है कि वो मामले की छानबीन करेंगे। ज़दूरा के रहने वालों ने बताया है कि रात 1.30 बजे के थोड़ा बाद सेना की एक पेट्रोल टीम ने लोगों से अपने घरों से बाहर करने को कहा है। गांव के लोगों ने बताया कि उन्हें कहा गया कि नई भर्ती वाले जवानों को यह सिखाया जा रहा है कि रात में लोगों को बाहर किस तरह बुलाया जाए। हालांकि, महबूबा मुफ़्ती के इस ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए लोग सवाल कर रहे हैं कि, क्या इसका कोई प्रूफ है कि भारतीय सेना ने ऐसा किया या फिर ये सिर्फ झूठा प्रोपेगेंडा है ? यूज़र्स कह रहे हैं कि, मोबाइल, इंटरनेट के जमाने में किसी ने भी उस घटना का वीडियो क्यों नहीं बनाया? लोगों का कहना है कि, भारतीय सेना जात-धर्म से ऊपर है, वो ऐसे काम नहीं कर सकती, सेना को बदनाम करने की साजिश है। बता दें कि, 3 दिन पहले ही सेना को बदनाम करने के लिए कश्मीरी डॉक्टरों द्वारा साजिश रचे जाने का एक हैरतअंगेज़ खुलासा हुआ था। बता दें कि, 30 मई 2009 को कश्मीर के शोपियां में 22 वर्षीय नीलोफर और 17 वर्षीय आसिया नामक दो लड़कियों का का शव एक नदी से बरामद हुआ था। दोनों ननद-भाभी थीं। ये अपने बगीचे से कथित तौर पर लापता हो गई थीं। इसके बाद आरोप लगाया गया था कि भारतीय सेना के सुरक्षाबलों ने इन महिलाओं के साथ साथ रेप किया और बाद में उन्हें मार डाला। नीलोफर और आसिया का पोस्टमार्टम डॉ बिलाल और डॉ निगहट ने ही किया था, जो पाकिस्तान के इशारे पर काम कर रहे थे। इन दोनों डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में झूठी बात लिखते हुए कहा था कि इन दोनों लड़कियों की हत्या दुष्कर्म के बाद की गई थी। हालाँकि, सच ये था कि इन दोनों लड़कियों की मौत 29 मई 2009 को नदी में डूबने की वजह से हुई थी।

कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रीतम सिंह कोटभाई पर बड़ी कार्रवाई

पर्ल ग्रुप के चीफ के साथ ठगी के मामले में केस दर्ज

लुधियाना, 25 जून (एजेंसियां)। करोड़ों रुपये के चिटफंड घोटाले के मुख्य आरोपी एवं पर्ल ग्रुप के प्रमुख के साथ कथित तौर पर ठगी करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रीतम सिंह कोटभाई और पांच अन्य के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है। लुधियाना के पुलिस आयुक्त मणदीप सिंह सिद्धू ने बताया कि इस सिलसिले में तीन व्यक्तियों--जीवन सिंह, धर्मवीर सिंह और दलीप सिंह त्रिपाठी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कोटभाई समेत तीन अन्य फरार हैं। भूचो मंडी से पूर्व विधायक कोटभाई पर अतीत में कई चिटफंड घोटालों में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आयुक्त मणदीप सिंह सिद्धू ने बताया कि पर्ल ग्रुप के प्रमुख निर्मल सिंह भंगू के भतीजे शिंदर सिंह की शिकायत पर (कोटभाई पर) ठगी का मामला दर्ज किया गया है। शिंदर सिंह ने पुलिस में दी अपनी शिकायत में कहा है कि कुछ महीने पहले तिहाड़ जेल से बठिंडा जेल में भेजे गए भंगू से कोटभाई की जेल में मुलाकात हुई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 26 जून, 2023 3

सुविचार

मान और सम्मान की लड़ाई में कभी अकेले रह जाओ तो रह लेना।
पर किसी के सामने खुद को टूटने न देना।
खुद का सम्मान करोगे तभी दूसरों से मान पाओगे।

श्री गुरु पूर्णिमा महा-महोत्सव का भव्य आयोजन 2 जुलाई को

कार्यक्रम को लेकर समाज के विशिष्ट व्यक्तियों ने की बैठक

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव का भव्य आयोजन 2 जुलाई को दोपहर 3 बजे से एनटीआर स्टेडियम, इंदिरा पार्क के पास, लोअर टैंकबंड, हैदराबाद में किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन विश्व धर्म चेतना मंच, हैदराबाद चैप्टर द्वारा किया जा रहा है। हैदराबाद इस महामहोत्सव में श्रद्धेय सिद्ध गुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव, तिरुपति के श्रीमुख से लोगों को दैविक सिद्धित मंत्रों का महा अशीर्वाद प्राप्त होगा, जिससे लोगों की विपत्तियां मिटेंगी और भव सागर से पार भी उतरेंगे। इसी क्रम में 3 जुलाई 2023 को श्री गुरुमंत्र दीक्षा, क्लासिक गार्डन, बालमराय सिकंदराबाद में होना निश्चित हुआ है। इसी संदर्भ में 25 जनू रविवार को 11 बजे विभिन्न समाज के प्रतिनिधित्व करते विशिष्ट व्यक्तियों की बैठक बशीरबाग में रखी गई। इनमें अग्रवाल, माली, वैष्णव, महेश्वरी, जैन, कुमावत, दाहिमा परिवार आदि समाज के लोग उपस्थित थे। बैठक में आगामी श्री गुरु पूर्णिमा महा-महोत्सव से संबंधित जानकारी उपलब्ध करने के पश्चात सभी समाज के गणमान्य लोगों को गुरुपूर्णिमा में बढ़-चढ़ कर सहयोग देने की अपील की गई। लोगों ने सिद्ध गुरु के बारे में दो वीडियों के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। बैठक में शामिल लोगों ने गुरुदेव के सानिध्य में होने वाले आयोजन में अधिक से अधिक लोगों को लाने का आश्वासन भी दिया और आगे बढ़ कर निमंत्रण पत्र ले कर गए। कार्यक्रम में 2500 से अधिक निमंत्रण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम की शुरूआत गुरुदेव की स्तुति व दीप प्रज्वल कर प्रकाश सेठिया, कैलाश नारायण भगड़िया ने की तथा ओम प्रकाश शर्मा ने संबोधन किया।

बीजेपी की जीत से तेलंगाना में विकास सुनिश्चित होगा: जेपी नड्डा

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज कहा कि उनकी पार्टी की जीत से तेलंगाना राज्य में विकास सुनिश्चित होगा। नागरकर्नूल जिले में नव संकल्प सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीबों और समाज के कमजोर वर्गों के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जहां तेलंगाना राज्य के सभी वर्गों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सीएम केसीआर, उनके बेटे और बेटी खुशहाल जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को चावल दे रही है और दावा किया कि मोदी के पीएम बनने के बाद गरीबी 10 फीसदी कम हो गई है। नड्डा ने कहा कि मोदी ने अपने शासन में पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ घर बनाए। उन्होंने कहा कि वे पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के किसानों को प्रति वर्ष 6000 दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के कारण दुनिया भर में आर्थिक मंदी है। भारत आईटी और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया वैश्विक नेता के रूप में मोदी की सराहना कर रही है। इससे पहले, नोवोटेल होटल में राज्य पार्टी नेताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए, नड्डा ने स्पष्ट किया कि वे तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के साथ कभी समझौता नहीं करेंगे और कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में बीआरएस पार्टी के साथ गंभीर लड़ाई होगी। उन्होंने पार्टी नेताओं से राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने के लक्ष्य के साथ कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

हैदराबाद के चंगीचेरला स्थित आगामी कार्यकाल के लिए सर्वसहमति से नवनिर्वाचित अध्यक्ष पारसमल रेणवाल व कार्यक्रम में पधारे समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मानकर उपस्थित पूर्व अध्यक्ष चेनाराम रेणवाल, चन्द्रप्रकाश मोटावत, मंच संचालक सी.आर.कुमावत, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

मनीष अग्रवाल अध्यक्ष और कपूरचंद गुप्ता मंत्री निर्वाचित

अग्रवाल समाज, तेलंगान के केन्द्रीय समिति का चुनाव सम्पन्न

अग्रवाल समाज तेलंगाना के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, मंत्री कपूरचन्द गुप्ता, सह-मंत्री कंचन अग्रवाल और कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल।

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय समिति वर्ष 2023-25 हेतु पदाधिकारियों के चुनाव रविवार 25 जून को अग्रसेन गार्डन, सिकंदराबाद में शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। मतदान पूर्वांहन 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला। मतदाता सूची की जांच और मतदान के लिए कई काउंटर बनाए गए थे। मतगणना शाम 5 बजे के बाद की हुई। मतगणना के परिणामों की घोषणा करते हुए चुनाव अधिकारी डॉक्टर मोहन गुप्ता ने बताया कि अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, मंत्री कपूरचन्द गुप्ता, सह-मंत्री कंचन अग्रवाल और कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल निर्वाचित किए गए है। उन्होंने बताया कि चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। चुनाव कराने में अग्रवाल समाज तेलंगाना व अग्रवाल शिक्षा समिति के मोहन जी अग्रवाल, राम गोयल, सुनील कुमार पाटोदिया, मुकुंद लाल अग्रवाल, अशोक बंसल, नरेश अग्रवाल, नंद गोपाल भट्टड़, मनोज गोयल, आदित्य वाजपेयी आदि का सहयोग रहा।

बंडी ने बीआरएस, कांग्रेस पार्टियों की आलोचना की

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ सनसनीखेज टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों का पोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''केसीआर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे हैं। हर महीने 30 लोगों को पैसा दिया जाता है। हर कोई जानता है कि किसकी पार्टी के उम्मीदवारों की जमानत जब्त होने वाली है।'' उन्होंने दावा किया कि केंद्र भ्रष्टाचार और परिवारवाद पर नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि केसीआर चाहते हैं कि बीजेपी न जीते और उन्होंने कहा कि सीएम को उन विधायकों के बारे में पता है जो कांग्रेस पार्टी में जीतकर उनके पास आएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में बीआरएस, कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। उधर, कर्नाटक विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद तेलंगाना कांग्रेस पार्टी के नेताओं में खुशी बढ़ गई है।

तेलंगाना राज्य एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो का अभियान जारी

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक रोमांचक रविवार को, तेलंगाना राज्य एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीएसएनएबी) ने अपने चल रहे एंटी-ड्रग्स राज्यव्यापी जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में, कला-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से उत्साही युवाओं को आकर्षित और प्रेरित करना जारी रखा। इस आकर्षक पहल में, टीएसएनएबी ने हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी और जेएनटीयू में ललित कला का अध्ययन करने वाले छात्रों के साथ सहयोग किया। युवाओं ने डॉ.बी.आर.आंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर की दीवार को मनोरम दृश्यों और प्रभावशाली संदेशों से सजाया, जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों की एक दृश्य अनुस्मारक के रूप में सेवा प्रदान करते हैं। 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय एंटी नारकोटिक्स दिवस से पहले जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में, भित्तिचित्र दीवार तुरंत आकर्षण का केंद्र बिंदु बन गई, जिसने वहां से गुजरने वाले यात्रियों का ध्यान आकर्षित किया और बातचीत शुरू कर दी। सीवी आनंद (निदेशक टीएसएनएबी और सीपी-हैदराबाद) के साथ श्रीमती शैलजा, निदेशक-डीडब्ल्यूसीडीएस और श्री सीतारामाराव, कुलपति, डॉ.बी.आर.अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्रों के साथ बातचीत की, जिन्होंने उन्हें अंतर्निहित विषय और कला के बारे में समझाया। जागरूकता पैदा करने के लिए अपनी रचनात्मकता और जुनून को अभिव्यक्ति के एक शक्तिशाली माध्यम में बदलने के लिए उनकी सराहना की गई। श्री आनंद ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना भारत के उन कुछ राज्यों में से एक है, जहां नशीले पदार्थों के प्रवर्तन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अलग से एक अलग नशीले पदार्थ ब्यूरो है। एक महीने पहले गठित यह ब्यूरो राज्य भर में सभी मादक द्रव्य विरोधी कानूनों को लागू करेगा। सितारामाराव, वीसी ने सामुदायिक संरचना में सभी स्तरों पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग के गंभीर परिणामों को दोहराया और युवाओं से बुरी आदतों से दूर रहने का आग्रह किया। श्रीमती शैलजा, निदेशक-डीडब्ल्यूसीडीएस ने आश्वासन दिया कि उनका विभाग टीएसएनएबी के साथ मिलकर काम करेगा।

मंत्री ने सरदार सरवई पपन्ना गौड़ स्वाभिमान भवन का भूमि पूजन किया

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के उत्पाद शुल्क, पर्यटन और संस्कृति मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़, राज्य बीसी कल्याण मंत्री गंगुला कमलाकर, राजेंद्र नगर विधायक प्रकाश गौड़ ने कोकापेट, राजेंद्र नगर निर्वाचन क्षेत्र, रंगारेड्डी जिले में 5 एकड़ भूमि पर सरदार सरवई पपन्ना गौड़ स्वाभिमान भवन का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद सभी समुदायों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत सरकार पिछड़े वर्गों के कल्याण और विकास को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि बीसी में सभी जाति समुदायों को स्वाभिमानपूर्ण भवन बनाने की मंशा से जमीन और फंड दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा के लिए गुरुकुलों और कन्या विवाह को कल्याण लक्ष्मी के बोझ से मुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार स्वजातीय लोगों को स्वाभिमान भवन जैसी सुविधाएं मुहैया करा रही है। इस मौके पर राजेंद्रनगर के विधायक प्रकाश गौड़, करीमनगर के पूर्व सांसद पोन्नम प्रभाकर, बीसी आयोग के अध्यक्ष वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव, बीसी कल्याण आयुक्त बुर्रा वेंकटेशम, कुतबुल्लापुर के विधायक केपी विवेकानंद आदि उपस्थित रहे।

अग्र महिला मंच की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच की वार्षिक साधारण सभा बड़े ही भव्य रूप से मनाई गई। मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि बशीरबाग स्थित एक होटल में 70 महिलाओं के सानिध्य में मध्यान्ह 3 से 4 शानदार रूप से मनाई गई।

अध्यक्षा दीपा गर्ग ने मुख्य अतिथि जी एवं उपस्थित सभी महिलाओं का हार्दिक स्वागत किया। इसी क्रम में मुख्य अतिथि व पदाधिकारियों द्वारा महाराजा अग्रसेन जी को माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। सीमा पंसारी ने मुख्य अतिथि इंदिरा बजाज (माहेश्वरी सघ की अध्यक्षा) का परिचय दिया। अग्र महिला मंच के वार्षिक कार्यकलापों का लेखा जोखा मंत्राणी अंजू गोयल ने प्रस्तुत किया। मंच द्वारा पुराने सदस्यों में अमिता बगेडिया, अंजू पित्ती, कौशल्या अग्रवाल, योगिता अग्रवाल का सम्मान किया। गया महिलाओं के लिए मनोरंजक गेम्स में सीमा पंसारी, स्वाति, शीतल अग्रवाल विजेता रही। इस कार्यक्रम के सबसे आकर्षण का केंद्र 2000 के नोटों की नोटबंदी पर एक लघु नाटक मंचित किया गया, जिसमे मोदी जी की मुख्य भूमिका मंजू केजरीवाल ने निभाई व सुनीता गुप्ता अंगरक्षक के रूप में मौजूद थी। सभी गेम्स प्रभावती अग्रवालऔर सपना अग्रवाल के नेतृत्व में खिलाये गए आकर्षक तंबोला दीपा गर्ग व अंजू गोयल ने खिलाया। तंबोला के सभी विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि जी ने अग्र महिला मंच के कार्यों को सराहते हुए नए रचनात्मक कार्य करने पर अपने विचार व्यक्त किए। इन सभी पुरस्कारों को प्रायोजिकाएं सीमा पंसारी एवं सुनीता अग्रवाल द्वारा पुरस्कृत किए गए।

अमित शाह ने केटीआर के साथ मुलाकात रद्द की

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव के साथ अपनी निर्धारित बैठक अचानक रद्द कर दी है। शुक्रवार से राष्ट्रीय राजधानी में डेरा डाले हुए मंत्री केटी रामा राव ने शनिवार रात को अमित शाह से मिलने का समय भी ले लिया है। हालाँकि, केंद्रीय गृह मंत्री ने केटीआर के साथ अपनी बैठक अचानक रद्द कर दी है और इसकी सूचना तेलंगाना मंत्री को भी दे दी गई है। अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, केटी रामाराव ने कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की और तेलंगाना में विभिन्न प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से सहायता मांगी।

नोएडा पहुंचे सीएम योगी

कहा-'जैसे यूपी के माफिया ठंडे हो गए, वैसे ही मौसम भी ठंडा हो गया है'

नोएडा, 25 जून (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ नोएडा पहुंचे हैं। यहां उन्होंने नोएडा और ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण की 1718।66 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नोएडा स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि जैसे उत्तर प्रदेश के माफिया ठंडे हो गए वैसे ही अब यहां का मौसम भी ठंडा हो गया है। सीएम योगी ने कहा कि जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान श्री राम अपने मंदिर में विराजमान होंगे। योगी ने कहा कि यहां देखो हमारे प्रधानमंत्री का अमेरिका में अभूतपूर्व स्वागत हुआ और भारत दुनिया में 5वीं अर्थव्यवस्था के रूप उभरा है। वहीं पाकिस्तान को देखो, आज वह एक-एक रोटी के लिए मोहताज हो रहा है।

योगी ने आपातकाल को किया याद

सीएम योगी ने कहा कि आज ही के दिन 48 साल पहले कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोंटने और लोकतंत्र की हत्या का प्रयास किया था। रामनाथ गोयनका जी ने आवाज मुखर की थी आज उनके नाम से एक मार्ग का लोकार्पण करने का मौका मिला। सभी लोकतंत्र सैनानियों को नमन करता हूं, आजादी के बाद देश के लोकतंत्र पर जब संकट आया था तो जय प्रकाश नारायण जी के नेतृत्व में अटल, आडवाणी जी थे और सभी ने एक मंच पर आकर लोकतंत्र को बचाने का काम किया था। लेकिन आज जेपी और लोहिया के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।

योगी ने इन परियोजनाओं का किया उद्घाटन

सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर नोएडा के लोगों 1718 करोड़ की योजनाओं की सौगात मिल रही है।इसमे नोएडा सेक्टर 123 में 142 करोड़ की लागत से निर्मित सब स्टेशन, नोएडा ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाला पर्थला चौक के उपर केबल स्टेयड फ्लाई ओवर ,सेक्टर 78 में वेदवन पार्क जैसे विकास कार्य शामिल है। केंद्र सरकार की मोदी जी के नेतृत्व में 9 वर्ष की उपलब्धियों को बताने आपके बीच आया हूं, 2024 में एक बार फिर से सरकार आए। आपको 1718 करोड़ की परियोजना देने आया हूं।

पहले लोग नोएडा आने में संकोच करते थे, दिल्ली जाते थे

योगी ने कहा कि पहले लोग यहां नहीं आते थे, दिल्ली चले जाते थे क्योंकि यहां व्यवस्था अच्छी नहीं थी। लेकिन पिछले 6 सालों में स्थिति बदल गई है।

आज इन परियोजनाओं का लोकार्पण और ग्रेटर नोएडा में एक रोबोटिक मैन्यूफैक्चरिंग का उद्घाटन हो रहा है। एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर में बन रहा है। 6 साल पहले जेवर की क्या स्थिति थी? जिन चीजों की पहले सिर्फ कल्पना की थी वो सब हो रहा है। जेवर एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों का धन्यवाद। काशी भी हमारे पास, अयोध्या भी हमारे पास और नोएडा भी हमारे पास। दुनिया के अंदर जहां भी सनातनी हैं, सभी जनवरी 2024 में राम मंदिर के बनने का इंतजार कर रहा है।

इमरजेंसी की बरसी पर बीजेपी पर बरसे शिवपाल सिंह यादव

बिना नाम लिए कहा- जो आपातकाल का विरोध कर रहे थे वो अब सत्ता में

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। देश में साल 1975 में लगाई गई इमरजेंसी की बरसी पर समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक ट्वीट में जहां आपातकाल के फैसले की आलोचना की तो वहीं बिना नाम लिए भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। सपा नेता ने लिखा- 25 जून 1975 को तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे दुखद अध्याय था। जो लोग कभी आपातकाल का विरोध कर रहे थे, आज वह ही सत्ता में बैठकर देश को तानाशाही की ओर ले जा रहे हैं व जनता पर अघोषित आपातकाल थोपे हुए हैं। आपातकाल के विरुद्ध उठे हर स्वर को नमन।

काशी विश्वनाथ मंदिर में मंगला आरती के लिए देने होंगे एक हजार, सावन में बढ़ाया गया शुल्क

वाराणसी, 25 जून (एजेंसियां)। देवाधिदेव महादेव को प्रिय मास सावन में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में मंगला आरती में शामिल होने के लिए 500 रुपये के बजाय एक हजार रुपये का टिकट लेना होगा। सोमवार को इसके लिए दो हजार रुपये देने होंगे। इसी तरह सुगम दर्शन का टिकट 300 रुपये के बजाय सामान्य दिनों में 500 रुपये और सोमवार को 750 रुपये होगा। मंदिर प्रशासन ने सावन में सुगम दर्शन, आरती-अनुष्ठान के लिए हर वर्ष की तरह विशेष शुल्क की सूची शनिवार को जारी की। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा। सुनील कुमार वर्मा के अनुसार, मध्याह्न भोग आरती, सप्तर्षि आरती और श्रृंगार भोग आरती के लिए 300 रुपये के बजाय 500 रुपये शुल्क लगेगा। वहीं, एक शास्त्री से रुद्राभिषेक कराने पर 500 के बजाय 700 रुपये खर्च करने होंगे। पांच शास्त्रियों से रुद्राभिषेक के लिए सामान्य दिनों में 2100 रुपये और सोमवार को 3000 रुपये की रसीद कटानी होगी। इसके लिए अन्य महीनों में 1380 रुपये लगते हैं। संन्यासी भोग के लिए सावन में सामान्य दिनों में 4500 और सोमवार को 7500 की रसीद कटेगी। श्रावण श्रृंगार के लिए 20,000 रुपये लगेंगे।

आनंद मोहन एक बार फिर सुर्खियों में

बाहुबली पूर्व सांसद ने वाशिंग पाउडर से की बीजेपी की तुलना

दरभंगा, 25 जून (एजेंसियां)। जेल से निकलने के बाद बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। शनिवार को आनंद मोहन दरभंगा पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कि देश मे एक निरमा वाशिंग पाउडर है और एक बीजेपी वाशिंग पाउडर है। एक कपड़े को साफ करता है और दूसरा नेताओ को साफ करता है। हेमंत बिस्वा हो अजित पवार हो सब चार्जशीट है, लेकिन सभी बीजेपी में जाते ही उनकी छवि साफ सुथरी हो गई। उन्होंने कहा कि अगर हम भी निकलते और कह देते कि आपकी तरफ हैं तो ये लोग कहते कि देखो जननायक आनंद मोहन आ रहा है।

दूसरी पारी समाजवाद के लिए समर्पित- आनंद मोहन

विपक्षी बैठक को लेकर आंनद मोहन ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो विपक्षी एकता के लिए जो पहल कर रहे हैं वो देर से ही सही, लेकिन रास्ता बिल्कुल सही है। आगे उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जहां जहां विपक्ष कमजोर हुआ है। वहां वहां सरकार के द्वारा तानाशाही रवैया अपनाया गया है। ये जो मेरी दूसरी पारी है पूरी समाजवाद के लिए समर्पित है। मेरी लड़ाई टिकट के लिए बिल्कुल नहीं है। मैं बाहर आते ही कहा था मैं समाजवाद के साथ अब भी हूं और आगे भी रहूंगा। कई बार कह चुका हूं कि जब केंद्र मजबूत हो तो विपक्ष को विकलांग नहीं होना चाहिए।

राहुल गांधी को दी सलाह

वहीं, पूर्व सांसद ने कहा कि जब वह दरभंगा के एक चौक से गुजर रहे थे तो वहां कांग्रेस के द्वारा लगाए गए राहुल गांधी का एक बैनर दिखा, जिसमें राहुल गांधी के समर्थन में एक बहुचर्चित शायरी लिखी थी, जिसमें लिखा था कि हम नफरतों के बाजार में मोहब्बत का दुकान खोलने आए हैं। यह बात आनंद मोहन को खटक गई और इस बात को लेकर उन्होंने राहुल गांधी को नसीहत दी। उन्होंने राहुल गांधी पर बोलते हुए कहा कि उन्हें अच्छे सलाहकार की जरूरत है, वो कहते हैं हम नफरतों के बाजार में मोहब्बत का दुकान खोलने आए हैं। लेकिन मैं कहना चाहूंगा की दुकान नहीं बोलिए। दुकान में सौदा होता है तो दुकान खोलकर आप क्या कीजिएगा। आप प्यार, मोहब्बत का सौदा करेंगे, उनके सलाहकारों को इसलिए उनको बताना चाहिए। सुधार करना चाहिए।

'मोहब्बत तो खुदा का दूसरा रूप है'

आगे आनंद मोहन ने कहा कि नफरत का बाजार हो सकता है। नफरत की खेतीबाड़ी हो सकती है। अब इस देश में यही सब चल रहा है। मोहब्बत के लिए तो हमे बलिदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बलिदान का काम कर रहे हैं और नाम दुकान का दे रहे हैं। आज हमने दरभंगा में लगे बैनर में देखा जो मुझे ठीक नहीं लगा। मोहब्बत तो खुदा का दूसरा रूप है।

भाजपा नेता ने जदयू नेता को मारी गोली, घटना के बाद दोनों पक्षों में झड़प

मधेपुरा, 25 जून (एजेंसियां)। बिहार के मधेपुरा जिले में भाजपा नेता पंकज पटेल ने जदयू नेता संजय कुमार भगत को गोली मार दी। संजय भगत के कमर में गोली लगी है। घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल कायम है। प्रत्यदर्शियों ने बताया कि घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट भी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद भाजपा नेता पंकज पटेल को हिरासत में लिया। हालांकि, भाजपा नेता ने गोली क्यों चलाई गई यह स्पष्ट नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि भाजपा नेता पंकज पटेल का किसी बात को लेकर जदयू नेता संजय कुमार भगत से विवाद हो गया, जिसके बाद नेता ने फायरिंग कर दी। जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह जिले के मुरलीगंज भगत धर्मशाला में भाजपा नेताओं की बैठक होनी थी। इसमें पूर्व डिप्टी सीएम तार किशोर प्रसाद को भी शिरकत करना था।

हाजीपुर की डेयरी फैक्ट्री में बड़ा हादसा

जहरीली गैस लीक होने से 1 मजदूर की मौत, तीस की हालत गंभीर

वैशाली, 25 जून (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली जिले से दुखद खबर सामने आई है। जिले के हाजीपुर शहर में एक दूध फैक्ट्री में अचानक अमोनिया गैस लीक हो गई। इसकी चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोगों की तबीयत बिगड़ी गई। इन सभी मजदूरों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना हाजीपुर के राज फ्रेश डेयरी में हुई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के वक्त डेयरी फैक्ट्री में मजदूर काम कर रहे थे। अचानक जहरीली गैस का रिसाव होने लगा, जिससे मजदूरों की तबीयत बिगड़ गई। कई मजदूरों की हालत ज्यादा बिगड़ गई थी, उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। अग्निशमन विभाग के डीएसपी डॉ। अशोक कुमार ने कहा कि जानकारी मिली कि राज फ्रेश डेयरी में अमोनियम सिलेंडर से गैस लीक होने की घटना हुई है। हालात पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। फिलहाल हमारे पास जानकारी है कि कुछ मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हम रिसाव के कारण की जांच कर रहे हैं। स्थिति अब नियंत्रण में है। राज फ्रेश डेयरी फैक्ट्री को खाली कराया गया है। राहत और बचाव कार्य में तेजी लाई गई है। वहीं, इस घटना में जान गंवाने वाले मजदूर की पहचान नहीं हो पाई है। दमकलर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद गैस के लीकेज पर काबू पाया। सिलेंडर से गैस इतनी तेजी से निकल रही थी कि गैस की गंध पूरे शहर में फैल गई, जिससे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। गैस के रिसाव से लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

मणिपुर हिंसा पर राम गोपाल यादव का केंद्र सरकार पर हमला, बोले- राष्ट्रपति शासन लगाया जाए

मैनपुरी, 25 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। हिंसा के मद्देनजर, कई जिलों में कर्फ्यू लगा हुआ है। सरकार ने शांति बहाली के लिए सेना को मोर्चे पर लगा दिया है। वहीं शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली संसद भवन में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें भाजपा, आप, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और वाम दलों सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया। बैठक के बारे में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद राम गोपाल यादव ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मणिपुर में पिछले 50 दिनों से हालात सबसे खराब हैं। महिलाएं, बच्चे सभी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। सर्वदलीय बैठक में सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि 'मणिपुर में पिछले 50 दिनों से हालात सबसे खराब हैं। महिलाएं, बच्चे सभी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मुताबिक, स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन अभी भी घर जल रहे हैं और सड़कें जाम हो रही हैं। मैंने बैठक में मांग की है कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।

आगरा में राजनाथ सिंह बोले

बीजेपी लोकतंत्र का गला घोंट रही, तो इन प्रदेशों में कैसे बन गई सरकार

आगरा, 25 जून (एजेंसियां)। मोदी सरकार के नौ वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित किए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान के आखिरी चरण में भाजपा ने घर-घर संपर्क अभियान की तैयारी कर ली है। इसी के तहत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार की सुबह आगरा पहुंचे। उनकी पहली जनसभा फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र के कागारौल में हुई। यहां उन्होंने कहा कि आज 25 जून का दिन है। इसी दिन 1975 में आपातकाल लगाया गया था और लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी लोकतंत्र का गला घोंट रही है तो हिमाचल, कर्नाटक, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार कैसे बन गई।

पटना-रांची वंदे भारत का इंतजार खत्म: कल होगा उद्घाटन, 28 से हर रोज चलेगी ट्रेन

पटना, 25 जून (एजेंसियां)। पटना से रांची के बीच चलने वाली बहुप्रतीक्षित वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन 27 जून को रांची में किया जाएगा। इसके बाद 28 जून से ट्रेन संख्या 22349/22350 पटना-रांची-पटना वंदे भारत ट्रेन का नियमित परिचालन किया जाएगा। यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में प्रतिदिन चलाई जाएगी। यह ट्रेन छह घंटे से भी कम समय में (5 घंटे 55 मिनट में) रांची से पटना पहुंच जाएगी। वहीं पटना से रांची पहुंचने में ट्रेन को पूरे छह घंटे लगेंगे। किराया भी तय कर दिया गया है। 27 जून को उद्घाटन स्वरूप रांची से 10.30 बजे सुबह खुलेगी। यह ट्रेन मेसरा, बरकाकाना, चरही, हजारीबाग, कोडरमा, पहाड़पुर, जहानाबाद रुकते हुए 4.25 बजे शाम पटना जंक्शन पहुंचेगी। इसमें अभी आठ कोच होंगे। 28 जून से वंदे भारत अपने निर्धारित समय शाम 4 बजकर 15 मिनट पर रांची से पटना के लिए रवाना होगी।

पटना से सुबह सात बजे खुलेगी वंदे भारत

वहीं, वंदे भारत ट्रेन पटना से सुबह सात बजे 28 जून से खुलेगी। 8.25 में यह ट्रेन गया, 9.35 में कोडरमा, 10.33 बजे हजारीबाग, 12.20 मेसरा होते हुए एक बजे रांची पहुंचेगी। वहीं, वापसी में यह ट्रेन 4.15 बजे दिन में रांची से खुलेगी और 10.05 बजे पटना जंक्शन पर पहुंचेगी। पटना-रांची-पटना वंदे भारत ट्रेन का किराया जानने को लेकर भी लोगों में उत्सुकता थी। बता दें कि पटना से रांची के बीच एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 2110 रुपये और चेयर कार का 1175 रुपये होगा। वहीं, पटना से गया के बीच चेयर कार का किराया 650 रुपये और एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1070 रुपये होगा। इस ट्रेन को लेकर यात्रियों में काफी उत्साह है। इस ट्रेन की गति एवं सुविधाएं यात्रियों को काफी आकर्षित करती हैं। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार का कहना है कि बिहार से झारखंड जाने वाले यात्रियों को इस ट्रेन से विशेष सुविधा होगी।

सात फेरों के बाद ससुराल में दुल्हन की उठी अर्थी

नवादा, 25 जून (एजेंसियां)। बिहार के नवादा जिले में एक विवाहिता की शादी के महज कुछ ही घंटे बाद मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद शादी के जश्न का महौल मातम में तब्दील हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, दुल्हन की मौत तब हुई जब ससुराल में गाल सेंकने की रस्म करायी जा रही थी। बकौल रिपोट्‌र्स, घटना नवादा के कौआकोल थाना के महापुर गांव की है। यहां के निवासी सुबोध मिस्त्री के बेटे रोहित शर्मा की शादी झारखंड के कोडरमा के लालगढ़ गांव की एक युवती से शुक्रवार हुई। दोनों की शादी जिले के शोभनाथ मंदिर में संपन्न हुई थी। रिपोट्‌र्स के मुताबिक, वैवाहिक रस्म के दौरान ही दुल्हन बेहोश हो गई। इसके बावजूद भी उसे ससुराल भेजा गया।

लोकसभा चुनाव के पहले यूपी में आरएसएस एक्टिव

अगले 5 दिन तक दत्तात्रेय होसबोले से नई भूमिका समझेंगे प्रचारक

कानपुर, 25 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सक्रिय हो गया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले डेरा जमाएंगे। दत्तात्रेय होसबोले काशी, अवध, गोरक्ष और कानपुर के प्रांत, विभाग और जिला प्रचारकों की बैठकों को संबोधित करेंगे। आज से शुरू होने जा रही प्रचारकों की बैठकों का समापन 30 जून को होगा। दत्तात्रेय होसबोले 27 जून से 30 जून तक आयोजित होनेवाली बैठकों और कार्यशाला में मौजूद रहेंगे। लोकसभा चुनाव से पहले आरएसएस की कवायद को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आरएसएस स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारी कर है। तैयारी के बीच अगले साल लोकसभा का चुनाव होने जा रहा है। पूर्वी क्षेत्र के जिला, विभाग और प्रांत प्रचारकों की अलग-अलग बैठकों और कार्यशाला का सिलसिला शिशु मंदिर निराला नगर में चलेगा। बैठक में करीब 100 प्रचारक शिरकत करेंगे। बता दें कि आरएसएस ने हाल ही में विभाग और जिला स्तर पर प्रचारकों की भूमिका को बदला है। नए लोगों को विभाग का प्रचारक और जिला का प्रचारक भी बनाया गया है। दत्तात्रेय होसबोले बैठक में जिला, विभाग और प्रांत प्रचारकों की आगामी भूमिका को समझाएंगे। संघ की कवायद लोकसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। आरएसएस से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने यूनिफॉर्म सिविल कोड का समर्थन कर दिया है। संगठन का कहना है कि मुसलमानों के हितों को ध्यान में रखते हुए ड्राफ्ट तैयार किया जाना चाहिए।

मुख्य संयोजक इंद्रेश कुमार ने कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच देशभर में जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव हारने के बाद आरएसएस ने बीजेपी को नसीहत दी थी। संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में पार्टी को आत्ममंथन करने पर जोर दिया गया था। उसका कहना था कि पार्टी का बिना मजबूत आधार और क्षेत्रीय लीडरशिप के चुनाव जीतना आसान नहीं है।

पटना में युवक की निर्मम हत्या, अपराधियों ने पहले गोली मारी फिर चाकू से मार डाला विरोध में बवाल

पटना, 25 जून (एजेंसियां)। पटना में युवक की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने उसे पहले गोली मारी फिर उसका गर्दन चाकू से काट डाला। रविवार सुबह युवक की लाश मिली तो इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लाश देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए। शव को सड़क पर रखकर जमकर बवाल करने लगे। लोगों का कहना है कि पुलिस की लापरवाही के कारण हत्यारे अब तक फरार हैं। अपराधियों के बीच पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और हत्यारों की गिरफ्तारी करे।

ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में तीन लोग घायल

नोएडा, 25 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के दादरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर में कार सवार तीन लोग घायल हो गए, जिनकी हालत गंभीर बताई जाती है। पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि 25 जून को सुबह करीब चार बजे दादरी थाना क्षेत्र के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर डासना की ओर जाते समय एक कार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घटना में संजीव (25), प्रखर (25), हनी (22) गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों बुलंदशहर जिले के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को दादरी के एक अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से उन्हें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है।

आईएएस बताकर युवती ने पीसीएस अधिकारी से रचा ली शादी

जमकर की शॉपिंग; पहले से निकली शादीशुदा

आगरा, 25 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में पदस्थ राज्य सरकार के एक अधिकारी खुद को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) बताने वाली युवती के जाल में फंस गए। फेसबुक पर दोस्ती के बाद दोनों ने आर्य समाज मंदिर में विवाह कर लिया। शादी के बाद किसी बहाने से युवती मायके जाकर रहने लगी और फिर पति से रुपये ऐंठती रही। बाद में धोखाधड़ी का पता चलने पर पीड़ित ने एफआईआर दर्ज करवाई। पता चला कि युवती पहले भी तमाम सरकारी अधिकारियों को अपने जाल में फंसाकर लूट चुकी है। मैनपुरी की रहने वाले नोबिल कुमार आगरा में राज्य कर अधिकारी हैं। नोबिल कुमार का आरोप है कि उनकी पत्नी कल्पना मिश्रा पहले से शादीशुदा है। उसने शादी से पहले खुद को अंडरकवर आईएएस ऑफिसर बताया था और उनसे हजारों रुपए ऐंठ लिए। नोबिल और कल्पना के रिश्ते की शुरुआत फेसबुक के जरिए हुई। वादी नोबिल कुमार के मुताबिक, फेसबुक पर उनकी दोस्ती कल्पना मिश्रा से हुई थी। देवापुर (सुल्तानपुर जनपद) की रहने वाली कल्पना ने खुद को अविवाहित बताया था। बातचीत के बीच युवती ने जानकारी दी कि वह अंडरकवर आईएएस ऑफिसर है। बातचीत के बाद दोनों की मुलाकात हुई। मुलाकात में कल्पना मिश्रा ने नोबिल कुमार से शादी करने की बात कही। जीएसटी ऑफिस जयपुर हाउस, आगरा में तैनात नोबिल कुमार ने कल्पना मिश्रा से शादी के लिए हां कर दी। नोबिल कुमार का आरोप है कि कल्पना ने शादी की शॉपिंग के लिए उनसे 71000 लिए थे। इसके बाद दोनों ने आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। कुछ दिन साथ रहने के बाद कल्पना वापस मायके चली गई।नोबेल का आरोप है कि इस दौरान कल्पना उनसे खर्चे के लिए रुपए मांगती रही। वह रुपए देते रहे। कल्पना जब वापस नहीं आई तो शक होने पर नोबिल ने उसके बारे में पता करना शुरू किया। शुरुआती छानबीन में नोबिल के सामने हैरान कर देने वाली जानकारियां सामने आईं। नोबिल को पता चला कि कल्पना मिश्रा पहले से शादीशुदा है। कल्पना की पहली शादी लखनऊ के विकास नगर में रहने वाले मनोज कुमार तिवारी के साथ हुई थी। दोनों के बीच कोर्ट में तलाक का मुकदमा चल रहा है। छानबीन में यह बात भी नोबिल के सामने आई कि कल्पना खुद को मजिस्ट्रेट अधिकारी बताकर लोगों से मिलती है। उन्हें प्रेम जाल में फंसा लेती है और उनसे रुपए ऐंठ लेती है। फिर गायब हो जाती है। एफआईआर दर्ज नोबिल कुमार की शिकायत पर जगदीशपुरा थाना पुलिस ने कल्पना मिश्रा के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 , 467, 468 और 471 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

नवाज का लंदन में घर, करोड़ों की घड़ियां:2.4 लाख का इत्र बटन दबाने पर दीवार से निकलती है टीवी

लंदन, 25 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 729 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं। पाकिस्तान के चुनाव आयोग की मानें तो, नवाज पाकिस्तान के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक हैं। उनके पास लंदन में आलीशान मकान, कागज और कपड़ा मिल, लैंड क्रूजर से लेकर मर्सिडीज जैसी महंगी गाड़ियां हैं। लंदन के एवेनफील्ड हाउस में नवाज शरीफ 1993 से रहते हैं। यहां वे 16, 16ए, 17 और 17ए चार फ्लैट्स के मालिक हैं। ये सभी फर्स्ट फ्लोर पर हैं और इनकी दीवारें आपस में खुल भी जाती हैं। यानी हवेली जैसा फील आता है। इस फ्लैट की कीमत 73 करोड़ 51 लाख रुपए है। इस प्रॉपर्टी में शरीफ के दो बेटे, उनकी बेटी, राजनीतिक उत्तराधिकारी मरियम और उनके पति हिस्सेदार हैं। इन सभी के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग के आरोप में पाकिस्तान में मुकदमा भी चल रहा है इस घर में विश्व स्तर की सुविधाएं हैं। पीछे की तरफ पेंट हाउस और स्विमिंग पूल है। सामने ऑटोमेटिक टीवी है, जो बटन दबाने के बाद दीवार पर उभर आती है। घर में अतिथियों के लिए अलग कमरे हैं।

कुछ इस तरह बटन दबाते ही दरवाजे खुलते हैं, टीवी दीवार से बाहर निकलती है।

ऑटोमेटेड लाइट वाले इस घर में न रहने पर पंखे और बल्ब खुद ही स्वीच ऑफ हो जाते हैं। घर के भीतर से ही चारो फ्लैट आपस में कनेक्टेड हैं। बटन दबाने भर से ये घर चार हिस्सों में बंट जाते हैं। पतली सीढ़ी स्विच दबाने से खुलती है। घर की छत किसी वॉकिंग ग्राउंड जैसी है। लंदन के कई अखबारों में नवाज के मॉर्निंग वॉक की खबरें छपती रहती हैं। नवाज शरीफ के पास 2008 मॉडल मर्सिडीज बेंज है जो उन्हें बतौर गिफ्ट मिली है। इसकी कीमत 4.25 करोड़ रुपए है। पाकिस्तान के अखबार दी न्यूज इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के मुताबिक नवाज की संपत्ति 2016 में दो सौ करोड़ रुपए से ज्यादा थी, जो उन्होंने चार साल के भीतर बनाई। नवाज के भाई शहबाज शरीफ की संपत्ति भी पिछले 30 सालों में 20 लाख रुपए से 700 करोड़ रुपए हो गई है।

जॉर्जियाई पैलेस नवाज के बेटे के नाम, 10 बेडरूम और अपना सिनेमा हॉल

लंदन के हाइड पार्क नाम के सबसे पॉश इलाकों में नवाज शरीफ का एक ₹महलर₹ और है, जिसमें दस बेडरूम हैं। इस महल में अपना सिनेमा हॉल, स्विमिंग पूल, जिम, स्टीम रूम और स्पा है। 2016 में यह हवेली 446 करोड़ रुपए में खरीदी गई थी। 2019 में, नवाज बीमारी का हवाला देकर पाकिस्तान से लंदन आ गए थे। वहां वे अक्सर हाइड पार्क के हिस्से में टहलते हुए दिखे। इसको लेकर उनके वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए थे। 2019 में, नवाज बीमारी का हवाला देकर पाकिस्तान से लंदन आ गए थे। वहां वे अक्सर हाइड पार्क के हिस्से में टहलते हुए दिखे। इसको लेकर उनके वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए थे। यह हवेली लंदन की सबसे प्रतिष्ठित इमारतों में से एक मानी जाती है। वन हाइड पार्क प्लेस में भव्य संगमरमर की फर्श लगी है, जो इसे रॉयल लुक देती है। घर में बड़े-बड़े झूमर लगे हैं। बड़े डाइनिंग हॉल और ऑटोमेटेड सीढ़ियां हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा है कि यह घर अवैध पैसों पर लिया गया है। इसको लेकर पाकिस्तान और यूके की जांच एजेंसियों के बीच एक गुप्त समझौता हो चुका है।

10 लाख से ज्यादा दाम की घड़ी पहनते हैं नवाज

नवाज महंगी घड़ियों के शौकीन हैं। 73 साल के नवाज को हाल ही में लंदन की लग्जरी शॉपिंग डिस्ट्रिक्ट में देखा गया। यहां लग्जरी और बड़े ब्रांड की ही दुकानें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शरीफ बेंटले के शोरूम से निकलते हुए दिखे थे। वे जिस सेडान कार में सवार थे, उसकी कीमत 3 करोड़ बताई जा रही है। नवाज के पास 11.8 लाख की रोलेक्स घड़ी है। 10 लाख रुपए की पियोजेट की कलाई घड़ी भी उनके पास है। 2016 में नवाज शरीफ ने क्रिस्टोफर क्लैरट ब्रांड की एक घड़ी भी अपने पास रखी जिसकी कीमत तकरीबन 10 लाख रुपए है। पाकिस्तान में एक इवेंट में नवाज शरीफ की यह घड़ी काफी चर्चा में रही। इस रोलेक्स घड़ी की कीमत लाखों में है। इसी साल नवाज शरीफ ने दो रोलेक्स घड़ियां और लीं जिनकी कीमत 11 लाख और 8.5 लाख थी। रिपोर्ट्स की मानें तो नवाज के पास पांच लाख रुपए से ज्यादा कीमत की तकरीबन दर्जन भर घड़ियां हैं।

बीवी को गिफ्ट किया 4 करोड़ का हार

नवाज शरीफ ने अपने बेटे हुसैन नवाज के लिए भी 2017 में दो घड़ियां लीं, जो तकरीबन 15 लाख की थीं। पाकिस्तान के तोशखाने से नवाज ने अपनी पत्नी कुलसुम के लिए 1.2 करोड़ का हीरे का ब्रेसलेट लिया। तकरीबन 4.2 करोड़ रुपए के हार और कान की बाली भी पत्नी को गिफ्ट की थी।

पत्नी कुलसुम की 2018 में मौत हो गई थी

मार्च 2017 में, नवाज़ ने इसके लिए 2 लाख रुपए की एक टेबल घड़ी और तकरीबन 10 लाख रुपए का एक हीरे का हार भी गिफ्ट किया।

इत्र के भी शौकीन. 2.4 लाख की एक शीशी

पाकिस्तान के तोशखाने के रिकॉर्ड की मानें तो नवाज शरीफ के पास 2.4 लाख रुपए का एक इत्र का बॉक्स भी है। नवाज लंदन में कई बार महंगी दुकानों पर भी दिखे हैं। नवाज के पास 1.6 करोड़ का कफ लिंक का एक पेयर भी है। कफ लिंक सूट के भीतर शर्ट पहनने के दौरान कलाई के पास बटन की तरह यूज किया जाता है।

30 मिनट में 23 थप्पड़

क्लास 4 में पढ़ने वाले बच्चे को टीचर ने बेरहमी से पीटा, केस दर्ज

बेंगलूरू, 25 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु के प्राइमरी स्कूल के एक टीचर ने क्लास 4 में बढ़ने वाले मासूम छात्र को 23 बार थप्पड़ मारा। इस घटना को जिसने भी सुना उसकी रूह कांप गई। जिस छोटे से बच्चे के प्यार और दुलार से समझाया जा सकता है। उसको 23 थप्पड़ मारे गए। हर कोई इस टीचर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कह रहा था। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। लड़के के पैरेंट्स ने बताया कि बुधवार को व्हाइडफील्ड के पास चन्नासंद्रा में एक प्राइवेट स्कूल की टीचर बच्चे पर नाराज हो गई। बच्चे ने टीचर से कहा कि आप इंस्ट्रक्शन स्कूल डायरी में लिखकर पैरेंट्स को भेजें। बच्चे की ये बात टीचर को नागवार गुजरी और फिर उसको 23 बार थप्पड़ मारा। इससे पहले टीचर ने एक लड़के के माध्यम से पैरेंट्स के पास शिकायत भेजी की बच्चा अपना होमवर्क ठीक से नहीं कर रहा है। इसलिए आप आकर स्कूल में मिलें। बच्चे के माता-पिता दूसरे संस्थान में टीचर हैं। उन्होंने एक नोट लिखकर मांग थी कि टीचर अपने निर्देश लिखकर भेजें। इसी प्रतिक्रिया से नाराज होकर टीचर ने छात्र को मारा। 23 बार थप्पड़ मारने से बच्चे के ठुड्डी पर चोट आ गई है। मामला तब सामने आया जब मां ने बच्चे की ठुड्डी में सूजन देखी। मां ने बच्चे से बात पूछी। तब उसने पूरी घटना बताई। मां ने तुरंत बच्चे के पिता को बुलाया और पूरी घटना की जानकारी दी। अगले ही दिन दोनों स्कूल पहुंचे और स्कूल पदाधिकारियों ने पूरी बात बताई और शिक्षिका की शिकायत की। पैरेंट्स ने बताया कि किसी भी टीचर या प्रिंसिपल ने हमारे सवालों का जवाब नहीं दिया। इसके बजाय उन्होंने उस टीचर को ही घर भेज दिया , जिसने बच्चों को पीटा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करने के बाद एक पेट्रोलिंग व्हिकल स्कूल पहुंचा। स्कूल के कर्मचारियों ने सीसीटीवी फुटेज मांगी। फुटेज में साफ दिख रहा है कि 30 मिनट के भीतर टीचर ने बच्चे को 23 थप्पड़ मारे। पुलिस ने आरोपी टीचर के साथ-साथ स्कूल की प्रिंसिपल और कुछ अन्य लोगों को नोटिस जारी की है।

असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर, 4 लाख से अधिक लोग प्रभावित; 3 की मौत

गुवाहाटी, 25 जून (एजेंसियां)। असम में बाढ़ की स्थिति रविवार को भी गंभीर बनी रही और अभी तक 4 लाख से अधिक लोग इससे प्रभावित हैं। एक आधिकारिक रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई। एक अधिकारी ने कहा कि नौ जिलों में चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए, हालांकि जल स्तर कम होना शुरू हो गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अधिकारी ने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में इस साल की बाढ़ की पहली लहर में अब तक तीन लोगों की जान चली गई है। एएसडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार, बक्सा, बारपेटा, दरांग, धुबरी, गोलपारा, कामरूप, लखीमपुर, नलबाड़ी और उदलगुरी जिलों में 4,07,700 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अधिकारी ने बताया कि कुछ इलाकों में पानी का स्तर कम होना शुरू हो गया है। प्रशासन इन जिलों में 101 राहत शिविर चला रहा है, जहां 81,352 लोगों ने शरण ली है, और पांच जिलों में 119 राहत वितरण केंद्र चला रहा है। एएसडीएमए ने कहा कि वर्तमान में, 1,118 गांव पानी में डूबे हुए हैं और पूरे असम में 8,469.56 हेक्टेयर फसल क्षेत्र क्षतिग्रस्त हो गया है। इसमें कहा गया है कि बक्सा, बारपेटा, सोनितपुर, धुबरी, कामरूप, कोकराझार, नलबाड़ी, दक्षिण सालमारा और उदलगुरी में बड़े पैमाने पर कटाव देखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि दरांग, सोनितपुर, कामरूप, गोलाघाट, नलबाड़ी, बारपेटा, बक्सा, बोंगाईगांव, धुबरी, गोलपारा, करीमगंज, कोकराझार, उदलगुरी और लखीमपुर में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

कॉलेज की पढ़ाई के साथ-साथ छात्र का अजीब 'स्टार्टअप', घर में ही करने लगा गांजे की खेती

शिवमोग्गा, 25 जून (एजेंसियां)। कॉलेज में छात्र पढ़ाई के लिए एडमिशन लेते हैं। यहां उनका, उनके परिवार और टीचरों का लक्ष्य होता है कि छात्र अच्छे से पढ़ाई करके सफल हो जाए। लेकिन कई बार कुछ छात्र रास्ता भटक जाते हैं। वे गहल्ट लोगों की सांगत में आ जाते हैं और अपराध की दुनिया में कदम रख देते हैं। कुछ छात्र नशीले पदार्थों का सेवन और उनकी बिक्री करने लगते हैं। कुछ ऐसा ही मामला कर्नाटक के शिवमोग्गा में सामने आया है। यहां कर्नाटक के शिवमोग्गा में एक छात्र ने तो कमाल ही कर दिया। उसने अपने किराए के घर में ही गांजे की खेती करना शुरू कर दिया। इसके बाद वह ही इसकी तस्करी भी करने लगा। पुलिस ने इस मामले में तमिलनाडु और केरल के तीन छात्रों को गिरफ्तार किया है जो अपने किराए के मकान पर हाई-टेक खेती के माध्यम से गांजा उगा और बेच रहे थे। कर्नाटक पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान तमिलनाडु के कृष्णागिरी निवासी विघ्नराज के रूप में हुई है, जो एक निजी मेडिकल कॉलेज का छात्र है और उसे अपने किराए के आवास पर गांजा उगाते हुए पाया गया था। शिवमोग्गा के पुलिस अधीक्षक जीके मिथुन कुमार ने कहा, पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी पिछले साढ़े तीन महीने से इस धंधे में शामिल था। इसके साथ ही केरल के इडुक्की निवासी विनोद कुमार और तमिलनाडु के धर्मपुरी निवासी पांडीदोराई को गिरफ्तार किया गया।

ये दोनों आरोपी के घर पर गांजा खरीदने आये थे। पुलिस ने छापेमारी में आरोपियों के कब्जे से 227 ग्राम गांजा, 1.53 किलो कच्चा गांजा, 10 ग्राम चरस, गांजा के बीज वाली एक छोटी बोतल, 3 भांग के तेल की सिरिंज, गांजा पाउडर बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दो कैन, एक इलेक्ट्रॉनिक वेइंग मशीन और 19 हजार रुपए नकद समेत कई वस्तुएं बरामद कीं हैं। इसके साथ ही पुलिस ने तीनों छात्रों को गिरफ्तार करके विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

अस्पताल में अंधा-विश्वास

सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक कराते रहे परिजन, इलाज के अभाव में लड़की की मौत

खरगोन, 25 जून (एजेंसियां)। जिले के झिरन्या के शासकीय अस्पताल में लापरवाही की बड़ी तस्वीर सामने आई है। परिजन सर्पदंश पीड़िता एक लड़की को अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन इलाज की बजाय परिजन दो घंटे तक झाड़-फूंक करते रहे, जिससे लड़की की मौत हो गई अस्पताल में 17 वर्षीय नाबालिग आशा खतवासे के साथ झाड़-फूंक करते हुए वीडियो सामने आया है। झाड़-फूंक में दो घंटे निकल गए, इस दौरान पीड़िता को चक्कर आने लगे। खरगोन जिला अस्पताल ले जाते समय रस्ते में उसकी मौत हो गई। अस्पताल में झाड़-फूंक का खेलः जानकारी के अनुसार, झिरन्या के इंदिरा नगर निवासी 17 वर्षीय आशा को घर में काम करने के दौरान सांप ने काट लिया था। अंधविश्वास के चलते परिजन दो घन्टे तक अस्पताल में ओझा से झाड फूंक कराते रहे। हालात बिगड़ने पर झिरन्या से जिला अस्पताल खरगोन रैफर कर किया गया लेकिन बीच रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। डॉक्टरों के होते हुए अस्पताल में कैसा झाड़-फूंक की गई। परिजनों ने इलाज करने से डॉक्टरों को रोकाः वहीं, स्वास्थ्य महकमे के लोगों का कहना है कि "अंधविश्वास के चलते ओझा से परिजन झाड़-फूंक कराने ले आये थे।" इधर परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि अस्पताल में लड़की का इलाज कराया जा रहा था। तभी परिजनों ने ओझा को बुला लिया। झाड़-फूंक करने से रोकने पर ग्रामीण और परिजनों ने डॉक्टरों का विरोध किया।

हे भगवान! जिस मनहूस दरवाजे को मुख्यमंत्रियों ने कराया था बंद, सीएम सिद्धारमैया ने खोल दिया

बेंगलूरू, 25 जून (एजेंसियां)। मुख्यंत्री सिद्धारमैया ने वास्तु दोष के चलते कथित तौर पर बंद किए गए सीएम दफ्तर के पश्चिमी दरवाजे को खुद ही खुलवा दिया है, इसके बाद लोगों के मन में एक शंका सी बनी हुई है। बता दें कि कर्नाटक विधान सभा के तीसरे फ्लोर पर बने सीएम दफ्तर का पश्चिमी दरवाजा साल 2019 से बंद था। कहा जा रहा है कि उस वक्त के सीएम बीएस येदियुरप्पा ने इस दरवाजे को बंद करवाया दिया था। उस समय ये कहा गया था कि वास्तु दोष के चलते तब के सीएम की सलाह पर इस दरवाजे को बंद करवाया गया था। येदियुरप्पा के बाद सीएम बने बीजेपी के नेता बसवराज बोम्मई ने भी इस सीएम ऑफिस के वेस्ट गेट को बंद ही

रहने दिया। मौजूदा सीएम सिद्धरामैया शनिवार को जब खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री के एच मुनियप्पा के साथ बैठक के लिए पहुंचे तब उन्होंने इस दरवाजे को बंद देखा और उन्होंने अधिकारियों से पूछताछ की तो उन्हें जानकारी दी गई कि ये गेट साल 2019 से बंद है और इसकी वजह वास्तु दोष है। ज्योतिष और अंध विश्वास के खिलाफ हमेशा खड़े रहने वाले सीएम सिद्धरामैया ने तुरंत पश्चिमी दरवाजे को खोलने के निर्देश दिए और इसी गेट से अपने दफ़्तर में प्रवेश किया। इससे पहले भी सिद्धारमैया ऐसे कई मिथकों को तोड़ चुके हैं। कर्नाटक का चामराजनगर जिला ऐसा जिला है जहां कोई भी सीएम जाने से कतराते थे। ये मान्यता थी कि ये जिला सीएम की कुर्सी के लिए मनहूस और जो भी सीएम इस जिले के दौरा करते हैं उनकी कुर्सी चली जाती है। साल 2013 में सीएम बनने के बाद सिद्ध रामैया ने इस जिले का दौरा किया था और इसके बाद अपने कार्यकाल का 5 साल भी पूरा किया।

इंदौर के रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर शराब के नशे में दिखा कर्मचारी

इंदौर, 25 जून (एजेंसियां)। इंदौर के रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर एक कर्मचारी नशे की हालत में नजर आया। वह काउंटर पर बैठा था और नशे की हालत में इतना चूर था कि ठीक से जवाब भी नहीं दे पा रहा था। इस हालत में यात्रियों ने उसका वीडियो बना लिया और उसे वायरल कर दिया। रेल विभाग ने भी इसे गंभीरता से लिया है और कर्मचारी का मेडिकल कराया है। शराब के नशे में ड्यूटी करने के मामले में उस पर एक्शन लेने की तैयारी हो रही है। घटना रात रेलवे स्टेशन के छोटी ग्वालटोली गेट के पास बने टिकट काउंटर की है। यहां काउंटर पर यात्रियों की भीड़ लगी थी,क्योंकि काउंटर पर बैठा कर्मचारी न टिकट दे रहा था और न ही वह ठीक से जवाब दे रहा था।

'कांग्रेस के लिए ससुराल की तरह हैं मुस्लिम बीजेपी नेता ईश्वरप्पा का विवादित बयान

बेंगलूरू, 25 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता केएस ईश्वरप्पा ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मस्जिदें गिराई जाएंगी और मंदिर बनाए जाएंगे। उनके इस बयान के बाद बवाल मचना तय है। कांग्रेस नेताओं ने अभी उनके बयान पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। ईश्वरप्पा ने कहा, 'जैसा अयोध्या हुआ है, वैसे ही काशी विश्वनाथ मंदिर भी होगा और वैसे ही मथुरा श्रीकृष्ण मंदिर भी होगा। जहां-जहां मुगलों ने मंदिर तोड़कर मस्जिदें बनाई हैं, उन सभी जगहों पर आज या कल हम सभी मस्जिदें तोड़ देंगे और मंदिर आ जाएंगे।' हावेरी में मौजूद ईश्वरप्पा का दावा है कि कर्नाटक में मुसलमानों की वजह से कांग्रेस सत्ता में आई। ईश्वरप्पा यहीं नहीं रूके, उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस को हिंदू धर्म से नफरत है, मुसलमान उनके लिए ससुराल परिवार की तरह हैं। अगर मुसलमान न होते तो कांग्रेस अब तक ख़त्म हो गयी होती। मुसलमानों की वजह से कांग्रेस आज भी कर्नाटक में अपना अस्तित्व बचाने के लिए जोर लगा रही है। केएस ईश्वरप्पा की गिनती कर्नाटक में बीजेपी से बड़े नेताओं में होती है। कर्नाटक में हुए हालिया विधानसभा चुनाव में उन्होंने बीजेपी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने से पहले ही चुनावी सन्यास लेने का ऐलान कर दिया था। ईश्वरप्पा कर्नाटक सरकार में ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री रह चुके हैं।उनके ऊपर ठेकेदार संतोष पाटिल को सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप लगा था जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा देना पड़ा था। ईश्वरप्पा का जन्म 10 जून 1948 को बेल्लारी जिले में हुआ था। 1950 के दशक में उनका परिवार बेल्लारी से शिमोगा आ गया। उनके पिता एक मंडी में दिहाड़ी मजदूरी का काम किया करते थे। परिवार की आर्थिक तंगी को देखते हुए ईश्वरप्पा ने भी काम में हाथ बंटाना शुरू किया, जिसका उनकी मां ने विरोध किया।

एमपी चुनाव से पहले खुद की खींचतान में उलझी बीजेपी मंत्री-वरिष्ठ नेताओं का आपसी मनमुटाव बन रहा परेशानी

भोपाल, 25 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अब महज पांच महीने का समय ही बचा है। मध्य प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव की तैयारियों में जबरदस्त तरीके से व्यस्त हो गए हैं। लाडली बहना योजना की लांचिंग के बाद से बीजेपी फीलगुड भी महसूस कर रही है, लेकिन पार्टी के सामने एक नई विपदा आन खड़ी है। स्थिति यह है कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेताओं का आपसी मनमुटाव भारतीय जनता पार्टी के लिए परेशानी बन गया है। बता दें, पिछले 18 साल से मध्य प्रदेश की सत्ता का सुख भोग रही भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर से प्रदेश की सत्ता में काबिज होना चाहती है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी पुरजोर तरीके से तैयारियों में जुटी हुई है। बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व भी लगातार मध्य प्रदेश पर फोकस कर रहा है। स्थिति यह है कि लगभग हर सप्ताह ही किसी न किसी केन्द्रीय नेता का मध्य प्रदेश दौरा हो है। इस सप्ताह तो केन्द्र के तीन-तीन नेताओं का मप्र दौरा है। इसमें स्मृति ईरानी आकर चली गईं, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयप्रकाश नड्डा आने वाले हैं, लेकिन इन चुनावी तैयारियों के बीच एमपी बीजेपी खुद की परेशानियों में उलझी नजर आ रही है। भाजपा नेताओं का आपसी विवाद परेशानी का कारण बना हुआ है।

सार्वजनिक हुआ बुंदेलखंडी नेताओं का विवाद

बता दें भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के आपसी मनमुटाव की शुरुआत बुंदेलखंड से हुई है। एमपी शासन के मंत्री गोपाल भार्गव, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और परिवहन मंत्री भूपेन्द्र सिंह के बीच मनमुटाव हुआ। मंत्री गोपाल भार्गव और गोविंद सिंह राजपूत ने कुछ विधायकों के साथ मिलकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मंत्री भूपेन्द्र सिंह की शिकायत तक कर दी थी। इतना हीं नहीं नाराज मंत्रियों ने यह तक धमकी दे दी थी कि सब कुछ ठीक नहीं रहा तो वे सामूहिक रूप से इस्तीफा दे देंगे।

नाराज मंत्रियों ने आरोप लगाया था कि मंत्री भूपेन्द्र सिंह पूछे बगैर कोई काम नहीं हो रहा है। नाराज मंत्रियों की इस धमकी के बाद से भाजपा चिंता में आ गई थी। हालांकि बाद में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा की समझाईश और संघ नेताओं की नाराजगी के बाद मामला शांत हो गया था। लेकिन अब नई चर्चा सामने आ रही है कि मंत्री भूपेन्द्र सिंह पर दर्ज लोकायुक्त में शिकायत के पीछे मंत्री गोविंद सिंह राजपूत शामिल हैं।

तमिलनाडु के छात्र की बर्मिंघम में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, 10 महीने पहले पढ़ाई के लिए गया था ब्रिटेन

चेन्नई, 25 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु से लंदन पढ़ाई करने गए एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना बर्मिंघम की है जहां के एक कैनाल से छात्र को गंभीर हालत में रेस्क्यू किया गया था लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। छात्र की पहचान कोयंबटूर के झीवंत शिवकुमार के रूप में हुई है। झीवंत पिछले साल सितंबर में पढ़ाई करने के लिए बर्मिंघम गया था और यह उसकी पहली ब्रिटेन यात्रा थी। रिपोर्ट के मुताबिक, घटना को लेकर स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने कहा, झीवंत को 4.30 बजे बर्मिंघम में कैनाल से सुबह 4.30 बजे गंभीर हालत में रेस्क्यू किया गया था। रेस्क्यू टीम की लाख कोशिशों के बाद भी छात्र को बचाया नहीं जा सका। वहीं, एंबुलेंस सेवा प्रदान कराने वाली कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, सूचना मिलने के कुछ मिनट के भीतर ही पहली एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई थी। उन्होंने कहा, एंबुलेंस में मौजूद स्टाफ की ओर से झीवंत को बचाने का प्रयास किया गया लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अंत में घटनास्थल पर ही छात्र को मृत घोषित कर दिया गया। शिवकुमार स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल बिजनेस की पढ़ाई करने के लिए बर्मिंघम में स्थित एस्टन यूनिवर्सिटी में एमएससी में एडमिशन लिया था।

बर्मिंघम जाने से पहले शिवकुमार कोयंबटूर से ही इलेक्ट्रिकल में बीई की पढ़ाई की थी। शिवकुमार के माता-पिता और भाई कोयंबटूर में रहते हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद से ही परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिवार वाले शिकुमार की मौत पर कुछ भी बोलने की हालत में नहीं है। वहीं, छोटे भाई रोहन ने बताया कि उसका बड़ा भाई पढ़ने लिखने में अच्छा था और हर दिन परिवार के सदस्यों से फोन पर बात भी करता था। उसने कहा कि यह बात अपने आप में सवाल खड़े करती है कि आखिर उसका बड़ा भाई कैनाल तक कैसे पहुंचा। मौत के पीछे कोई साजिश हो सकती है। उसने कहा कि इंग्लैंड में भारतीय दूतावास के जरिए हमें मौत की जानकारी मिली है। शव को भारत लाने की प्रक्रिया चल रही है। शिवकुमार की मौत पर इसलिए भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि साथ रहने वाले दोस्तों ने बताया कि वो छह 6 बजे लाइब्रेरी जाने की बात कह कर फ्लैट से निकला था। रात 9.30 बजे जब शिवकुमार फ्लैट पर नहीं पहुंचा तो दोस्त ने खाने के लिए फोन किया। तब शिवकुमार ने बाद में आने की बात कही थी। इसके कुछ देर बाद जब शिवकुमार फ्लैट पर नहीं पहुंचा तो दोस्त ने दोबारा से उसे कॉल किया। रात करीब 11 बजे किए गए इस कॉल का कोई जवाब नहीं मिला। आधी रात उसका फोन बंद हो गया।

स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 26 जून- 2023

आतंकवाद बना नासूर

पीएम नरेंद्र मोदी अपनी सफल अमेरिकी दौरा कर स्वदेश लौट चुके हैं। लेकिन इस दौरान उनकी जो उपलब्धियां रही वह बेमिसाल हैं। सबसे बडी सफलता तो यही रही कि संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया में फैल रहे आतंकवाद व कट्टरवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरूरत है। पाकिस्तान का नाम लिए बगैर मोदी ने इशारों में बतायादिया कि विश्व व्यापार संगठन की मीनारों पर हमले के दो दशक से अधिक बीत चुके हैं। यहीं नहीं मुंबई हमले को भी हुए एक दशक से अधिक समय बीत गया है। इसके बावजूद आतंकवाद को प्रायोजित करने वालों पर आज तक नकेल न कसी जा सकी। यही वजह है कि आज भी कट्टरपंथ और आतंकवाद पूरी दुनिया के सिर पर चढ़ कर बोल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोलने का आह्वान अमेरिकी संसद से किया। मोदी की बातों का समर्थन करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन समेत संयुक्त राष्ट्र में सूचीबद्ध तमाम आतंकी संगठनों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई की जरूरत पर बल दिया। यह बताने से कोई गुरेज नहीं कि इस समय पूरी दुनिया चरमपंथ की चोट कराह रही है। इस मुसीबत से भारत सबसे ज्यादा सामना कर रहा है। भारत अपने सिरमौर कश्मीर घाटी में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के चलते आए दिन खूनखराबा देख व सह रहा है। आतंकवाद से अमेरिका ने भी बड़ा जख्म खाया है, जब उसकी विश्व व्यापार संगठन की जुड़वां मीनारों को ध्वस्त कर दिया गया था। उस समय अमेरिका ने भी दुनिया भर के देशों से आतंकवाद के खिलाफ मिल कर लड़ने का ह्वान किया था। पीएम मोदी के दौर के बाद अब फिर से उसने इस जरूरत पर बल दिया है। इस बात से पूरी दुनिया वाकिफ है कि सबसे अधिक आतंकी संगठनों को पाकिस्तान ने पनाह दे रखा है। वहां की खुफिया एजेंसी आइएसआइ और सरकार खुद कट्टरपंथी और चरमपंथी ताकतों को प्रोत्साहित करती रहती है। अब तक इसके अनेक सबूत भी मिल चुके हैं। भारत पर हुए तमाम बड़े आतंकी हमलों से जुड़े दस्तावेज वैश्विक मंचों पर भी उपलब्ध हैं। मगर जब भी उसके खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की बात आती है, तो अलग-अलग देशों के अपने स्वार्थ काम करने लगते हैं। इस तरह के कामों में चीन सबसे आगे रहता है। यह बात भी किसी से छुपी नहीं है कि पाकिस्तान में चरमपंथी गतिविधियों को प्रश्रय देने में खुद अमेरिका भी पीछे नहीं रहा है। देखा जाए तो इसके पीछे अमेरिका का मकसद पाकिस्तान की जमीन से चीन और भारत को साधना था। लेकिन जब पाकिस्तान ने अमेरिका से किनारा कर लिया तो उसने फिर चीन से नजदीकी बढ़ा ली। इस समय चीन उसकी सुरक्षा में चाकरी करता साफतौर पर दिखाई दे रहा है। जब भी संयुक्त राष्ट्र में किसी आतंकी संगठन या दहशतगर्द पर प्रतिबंध लगाने की बात उठती है, तो चीन अकेले उसके समर्थन में खड़ा हो जाता है। ऐसे में सवाल लाजमी है कि आखिर वह इतनी ताकत कहां से पाता है कि वह अकेले ही विरोध में आ जाता है। इस तरह वहां कई संगठन बिलकुल सुरक्षित बने हुए हैं। इस समय चूंकि भारत और अमेरिका की नजदीकी बढ़ने से पाकिस्तान बौखलाया हुआ दिख रहा है। जाहिर है उसे इस माहौल में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में चीन का साथ मिलना भी कठिन ही लगने लगा है। देखा जाए तो एक तरह से आतंकवाद को महाशक्तियों ने ही अपने स्वार्थ के लिए पाला-पोसा और प्रोत्साहित किया है। इस तरह जहां उन्हें अपना स्वार्थ सिद्ध होता नजर आता है, वहां वे अच्छे और बुरे आतंकवादों का भेद कर रास्ता निकालने लगते हैं। इस तरह आतंकवाद के विरुद्ध जो लड़ाई अमेरिका ने करीब बीस साल पहले छेड़ी थी, वह किसी निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंच पाई। यही वजह है कि जब भी भारत कश्मीर में दहशतगर्दी का मुद्दा उठाता है, तो ज्यादातर देश तटस्थ बन जाते हैं। ऐसे में आतंकवाद के खिलाफ समन्वित लड़ाई कमजोर पड़ जाती है। फिर भारत इससे अकेले ही जूझने पर मजबूर हो जाता है। अगर सभी आतंक प्रभावित देश मिल कर पाकिस्तान के खिलाफ मोर्चा खोल दें तो कोई शक नहीं कि दुनिया से ही आंतकवाद व कट्टरवाद को खत्म न कर दिया जाए।

समान नागरिकता संहिता पर आम राय बने

रघु ठाकुर

पिछले कुछ दिनों से समान नागरिक संहिता का मुद्दा देश में बहस के केन्द्र बिंदु में है। चूंकि इसे सत्तापक्ष की नियंत्रक संस्था राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुखिया ने शुरू किया है और गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनावों में सत्ता की प्रमुख दावेदार भा.ज.पा. ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया है। इस कारण यह मुद्दा बहस का केन्द्र है। हाल ही में भारत सरकार ने भी यह संकेत दिये थे कि 100 दिन के अंदर वे इसका प्रारूप तैयार करेंगे और उसे सार्वजनिक रूप से प्रसारित करेंगे। हालाकि अब केन्द्र सरकार ने अपनी रणनीति में कुछ परिवर्तन किया है। अब उन्होंने प्रारूप को सार्वजनिक रूप से जारी करने के बजाय विधि आयोग की तरफ से सूचना जारी कराकर सुझाव मांगे है। यद्यपि विधि आयोग ने केवल यूनीफाईड सिविल कोड के लिये सुझाव मांगे है परन्तु केन्द्र सरकार ने जो ढांचा तैयार किया है। ऐसी जानकारी मिली है कि उसमें निम्न बिन्दुओं पर विचार व निर्णय होना है। (1) शादी की उम्र (2) विवाह पंजीयन (3) बहुपत्नि पर रोक (4) हलाला और इद्दत को खत्म करना (5) तलाक के नियम (6) भरण-पोषण (7) गोद लेने का अधिकार (8) बच्चों की देखरेख (9) उत्तराधिकार कानून (10) जनसंख्या नियंत्रण (11) बच्चों की कस्टेडी (12) लिव इन रिलेसनशिप। हो सकता है कि इसके अलावा कुछ और भी बिन्दु भारत सरकार के बस्ते में हो। पर प्रश्न यह अवश्य महत्वपूर्ण है कि केन्द्र सरकार ने अचानक विधि आयोग को बीच में क्यों किया? अच्छा तो यही होगा कि केन्द्र सरकार अपने प्रस्तावों को विचारार्थ जारी करती बजाय जनता के सुझाव मांगने के विधि आयोग ये प्रस्ताव दे। प्रस्तावों पर ज्यादा लोग अपनी राय देते परन्तु सुझावों पर कितनी राय देगे यह कहना कठिन है। बल्कि अनुमान यह है कि कम ही लोग देगे तथा एक ही मत के लोग ज्यादा राय देगे। समान नागरिक संहिता का उल्लेख भारतीय संविधान के नीति निर्देशक सिद्धान्तों में भी है। तथा सर्वोच्च न्यायालय ने भी भारत सरकार को इस बाबत प्रस्तुत याचिका में निर्देश दिये हैं। संविधान में वर्णित नीति निर्देशक सिद्धान्त संविधान सभा में स्वीकृत हुए थे। ये वे वह लक्ष्य हैं जिन्हें क्रियान्वित करना चाहिए था, परन्तु इन्हें भारत की आजादी के तत्कालवाद क्रियान्वित करना संभव नहीं था, और इसके लिये समय की आवश्यकता थी अतः इन्हें बाध्यकारी प्रावधान के रूप में न रखकर भविष्य के लिये निर्धारित लक्ष्यों के रूप में रखा गया। समान नागरिक संहिता को लेकर देश में तीन प्रकार के विचार समूह सामने आ रहे हैं। एक आशावादी, दूसरी शंका व तीसरा कुशंका। पहले आशावादी समूह वाले वे लोग हैं जो यह उम्मीद रखते हैं कि समान नागरिक संहिता आने से देश में साम्प्रदायिकता नियंत्रित होगी और साम्प्रदायिक संतुलन जिसे पंथिक संतुलन भी कहते हैं वह कायम होगा। दूसरे वे है जिन्हें यह आशंका है क्या यह लागू हो सकेगी? और क्या इससे कुछ ठोस परिणाम आ सकेंगे? तीसरे वे लोग हैं, जिनके मन में अभी से यह कुशंका है कि समान नागरिक संहिता उनके धार्मिक कानून याने पर्सल ला को समाप्त करने को लाई जा रही है। हालाकि इस कुशंका का भी अभी कोई तार्किक कारण नहीं है। परन्तु देश में कुछ ऐसा वातावरण बन गया है, जिसमें परस्पर अविश्वास है। जब राजनीति और सत्ता पाने के लिये राजनैतिक दल और उनके नेता साम्प्रदायिकता या संकीर्ण सोच को हथियार बनाते हैं तब ऐसी स्थिति बनती है। मैं समान नागरिक संहिता के पक्ष में हूॅ और मानता हूॅ कि प्रगतिशील समाज को अपनी धार्मिक या सामाजिक गैर जरूरी परंपराओं और धर्म के नाम पर चल रहीरूढ़ियों को छोड़ना चाहिए, तथा धर्म के नाम पर विषमता मूलक परंपराओं से ऊपर उठना चाहिए। प्रगतिशीलता का मतलब केवल मशीन और तकनीक का सुख या उपयोग नहीं है, बल्कि एक उन्नत और खुला मस्तिष्क एक नये भविष्य की ओर देखने वाली देखूं दृष्टि और पीछे देखूं सोच से मुक्ति पाना ही प्रगतिशीलता है। हमारे समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया सिविल कोड के पक्ष में थे और वे अपने इस विचार के लिये कोई भी जोखिम उठाने के लिये तैयार रहते थे। जब वे फर्रूखाबाद से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे थे, और अपने चुनाव की आखिरी सभा को संबोधित करने जा रहे थे, (जो कि मुस्लिम मतदाता बहुल क्षेत्र में थी) तो उनसे रास्ते में पार्टी के वरिष्ठ साथियों ने अनुरोध किया था कि वे उस सभा में नागरिक संहिता की चर्चा न करें। क्योंकि डॉक्टर साहब चुनाव जीत रहे हैं, परन्तु समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर मुस्लिम मतदाता उनके खिलाफ हो सकते हैं, और वे चुनाव हार सकते हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कार में बैठे इन साथियों की बात को सुना और चुप रहे तथा जब वे सभा में बोलने के लिये खड़े हुये तो उन्होंने अपनी बात शुरू करते हुए कहा कि मेरे साथियों ने इस सभा में समान नागरिक संहिता की चर्चा न करने की सलाह दी थी, क्योंकि यह मुस्लिम भाईयों का इलाका है, और यहां मुस्लिम मतदाता ज्यादा हैं, तथा समान नागरिक संहिता की चर्चा से आप लोग नाराज हो सकते हैं। मेरे खिलाफ वोट कर सकते और मैं हार सकता हूॅ। परन्तु मैं ऐसा मानता हूॅ कि अपने विचारों को छिपाना सबसे बड़ा अपराध है। और उन्होंने समान नागरिक संहिता क्यों होना चाहिए उसके क्या पक्ष हैं, यह बात स्पष्ट शब्दों में रखी।

अपने विचारों के लिये चुनाव हारने का जोखिम लेना यह भी एक बड़ा क्रान्तिकारी कार्य होता है। वरना आजकल तो लोग चुनाव जीतने व मतदाताओं को खुश करने के लिये उनकी हर बात पर मुहर लगाने को तैयार रहते हैं, भले ही वह कितनी गलत या अतार्किक क्यों न हो। जब 1995 में मैं समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव था और बादा के दौरे पर तो मैंने प्रेस वार्ता में कामन सिविल कोड का समर्थन किया था। रात रेल से चलकर जब मैं सुबह भोपाल पहुंचा तो मुझे पहला फोन श्री मुलायम सिंह यादव का मिला कि आपने कॉमन सिविल कोड का समर्थन किया, इससे मुस्लिम मतदाता नाराज हो जायेंगे। मैंने कहा कि यह एक नीतिगत मुद्दा है किसी की खुशी या नाराजगी का ना नहीं। मुस्लिम भी इसे समझेंगें। श्री मुलायम सिंह चुप तो हो गये पर उनके सत्ता प्रेम ने उन्हें मेरे खिलाफ कर दिया। दुनिया के बहुत से देशों में अब समान नागरिक संहिता बनायी गई है। और शादी विवाह या ऐसे ही अन्य मुद्दों पर समाज की एक सी सोच बने यह प्रयास हो रहे हैं। एक जमाने में ब्रिटेन में पोप का राज्य था, जो ईसाई धर्म गुरू होते है। उनके धार्मिक कानून से राज्य चलता था। परन्तु वहां के प्रगतिशील मानस ने यह निश्चय किया की देश के कायदे कानून जनतांत्रिक होना चाहिए और कानून मतदाताओं द्वारा निर्वाचित जन प्रतिनिधि और सरकारों द्वारा बनाये जाना चाहिए। पोप का काम केवल धार्मिक उपदेश देना और धार्मिक क्रिया कलापों को करना है, न कि राजकाज चलाना। इस सुधारवाद के पक्ष में जो लोग खड़े हुए उन्हें प्रोटेस्टेंट कहां गया और अन्ततः उनकी जीत हुई। अब पोप का नियंत्रण और राज्य केवल इटली की सिटी तक सीमित है।

और इटली, ब्रिटेन व यूरोप के अधिकांश देशों में भले ही ईसाई मतदाताओं की बहुलता है पर लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित सरकारें चल रही हैं। भारत में मुगलों के आने के पहले की कुछ सदियों तक छोटे-छोटे राज्य थे और इन रजवाड़ों में राजशाही का हुकुम चलता था। मुगलों के आने के बाद देश में दिल्ली की सल्तनत एक बड़े नवाब के अधीन हो गई और रजवाड़े वे चाहे हिन्दू हों या मुसलमान शासक, दिल्ली की सल्तनत के अधीन हो गये तथा उन्हें कर आदि अदा करने लगे। मुस्लिम शासकों ने भी अपने पारम्परिक जीवन में अपने-अपने मजहबी कानूनों को चलाया।

मंथन से निकलेगा विपक्ष की मजबूती का मंत्र

नरेंद्र तिवारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस समय अमेरिका में भारत के लोकतंत्र की मजबूती का उदाहरण दे रहे थे, ठीक उसी दौरान विपक्षी दल एकजुटता के प्रयास में जुटे हुए दिखाई दे रहे थे। जून की 23 तारीख को बिहार के पटना में भारत के अधिकांश विपक्षी दल वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबले की रणनीति बना रहे थे। देश मे विपक्षी पार्टियों की बैठक में हुए मंथन से अमृत निकलेगा। इस बात पर देश की 15 से अधिक सियासी पार्टियों ने अपनी सहमति जताई है। यह अलग बात है कि इन दलों में आंतरिक कलह भी दिखाई दे रही है, किन्तु इन दलों के बीच दिख रहे मतभेदों के मध्य से ही 2024 का मंत्र निकलेगा। ऐसी आशा मजबूत विपक्ष के लिए की जानी चाहिए। पटना में हुए महागठबंधन की बैठक पर भाजपा आरोप लगा रही है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि महागठबंधन का प्रयास बिना दूल्हे की बारात है। किंतु लगातार दो चुनावो में दिल्ली की सत्ता से दूर यह विपक्षी दल यह समझते है की गठबंधन में जो सबसे बड़ा दल होगा उसका प्रधानमंत्री का उम्मीदवार होगा याने दूल्हा भी तय हो जाएगा। रविशंकर प्रसाद द्वारा उठाए सवाल का जवाब आगामी दिनों में विपक्ष द्वारा दे दिया जाएगा ऐसा विश्वास करना चाहिए। विपक्षी दलों की पटना में हुई बैठक के बाद कुछ टीवी चैनलों में विपक्षी दलों के मध्य व्याप्त मतभेदों की चर्चा इतनी अधिक की जा रही थी जैसे भाजपा के सामने विपक्ष ने एक होने की कोशिश कर अपराध कर दिया हो। इन चैनलों द्वारा बैठक को बेअसर दिखाने का प्रयास बेहद हास्यास्पद प्रतीत हो रहा था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी दलों के मेल को बेमेल बताते हुए कहा कि उन्हें अचंभा हो रहा है कि नीतीश और लालू जी को राहुल की दादी ने जेल में डाला था। आज वह राहुल से गले मिल रहे है। जेपी ने उद्धव ठाकरे की उपस्थिति पर भी तंज कसते हुए कहा कि हिन्दू शिवसेना का महागठबंधन के साथ बैठना भी आश्चर्यजनक है। उद्धव के पिता बाला साहब ठाकरे कहते थे, कांग्रेस के साथ जाने के बजाय अपनी दुकानदारी बन्द करना चाहूंगा। भाजपा अध्यक्ष को यह भी सोचना चाहिए कि शिवसेना और नीतीश जैसे विश्वनीय साथी एनडीए से अलग क्यों हुए है। दरअसल प्रजातंत्र में मजबूत विपक्ष का होना बेहद जरूरी है। विपक्षी एकता पर भाजपा का हमलावर होना राजनीतिक लिहाज से उचित माना जा सकता है, किन्तु प्रजातंत्र की मजबूती के लिए विपक्षी एकता का स्वागत किया जाना चाहिए। मीडिया चैनलों का रुख भी विपक्षी दलों की इस बैठक के दोष गिनाता दिखाई दे रहा था। असल मे भारत के वर्तमान हालातों के मध्यनजर विपक्षी एकता की जरूरत अनिवार्य दिखाई दे रही है। इस हेतु पटना की बैठक के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद दिया जाना चाहिए। उन्होंने विपक्ष को मजबूत किये जाने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस क्रम में शरद पवार की भी सराहनीय भूमिका रही है। जिन्होंने यह कहकर की अब मुझे कोई पद का मोह नहीं है। ईमानदारी से विपक्षी एकता के प्रयास करता रहूंगा। विपक्षी एकता का यह प्रयास भले आंतरिक कलह में उलझा हुआ हो, किंतु इस प्रयास को कमजोर प्रयास कहना जल्दबाजी होगीं। कुछ भी हो पटना में विपक्ष एकत्रित हुआ। देश के 15 से अधिक दलों का यह महजुटान भाजपा विरोधी सोच रखने वाले दलों और राजनीतिक कार्यकर्ताओ को ताकत देगा ऐसा मानकर चला जा सकता है। पटना में देश की प्रमुख विपक्षी पार्टियों के नेता एकत्रित हुए इनमें कांग्रेस अध्यक्ष एकनाथ खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी,पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पंवार, शिवसेना के उद्धव ठाकरे, भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी के डी राजा, मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी के सीताराम येचुरी, नेशनल कांफ्रेंस के उमर अब्दुल्ला, पीपुल्स पार्टी की महबूबा मुक्ति शामिल रही। मेजबान के रूप में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव उपस्थित रहे। काश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के विपक्षी दलों की पटना में हुई बैठक में सभी दलों के प्रमुखों ने एकजुटता का परिचय दिया। एकस्वर में एक साथ रहने और चुनाव लड़ने के संकल्प को दोहराया। इन विपक्षी दलों ने एक स्वर में कहा कि देश की वर्तमान सरकार संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। धर्म निरपेक्षता की भावनाओ को आहत कर रही है। पटना में आयोजित सामूहिक प्रेस वार्ता में सम्पूर्ण विपक्षी दलों ने एक साथ रहने और भाजपा से एक और लड़ने के संकल्प को दोहराया है। विपक्षी दलों की चार घण्टे चली बैठक में हुए निर्णय को मामूली अंतर्विरोधों के कारण पूर्ण रूप से खारिज किया जाना राजनीतिक नासमझी होगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार देश के वरिष्ठ नेता है। गठबन्धन की राजनीति में माहिर नीतीश ने 1977 हुए विपक्षी एकता के प्रयास को निकट से देखा और समझा है। जय प्रकाश नारायण के शिष्य नीतीश ने पटना में विपक्षी एकता की बैठक को अंजाम देकर यह बतलाने की कोशिश की है कि समय बलवान है। राजनीति में मिलकर लड़ने से दुश्मन को परास्त किया जा सकता है। यह सही है कि 1977 ओर 2023 के समय मे बहुत अंतर है। किंतु यह भी सही है कि प्रजातंत्र में जनता द्वारा सरकार चुनी जाती है। सामूहिक रूप से विपक्ष जनता में यह विश्वास जगाने की कोशिश करनी चाहिए कि हम एक है। लालूप्रसाद यादव ने भी कहा अब वह फिट है। लालू भी जयप्रकाश के करीबी रहे है। विपक्षी एकता में उनकी भूमिका भी बहुत अहम है। उनके प्रतिनिधि के रूप में तेजस्वी अब बड़ी भूमिका निभाते दिख रहे है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखलेश मुलायम सिंह यादव ने पटना में विपक्षी एकता के साथ सुर मिलाए। पटना में जुटे देश के प्रमुख दलों के मंथन को एक विचारधारा के दलों का मिलकर चलने ओर मिलकर लड़ने की कोशिश के रूप में देखा जाना चाहिए। देश मे गठबंधन की राजनीति के प्रयोग इससे पहले भी हुए है। 1977 का उदाहरण तो देश के सामने है। मनमोहन सिंह सयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के दो बार प्रधानमंत्री रहे है। सयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का यह प्रयोग भारतीय राजनीति के इतिहास में सफलतम प्रयोग के रूप में देखा जा सकता है। भाजपा के नैतृत्व वाला गठबंधन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नाम से जाना जाता है। देश मे अभी भाजपा के नैतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार काबिज है। भाजपा इस गठबंधन का सबसे बड़ा दल है। अतएव गठबंधन की राजनीति नई नहीं है। इसका पहले भी सफलतम प्रयोग हुआ है।

पटना में हुई महागठबंधन की बैठक में सबसे बड़ा दल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रूप में शामिल हुआ है। इस गठबंधन को मजबूत रखने की सबसे अधिक जवाबदेही ही कांग्रेस की बनती है। कांग्रेस देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल है। देश के हर राज्य में कांग्रेस की मौजूदगी से इंकार नहीं किया जा सकता है। राष्ट्रीय दल होने के कारण गठबंधन की मजबूती का सबसे अधिक फायदा भी कांग्रेस को मिलने की संभावना है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस बात को महसूस भी किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिस्र यात्रा नया इतिहास रचेगी

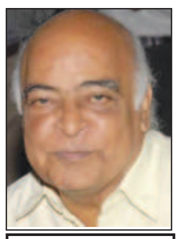

अशोक भाटिया

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिस्र की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं. यह यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है, बता दें कि ये यात्रा 1997 के बाद से किसी भी भारतीय प्रधान मंत्री की पहली आधिकारिक मिस्र की द्विपक्षीय यात्रा है. मिस्र के साथ भारत के संबंध हमेशा से ही सौहार्दपूर्ण रहे हैं। 15 अगस्त, 1947 को भारत को आजादी मिलने के अगले तीन दिनों में दोनों देशों ने औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित कर लिए थे। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और मिस्र के राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर के बीच गहरे दोस्ताना संबंध थे। दोनों नेताओं ने यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसिप ब्रोज टीटो के साथ मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। रणनीतिक स्तर पर भी दोनों देशों के बीच गहरे संबंध थे। नासिर के कार्यकाल में 1956 के अभूतपूर्व स्वेज संकट के दौरान भारत का मिस्र के प्रति सहयोगात्म रुख रहा। कुल मिलाकर कहे तो 50 और 60 का दशक भारत-मिस्र संबंधों का स्वर्ण काल था। लेकिन 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध से जब काहिरा ने सोवियत संघ के नेतृत्व वाले गुट से दूरी बनाते हुए अमेरिका के करीब जाना शुरू किया तो भारत-मिस्र संबंधों में भी शून्यता का भाव भरने लगा। घरेलू मुद्दे और जूदा भू-राजनीतिक विचारों की वजह से शून्यता का यह भाव अगले कुछ दशकों तक बरकरार रहा। कमोबेश यही स्थिति होस्नी मुबारक के शासनकाल में रही। कहा जाता है कि होस्नी जब तक सत्ता में रहे, तब तक काहिरा-नई दिल्ली संबंध ठंडे बस्ते में ही रहे हालांकि, शीतयुद्ध के दौरान आए इस ठंडेपन ने रिश्तों की खाई को अधिक गहरा नहीं होने दिया और अलग-अलग दौर के भू-राजनीतिक परिदृश्यों के बीच भारत-मिस्र संबंध कमोबेश आगे बढ़ते रहे। कोविड-19 और उसके बाद आए डेल्टा लहर के भयानक दौर ने द्विपक्षीय संबंधों को ठंडे बस्ते से बाहर निकालने में उत्प्रेरक के तौर पर काम किया। डेल्टा लहर के उस भयावह वक्त में मिस्र उन चंद देशों में से एक था जिसने भारत को मेडिकल ऑक्सीजन की सप्लाई मुहैया करवाई। हाल ही में 74वें गणतंत्र दिवस के मौके पर मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी को मुख्य अतिथि के रूप में भारत आमंत्रित किया गया था। यह पहली बार था जब मिस्र के किसी राष्ट्रपति को यह सम्मान दिया गया।अब्देल फतेह अल-सीसी की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच दोस्ती की नींव को और मजबूत किया है। यात्रा की शुरुआत में पीएम उच्च स्तरीय मंत्रियों की एक विशेष सभा से रणनीतिक बातचीत करेंगे। इस रणनीतिक बातचीत के बाद मिस्र में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ एक बैठक होगी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी राजधानी काहिरा में स्थित 1000 साल पुराने मशहूर अल हकीम मस्जिद में भी गए । जहां प्रधानमंत्री दाऊदी बोहरा समुदाय से मुलाकात की ;एक रिपोर्ट के मुताबिक, अल हकीम मस्जिद दाऊदी बोहरा समुदाय के लिए एक बेहद ही अहम सांस्कृतिक स्थल है। देश की चौथी सबसे पुरानी ऐतिहासिक मस्जिद को हाल ही में मिस्र सरकार ने बोहरा समुदाय के सहयोग से पुनर्निर्मित किया था।गौरतलब है कि मोदी के भारतीय दाऊदी बोहरा समुदाय के साथ सालों से गर्मजोशी भरे संबंध रहे हैं। राष्ट्रपति कार्यालय में आधिकारिक कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी की मिस्र यात्रा का अहम हिस्सा है। यहां पर प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति अल-सीसी के साथ द्विपक्षीय वार्ता में शामिल हो रहे है ।इस वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जो अलग-अलग डोमेन में सहयोग की नींव को मजबूत करेगा। भारतीय समुदाय के साथ भी एक बैठक करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिस्र की राजधानी काहिरा में स्थित 1000 साल पुरानी मशहूर अल हकीम मस्जिद भी जाएंगे। यहां पर प्रधानमंत्री मोदी दाऊदी बोहरा समुदाय से मुलाकात करेंगे। एएनआई की रिपोर्ट की मानें तो अल हकीम मस्जिद दाऊदी बोहरा समुदाय के लिए अहम सांस्कृतिक स्थल है। देश की चौथी सबसे पुरानी ऐतिहासिक मस्जिद को बोहरा समुदाय के सहयोग से हाल ही में मिस्र सरकार ने पुनर्निर्मित किया था। यात्रा के दौरान यहां प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति अल-सीसी के साथ द्विपक्षीय वार्ता में शामिल होंगे। दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से उम्मीद प्रधानमंत्री मोदी काहिरा में द्विपक्षीय वार्ता करेगें। मिस्र सरकार के वरिष्ठ नेताओं और मिस्र की प्रमुख हस्तियों के साथ के बातचीत के अलावा प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात करेंगे।

आधुनिक भारत के निर्माण में ईसाइयों का योगदान

गौतम चौधरी

भारत दुनिया का वह देश है जहां सांस्कृतिक विविधता फलती-फूलती है और कई धर्मावलंबी सह-अस्तित्व के साथ निवास करते हैं। ईसाई धर्म को राष्ट्र के जीवंत टेपेस्ट्री में बुने गए एक आवश्यक धागे के रूप में देखा जाता है। सभी भारतीय अपनी धार्मिक संबद्धता के बावजूद, भारतीय उत्सव और आपसी सम्मान की भावना के साथ यह स्वीकार करते है कि सभी धर्मों को देश के कानूनों और मार्गदर्शक सिद्धांतों द्वारा समान रूप से संरक्षित किया जाता है। यह सांस्कृतिक समन्वय शांति, सद्भाव और विविध धार्मिक विश्वासों के सह-अस्तित्व को बढ़ावा देती है और अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट वर्ष 2022 के लिए अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर लगाए गए आरोपों का खंडन करती है। उस निपोर्ट में कहा गया है की भारत में ईसाई अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार किया जा रहा है। यह जानते हुए कि ईसाई धर्म का व्यक्तियों और समुदायों पर समान रूप से सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ऐसे में अलग-अलग घटनाओं और भारत में ईसाई धर्म के व्यापक आख्यान के बीच विचार करना अत्यावश्यक हो जाता है।आधुनिक युग में, भारत में ईसाई धर्म ने एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की है जिसने देश के विकास पर एक स्थायी छाप छोड़ी है। अल्पसंख्यक धर्म होने के बावजूद, ईसाइयों को विभिन्न चरणों में राज्य का समर्थन प्राप्त हुआ है। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस धर्म ने अपने प्रचारकों के माध्यम से भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सुधारों के परिदृश्य को आकार मिला है। अमेरिकी रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों के विपरीत, ईसाई मिशनरियों को विशेष रूप से भारत में शैक्षिक प्रगति के उनके प्रयास में राज्य द्वारा सहायता प्रदान की गई है। राज्य द्वारा प्रदान की गई रियायती दर पर भूमि उपलब्ध करायी गयी है। इस पर ईसाइयों ने अक्सर देश भर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव रखते हुए कई स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना की है। इन संस्थानों ने न केवल अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया है बल्कि स्थानीय भाषाओं और अंग्रेजी के उपयोग को भी बढ़ावा दिया है। क्षेत्रीय भाषाओं को ऊपर उठाया है और भाषाई विविधता को बढ़ावा दिया है। 1540 में फ्रांसिस्कन द्वारा स्थापित गोवा में सांता फे स्कूल, यूरोप के बाहर पहला औपचारिक ईसाई शैक्षिक का केन्द्र है जो आज भी अपनी गुणवत्ता के लिए जाना जाता है।

अन्य प्रमुख ईसाई कॉलेज जैसे कोलकाता में सेंट जेवियर्स कॉलेज, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, मसूलीपट्टनम में रॉबर्ट टी. नोबल कॉलेज, नागपुर में हिस्लोप कॉलेज और आगरा में सेंट जॉन्स कॉलेज। ये तमाम शैक्षणिक संस्थाएं उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरे हैं। इसके कुछ उदाहरण हैं ऐसे संस्थान राज्य द्वारा प्रदान किए गए विशेष प्रावधानों की मदद से ही अपने आप को प्रभावशाली बना पाए हैं। अस्पतालों, औषधालयों और देखभाल केंद्रों की स्थापना के माध्यम से, उन्होंने जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की हैं। विशेष रूप से, ईसाई स्वास्थ्य देखभाल संगठनों ने देखभाल, सहायता के माध्यम से एचआईवी/एड्स जैसी समस्याओं से लोगों को उबारने में मदद की है।

वाह वाह क्या बात है

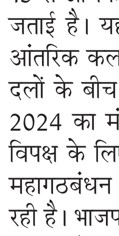

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

साहब बहुत पढ़े-लिखे थे। दीवार पर टंगी डिग्रियाँ इसी बात का साक्ष्य दे रही थीं। कागज पर एमए अंग्रेजी में गोल्ड मेडलिस्ट और हकीकत में ईटिंग-स्लिपिंग को पार नहीं कर पाए। जागते हैं तो ईटिंग और सोते हैं तो स्लिपिंग। अपने जरूरत के कामों के लिए कम, गो, गिव जैसे जरूरी शब्द सीख लिए हैं। पसंदीदा शब्दावली में इडियट, रास्कल, नॉनसेंस और बास्र्टर्ड की जपमाला बना रखी है।

सबसे ज्यादा इसी को फेरते रहते हैं। इस जपमाला के चलते साहब की 'तगड़ी' अंग्रेजी के सामने किसी के आने की हिम्मत नहीं होती थी। साहब का एक ड्राइवर था। ड्राइवर इसलिए कि वह मेहनती था। आलसी होता तो बड़ा साहब न बन जाता। मेहनत करने के शार्टकर्ट नहीं होते। सब स्ट्रेटफॉर्वर्ड होता है। जबकि आलस के लिए बहाने बनाने पड़ते हैं। दिमाग दौड़ाना पड़ता है। इस प्रक्रिया में इंसान ठेकेदार से लेकर वकील, इंजीनियर, डॉक्टर और स्कॉलर बन जाता है। एक झूठ को छिपाने के लिए हजार सच्चाइयों का गला घोंटना पड़ता है। यह काम बड़ा ही सच्चा धूर्त ही कर सकता है। सो साहब का ड्राइवर पढ़ा-लिखा तो था लेकिन खरीदी गई डिग्री वाले साहब का गुलाम था।

आजकल असली डिग्रियाँ नकली डिग्रियों की सुरक्षा में चौक-चौबंद रहती हैं। एक दिन साहब किसी दावत से लौट रहे थे। फोकट की दावत थी सो दबाकर खा लिया। रास्ते भर ऊँघते रहे। ड्राइवर बड़ी सावधानी से चला रहा था। साहब की नींद न टूटे इसके लिए मक्खन से भी स्मूथ ड्राइविंग का नजारा पेश कर रहा था। लेकिन हर स्मूथनेस का एक अंत होता है। ड्राइवर ने अचानक से गाड़ी की गति धीमी की। साहब नींद में बडबड़ाने लगे, इडियट तुमने गाड़ी क्यों स्लो कर दी। पता नहीं यह हमारे बाप की सड़क है। किसमें इतनी मजाल जो हमारा रास्ता रोक दे। इतना सब कहते हुए वे ऊटपटांग भाषा में चालीस सेकंड वाली अपनी अंग्रेजी जपमाला बार-बार रिपीट कर रहे थे।यह देख ड्राइवर ने कहा, साहब रास्ते में स्पीड ब्रेकर है। बिना धीमे किए आगे नहीं बढ़ सकते। यह सुन साहब ने कहा, कौनसा स्पीड ब्रेकर?, कैसा स्पीड ब्रेकर। उसे पता नहीं हम कौन हैं? उसकी इतनी मजाल कि हमारा रास्ता रोक दे।

बास्टर्ड पर इतना हॉर्न बजाओ कि दुम दबाकर भाग जाए। नहीं तो कह दो कि पुलिस थाने में ऐसा केस बुक करवायेंगे कि वह तो क्य उसकी सात पुश्ते जेल में पड़े-पड़े सड़कर मर जायेंगे। इतना सुनना था कि ड्राइवर भीतर ही भीतर हँसने लगा। लेकिन तुरंत अपनी ड्रावरी की नौकरी और पेट का ख्याल आते ही कागजी डिग्री के सामने बेवकूफ बनते हुए जोर-जोर से हॉर्न बजाने लगा।

देवों के सोने से पहले कर लें मांगलिक कार्य

चातुर्मास से लग जाएगी रोक, देखें विवाह, मुंडन के मुहूर्त, शुभ योग

इस साल 29 जून गुरुवार को देवशयनी एकादशी से देव शयन करेंगे, उस दिन से चातुर्मास शुरू हो जाएगा। चातुर्मास में विवाह, मुंडन, ग्रह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाएगी क्योंकि भगवान विष्णु चार माह के लिए योग निद्रा में चले जाएंगे। देवों के सोने में आज से कुछ दिन ही शेष बचे हैं। आज से 28 जून तक के शुभ योग, विवाह तथा मुंडन मुहूर्त।

25 जून के शुभ मुहूर्त और योग
आषाढ़ शुक्ल सप्तमी तिथि
रवि योगः सुबह 05:25 बजे से सुबह 10:11 बजे तक
त्रिपुष्कर योगः सुबह 10:11 बजे से देर रात 12:25 बजे तक

चातुर्मास पूर्व के शुभ योग और मुहूर्त
24 जून के शुभ मुहूर्त और योग
आषाढ़ शुक्ल षष्ठी तिथि
रवि योगः सुबह 07:19 बजे से अलगे दिन सुबह 05:25 बजे तक
विवाह मुहूर्तः कोई नहीं
मुंडन मुहूर्तः कोई नहीं

सर्वार्थ सिद्धि योगः सुबह 10:11 बजे से देर रात 12:25 बजे तक
विवाह मुहूर्तः कोई नहीं
मुंडन मुहूर्तः कोई नहीं

26 जून के शुभ मुहूर्त और योग
आषाढ़ शुक्ल अष्टमी तिथि
विवाह मुहूर्तः दोपहर 01:19 बजे से अगले दिन सुबह 05:25 बजे तक
मुंडन मुहूर्तः कोई नहीं

27 जून के शुभ मुहूर्त और योग
आषाढ़ शुक्ल नवमी तिथि
रवि योगः दोपहर 02:43 बजे से अगली सुबह 05:26 बजे तक
विवाह मुहूर्तः सुबह 05:25 बजे से सुबह 06:24 बजे तक

28 जून के शुभ मुहूर्त और योग
आषाढ़ शुक्ल दशमी तिथि
परिघ योगः सूर्योदय से सुबह 06:09 बजे तक
शिव योगः सुबह 06:09 बजे से पूरी रात तक
रवि योगः पूरे दिन
मुंडन महूर्तः सुबह 05:29 बजे से अगले दिन तड़के 03:19 बजे तक
विवाह मुहूर्तः कोई नहीं
गृह प्रवेश का कोई मुहूर्त नहीं
इस माह में गृह प्रवेश के लिए 12 जून को ही बस एक शुभ मुहूर्त है। उसके बाद पूरे चातुर्मास कोई गृह प्रवेश नहीं होगा। फिर नवंबर और दिसंबर माह में गृह प्रवेश मुहूर्त प्राप्त होंगे।

बरकट्ठा सूर्य कुंड में नहाने से दूर होंगी 36 प्रकार की बीमारियां

हजारीबाग से 72 किलोमीटर दूर बरकट्ठा में सूर्यकुंड मंदिर स्थित है। यहां मंदिर प्रांगण में 5 कुंड हैं। पहला सूर्य कुंड, दूसरा सीता कुंड, तीसरा ब्रम्हा कुंड, चौथा राम कुंड और पांचवां लक्ष्मण कुंड। इन कुंडों से निकलने वाले पानी का तापमान अलग-अलग होता है। सूर्यकुंड का पानी सबसे गर्म है। जिसका तापमान 88.5 डिग्री सेल्सीयस होता है।
स्थानीय पुजारियों और लोककथाओं के अनुसार, यहां के कुंड के गर्म पानी से नहाने से 36 प्रकार की बीमारियों का उपचार होता है। जिसमें त्वचा रोग से लेकर गैस भी शामिल है।
मंदिर के पुजारी जीवलाल पाण्डेय बताते हैं कि भगवान श्री राम 14 वर्ष के बनवास के लिए जंगल गए थे। उसी वियोग के दुख में राजा दशरथ ने अपनी देह त्याग दी थी। प्रभु श्री राम को जब इस संबंध में जानकारी मिली तो वो उनका पिंड दान करने गया के फल्गु नदी किनारे पहुंचे थे। ठीक उसी समय ऋषि श्रवण कुमार सूर्यकुंड स्थान पर भगवान विष्णु की आराधना कर रहे थे। ऋषि श्रवण कुमार को दर्शन देने के लिए प्रभु श्री राम इस स्थान पर पहुंचे थे। लगातार कठोर तप के दौरान ऋषि श्रवण कुमार को कई प्रकार की बीमारी हो जाती हैं। भगवन श्री राम ऋषि श्रवण कुमार से वरदान मांगने को कहते हैं तो वो ऐसा जलकुंड मांगते है जिसमें नहाने से मानव जाति के कई प्रकार के रोग ठीक हो जाएं। इसके बाद श्री राम ने वहां बाण मारकर सूर्यकुंड का निर्माण किया था।

कुंड के हैं कई रहस्य
मंदिर के पुजारी जीवलाल पाण्डेय कहते हैं कि इस कुंड और इसके जल के ऊपर कई बार विज्ञानकों ने शोध किया, लेकिन उनको भी खाली हाथ लौटना पड़ा। वे भी ये पता नहीं कर पायें इस कुंड के गर्म जल से स्नान मात्र से कैसे त्वचा के रोगों से मुक्ति मिलती है।

ठंड के दिनों में लगती है भीड़
पुजारी जीवलाल पाण्डेय बताते है कि जनवरी के माह में यहां 14 तारीक से 31 तारीक तक मेला लगता है। उस दौरान रोजाना लगभग 30 से 40 हज़ार लोग यहां स्नान करते हैं। गर्मी के दिनों में लोग सुबह-सुबह स्नान करते हैं।

रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के बारें में खास बातें

रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग हिंदू धर्म के प्रमुख तीर्थस्थानों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम नगर में स्थित है और भगवान शिव को समर्पित है। इस लेख में, हम रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे और इसके महत्वपूर्णता, स्थानीय मान्यताएं, और प्रमुख रामेश्वरम मंदिरों के बारे में जानेंगे।
स्थानः रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग का स्थान भारत के तमिलनाडु राज्य में स्थित है। यह ज्योतिर्लिंग रामेश्वरम नगर के बालिका नदी के किनारे स्थित है। यह स्थान धार्मिक महत्व के साथ सुंदर प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा हुआ है। रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के मंदिर में शिव परमेश्वर की पूजा-अर्चना की जाती है और यहां के मंदिरों में उनके अलावा सीता माता और हनुमान जी के मंदिर भी हैं।
महत्वपूर्णः रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग का महत्वपूर्ण स्थान हिंदू धर्म के अनुयायीयों के लिए है। इसे एक पवित्र तीर्थस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है और यहां प्रतिवर्ष लाखों शिव भक्त आते हैं और अपनी आराधना करते हैं। रामेश्वरम में अनेकता में एकता का संकेत है, जहां सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर शिव की पूजा करते हैं।
स्थानीय मान्यताएँः रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के स्थानीय मान्यताएं इसे विशेष बनाती हैं। यहां के मंदिर में प्रतिदिन पूजा-अर्चना होती है और स्थानीय पुजारियों द्वारा आयोजित होती है। इसके अलावा रामेश्वरम में कई परंपरागत और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं, जिनमें लोक नृत्य, संगीत, और परंपरागत कार्यक्रम शामिल होते हैं।
प्रमुख मंदिरः रामेश्वरम में कई प्रमुख मंदिर हैं जो यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण हैं। कुछ प्रमुख मंदिरों में से एक है रामेश्वरम मंदिर, जहां प्रमुखतः शिव परमेश्वर की पूजा की जाती है। इसके अलावा रामेश्वरम में बलाजी मंदिर, सीता माता मंदिर, हनुमान जी मंदिर, और गायत्री मंदिर भी हैं जो भक्तों के आगमन के लिए खास हैं। रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण और प्रमुख तीर्थस्थान है। यहां की मान्यता, स्थानीय मान्यताएं, और प्रमुख मंदिरों का उल्लेख इसे एक विशेष स्थान बनाते हैं। रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग की यात्रा धार्मिकता और आध्यात्मिकता का अनुभव करने का एक अद्वितीय अवसर है। और प्रमुख मंदिरों का उल्लेख इसे एक विशेष स्थान बनाते हैं। घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग की यात्रा धार्मिकता और आध्यात्मिकता का अनुभव करने का एक अद्वितीय अवसर है।

हवा में लटका है भगवान वीरभद्र के लेपाक्षी मंदिर का स्तम्भ

आंध्र प्रदेश में स्थित है जहां की एक खास बात यह है कि इस विशाल मंदिर का भार सिर्फ एक लटके हुए खंभे पर टिका हुआ है। अन्य स्तंभों की मौजूदगी के बावजूद, यह विशेष स्तंभ विभिन्न रहस्यों और चमत्कारी घटनाओं को समेटे हुए है।
आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में लेपाक्षी नामक एक मंदिर है जो भगवान शिव को समर्पित है। इस मंदिर को वीरभद्र मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि इसमें भगवान वीरभद्र की मूर्ति है, जो भगवान शिव का एक अवतार है। यह मंदिर दुनिया भर में हैंगिंग पिलर टेम्पल के नाम से प्रसिद्ध है, इसमें 70 स्तंभ हैं लेकिन मुख्य आकर्षण एक स्तंभ है जो हवा में लटका हुआ प्रतीत होता है और मंदिर के पूरे भार को संभालता है। इस लटकते हुए स्तंभ को आकाश स्तंभ के नाम से जाना जाता है और यह जमीन से थोड़ा ऊपर उठा हुआ है। एक मान्यता के अनुसार इस खंभे के नीचे से कपड़ा निकालने से घर में सुख-समृद्धि आती है। लटकते हुए स्तंभ के साथ एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है, ऐसा माना जाता है कि इसका निर्माण दक्ष प्रजापति के वध के बाद भगवान वीरभद्र ने किया था। भगवान वीरभद्र का क्रोध इतना तीव्र था कि उन्होंने पाताल से आकाश तक सभी को भयभीत कर दिया।
भगवान वीरभद्र ने क्रोध के रूप में अपनी तपस्या शुरू की, जिससे उनके उग्र क्रोध की तीव्रता से वह स्थान हिल गया। परिणामस्वरूप, उस स्थान पर बनी कोई भी संरचना हिल गई, जिससे मंदिर का निर्माण पूरा नहीं हो पाएगा। इस स्थिति में, विरुपन्ना और विरन्ना, जो कभी विजयनगर के राजा थे, ने एक चतुर समाधान निकाला।
उन्होंने मंदिर का निर्माण इस तरह से किया कि नींव के रूप में काम करने वाला स्तंभ हवा में लटका रहे, जिससे मंदिर का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो सके। ऐसा माना जाता है कि जब यह स्तंभ अंततः जमीन को छूएगा, तो भगवान शिव का वीरभद्र रुप एक बार फिर क्रोध में आ जाएगा, जिससे ब्रह्मांड का विनाश होगा।

कैसे बनी एक हाथी की चीख से भगवान विष्णु की स्तुति

भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए अनेक विद्याएं दी गई हैं, उनमें से गजेन्द्र मोक्स उन्हें सबसे प्रिय है। गजेंद्र मोक्ष को एक उल्लेखनीय और लाभकारी धार्मिक ग्रंथ माना जाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि गजेंद्र मोक्ष किसी ऋषि या देवता द्वारा रचित भजन नहीं है, इसे भगवान विष्णु के अनुयायी, एक गज भक्त के समर्पित कथनों के माध्यम से व्यक्त किया गया था।

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार हाथियों का झुंड जंगल में घूम रहा था। कुछ समय बाद, हाथियों को प्यास लगी और वे अपनी प्यास बुझाने के लिए नदी की ओर चले गए। नदी पर पहुंचने पर, उन्होंने अनगिनत कमल के फूल देखे और पानी पीने के बाद खेलने का फैसला किया। हालाँकि जब वे आनंद ले रहे थे नदी में छिपे एक मगरमच्छ ने मुखिया हाथी का पैर पकड़ लिया और वह दर्द से चिल्लाने लगा जिससे झुंड के बाकी हाथी डर गए और वे पानी से बाहर भाग गए। असहनीय दर्द के बावजूद मुखिया हाथी खुद को मगरमच्छ की पकड़ से छुड़ाने के लिए संघर्ष करते रहा।
कई प्रयासों के बावजूद, गज मुखिया खुद को मुक्त करने में असमर्थ था उन्होंने भगवान विष्णु से सहायता मांगी और दर्द में रहते हुए उनकी स्तुति गाना शुरू कर दिया। जाने-अनजाने उनके शब्द भजन में बदल गये इस स्तुति को सुनकर, भगवान विष्णु ने तुरंत अपने समर्पित भक्त की प्रार्थना स्वीकार कर ली और तेजी से उनकी सहायता के लिए आए और उन्हें मगरमच्छ द्वारा दी गई पीड़ा से बचाया। तभी से गजमुख से निकली स्तुति गजेन्द्र मोक्ष के नाम से विख्यात हुई। ऐसा माना जाता है कि जो कोई भी भगवान विष्णु को समर्पित गजेंद्र मोक्ष स्तोत्र का पाठ करता है, उसे स्वयं देवता से सुरक्षा और सहायता प्राप्त होगी। भगवान विष्णु उनकी सभी परेशानियों को दूर करने के लिए अपने दिव्य वाहन गरुड़ देव पर सवार होकर तेजी से पहुंचेंगे।

सोमवार, शनिवार के दिन भूलकर भी ना करें पूर्व दिशा की यात्रा

ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि कोई भी काम की शुरुआत से पहले शुभ मुहूर्त या अच्छा समय जान लिया जाए तो उस काम के सफल होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। उसके परिणाम सकारात्मक आते हैं और बिना किसी अड़चन के हो काम फटाफट पूरे हो जाते हैं। वहीं, इसके विपरीत कोई काम बिना शुभ मुहूर्त के शुरू किया जाए तो ना तो वह काम सफल होता है, ना ही उसके परिणाम सकारात्मक प्राप्त होते हैं। इसके अलावा इन कामों में कई सारी रुकावटें भी आ सकती हैं। आज जानेंगे सोमवार और शनिवार के दिन किस दिशा में यात्रा नहीं करना चाहिए।

क्या होता है दिशा शूल ?

वैदिक ज्योतिष में दिशा शूल को एक अशुभ योग की तरह देखा जाता है। योग में उस दिन उस दिशा में यात्रा करना अशोक फलदाई माना जाता है। मान्यता है कि जिस दिशा में शूल लगा होता है, उस दिशा की निर्धारित दिन में यात्रा करने से उस काम के बिगड़ने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है, इसलिए वैदिक ज्योतिष के अनुसार, यदि आप किसी महत्वपूर्ण काम से जा रहे हैं तो निर्धारित दिन के अनुसार उस दिशा का शूल अवश्य देख लें। ऐसा करने से आपके काम बिगड़ेंगे नहीं और आपको उस काम में सफलता प्राप्त होगी। वैदिक ज्योतिष में यह भी

बताया गया है कि यात्रा करके वापस आने के बाद दिशाशूल नहीं देखना चाहिए।

सोमवार और शनिवार को ना करें इस दिशा की यात्रा
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आप किसी महत्वपूर्ण काम से जाना चाह रहे हैं तो कोशिश करें कि सोमवार और शनिवार के दिन पूर्व दिशा की यात्रा ना करें, क्योंकि सोमवार और शनिवार के दिन पूर्व दिशा में दिशा शूल मान्य होता है। पूर्व दिशा में इन दोनों दिन यात्रा करने से आपके काम बिगड़ सकते हैं या तो अनेक तरह की रुकावटें आ सकती हैं।

दिशा शूल से बचाव के उपाय
-ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आप सोमवार के दिन किसी जरूरी काम से पूर्व दिशा में यात्रा करना चाहते हैं तो घर से निकलने से पहले एक बार आईने में खुद को देख लें।
-यदि आप बुधवार के दिन दिशा शूल वाली दिशा में यात्रा करना चाहते हैं तो घर से निकलने के पहले अदरक या उड़द दाल खाकर निकलें। ये उपाय आपके लिए लाभकारी हो सकते हैं।
-इसके अलावा घर से निकलने के पहले 5 कदम पीछे चले और फिर घर से बाहर निकलें।

सिद्धार्थ को पाकर खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कियारा आडवाणी

बोलीं- लव मैरिज की इसलिए सच्चे प्यार पर विश्वास है...वो मेरा सब कुछ हैं

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने हाल ही में अपने पति और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के रिलेशनशिप के बारे में बातचीत की। एक नए इंटरव्यू में कियारा ने सच्चे प्यार और शादी के बारे में बात करते हुए खुद को लकी बताया। उन्होंने कहा कि क्योंकि उन्होंने लव मैरिज की है, इसलिए जाहिर तौर पर सच्चे प्यार पर यकीन करती हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा 7 फरवरी 2023 को शादी के बंधन में बंधे। कपल ने राजस्थान के सूर्यगढ़ की बावड़ी में सात फेरे लिए थे।

कियारा ने सिद्धार्थ की तारीफ की, बोलीं- बहुत खुशकिस्मत हूं

मिर्ची प्लस को दिए इंटरव्यू में कियारा ने कहा- 'अभी-अभी मेरी शादी हुई है। ये एक लव मैरिज थी। तो जाहिर सी बात है मैं सच्चे प्यार में विश्वास करती हूं। घर दो लोगों से बनता है। मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि जो मेरे साथ है, जिसके साथ मैंने अपनी जीवन जीने के लिए चुना है। मेरे जो पति हैं, वो मेरे सबसे अच्छे दोस्त हैं। मेरे लिए वह सब कुछ हैं। वह मेरा घर हैं। हम जहां भी हों, चाहे दुनिया के किसी भी हिस्से में, शहर के किसी भी कोने में, मेरे लिए वहीं मेरा घर हैं।'

फिल्म शेरशाह से शुरू हुई कियारा-सिद्धार्थ की लव स्टोरी

कियारा और सिद्धार्थ के बीच प्यार की शुरुआत फिल्म शेरशाह के सेट पर हुई थी। करण जौहर की कपल ने लीड रोल निभाया था। इसके बाद से ही दोनों के बीच रिलेशनशिप की खबरें शुरू हो गई थीं। हालांकि, कपल ने अपने रिश्ते पर कभी खुलकर बात नहीं की। आखिरकार 7 फरवरी 2013 को कपल शादी के बंधन में बंध गया।

योद्धा की शूटिंग में बिजी हैं सिद्धार्थ, इंडियन पुलिस फोर्स से करेंगे डिजिटल डेब्यू

वर्कफ्रंट की बात करें को कियारा और सिद्धार्थ दोनों ही अपने करियर में काफी बिजी चल रहे हैं। सिद्धार्थ इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म योद्धा की शूटिंग कर रहे हैं। साथ गही वो इंडियन पुलिस फोर्स से डिजिटल डेब्यू के लिए भी तैयार हैं। इस सीरीज में उनके साथ शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबरॉय नजर आएंगे। बता दें कि रोहित शेट्टी की यह वेब सीरीज अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी।

कियारा के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस मूवी में वह एक बार फिर कार्तिक आर्यन के साथ दोबारा स्क्रीन पर नजर आएंगीं। ये मूवी 29 जून 2023 के रिलीज होगी। कियारा के पास रामचरण के साथ मूवी गेम चेंजर भी है। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

'सुपरवूमन' के रोल में अदा

अदा शर्मा ने हाल ही में फिल्म 'द केरल स्टोरी' में लीड रोल किया और फिल्म को मिली ब्लॉकबस्टर सफलता के चलते वह खुद को सातवें आसमान पर महसूस कर रही है।

अब वह कामयाबी की एक और सीढ़ी चढ़ने जा रही है क्योंकि उसे एक इंटरनैशनल फिल्म मिली है, जिसमें वह सुपरवूमन का रोल निभाएगी। वह जल्द ही इसके लिए शूटिंग भी शुरू करने वाली है। 31 वर्षीय अदा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैंने हमेशा सुपरवूमन के रोल को पसंद किया है और केवल इतना कह सकती हूं कि हां, मैं ऐसी ही एक भूमिका निभाने जा रही हूं और इसके बारे में और चीजें शेयर करने का इंतजार नहीं सहने पड़े। कर सकती। एक्शन एक ऐसी शैली है, जिसका हिस्सा बनकर मुझे वाकई में मजा आता है। अदा ने आगे कहा, मुझे अलग-अलग शैली, अलग तरह की भूमिकाओं को आजमाना पसंद है। मैं भाग्यशाली हूं कि लोग मुझे अलग-अलग किरदार देने का फैसला कर रहे हैं। 'द केरल स्टोरी' के बाद मैंने सोचा था कि मेरी अगली फिल्म बहुत हट कर होगी। मुझे अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बात करना पसंद है, लेकिन तभी, जब इसका ट्रेलर लांच हो तब तक मैं थोड़ी अंधविश्वासी हूं और इसके बारे में ज्यादा बात करना नहीं चाहती।

गंवानी पड़ी कई फिल्में

अदा ने हाल ही में यह भी बताया था कि फिल्मों में सफलता का स्वाद चखना उसके लिए इतना भी आसान नहीं रहा। करियर के शुरुआती दिनों में उसे रिजैक्शन उसने कहा, कई लोगों ने मुझसे कहा कि नाक की सर्जरी कराओ। और अच्छी नाक पाओ। अब फिल्में करने के बाद सबको मेरी नाक अच्छी लग रही है।

जिम में पसीना बहा रही' बिपाशा बसु

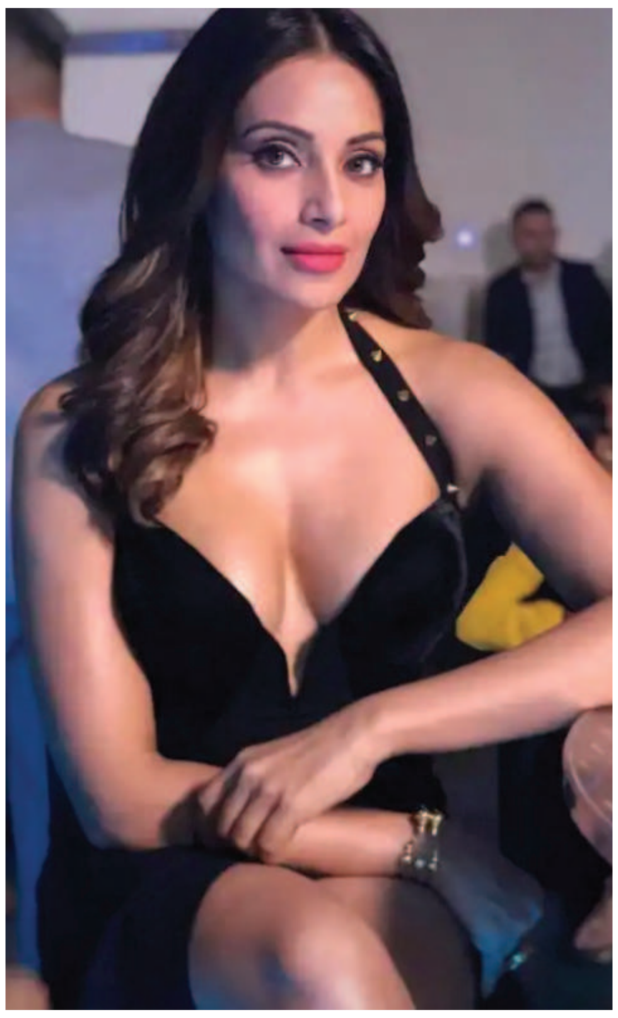

बिपाशा बसु की गिनती एक समय बॉलीवुड की सबसे बोल्ड एंड हॉट अभिनेत्रियों में होती थी। वैसे आज भी उसकी परफैक्ट बॉडी के दीवानों की कमी नहीं है। बिपाशा अपनी फिटनेस का काफी ख्याल रखती है लेकिन करीब 6 महीने पहले मां बनने की वजह से उसका वजन थोड़ा बढ़ गया था।

हालांकि, बेटी को जन्म देने के बाद अब बिपाशा ने अपनी बॉडी को फिट करने पर काम शुरू कर दिया है। 44 वर्षीय बिपाशा के शब्दों में कहें तो अब वह खुद को और मजबूत बनाने में लगी हुई है।

सोशल मीडिया में अक्सर वह जिम में खूब पसीना बहाती नजर आ जाती है। प्रैग्नेंसी का वजन घटाकर पहले वाली बॉडी को पाने और स्टैमिना व स्ट्रैंथ बढ़ाने के लिए बिपाशा कई तरह की एक्सरसाइज कर रही है। बिपाशा के फिटनेस ट्रेनर महेश घानेकर ने खुलासा किया कि अभी उसके वर्कआऊट रूटीन का लक्ष्य मजबूती पाना, वजन कम करना है। प्रैग्नेंसी के बाद वजन कम करने को लेकर बहुत सावधान रहना पड़ता है इसलिए हम धीरे- धीरे शुरुआत कर रहे हैं। अभी वह एक घंटा वर्क आऊट करती है, जिसमें अलग-अलग तरह के वर्कआऊट शामिल हैं। महेश घानेकर करीना कपूर और सोहा अली खान के ट्रेनर भी रह चुके हैं। फिटनैस के अलावा महेश ने बिपाशा को लंच के बाद कार्बोहाइड्रेट और कैलोरी पर कंट्रोल रखने की सलाह दी है और नमक भी कम खाना है। आमतौर पर डॉक्टर प्रेग्नेंसी के बाद वजन कम करने के लिए 6 महीने का इंतजार करने की सलाह देते हैं और बिपाशा भी इसी नियम का पालन करते हुए डिलीवरी के 6 महीने बाद फिटनेस रूटीन में वापस लौटी है। जिम में बिपाशा की मेहनत देख कर लगता है कि वह काम पर लौटने के लिए तैयारी कर रही है। एक पूर्व इंटरव्यू में उसने स्वीकार किया था कि वह पिछले कुछ सालों में आलसी हो गई थी और काम करने के लिए ओपन नहीं थी। हालांकि, अब वह काम पर लौटने और कुछ दिलचस्प करने की प्लानिंग कर रही है। उसके अनुसार, उसने कोरोना महामारी के कारण भी बहुत सी चीजों को रोक दिया था।

वह चाहती थी कि कोरोना काल में अपने पूरे परिवार के बारे में बहुत सावधान रहे। बिपाशा ने यह भी कहा कि ज्यादा बाहर जाना और पार्टी करना उसे वैसे भी पसंद नहीं है।

'घर से बेघर कराने का प्लान है', लस्ट स्टोरीज 2 परिवार के साथ देखने की सलाह पर आग बबूला हुए फैंस

विजय वर्मा पिछलो काफी समय से तमन्ना भाटिया संग रोमांस फरमाने और गुपचुप इश्क करने के लिए सुर्खियों में हैं। तमन्ना से विजय का यह रियल लाइफ रोमांस उनकी आगामी वेब सीरीज 'लस्ट स्टोरी 2' में स्क्रीन पर भी दर्शकों को नजर आने वाला है, जो सभी को बेहद उत्साहित कर रहा है। काजोल, तमन्ना भाटिया और नीना गुप्ता स्टारर यह सीरीज जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ऐसे में सीरीज से जुड़े सभी कलाकार इसका जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। इसी क्रम में विजय वर्मा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर सीरीज का प्रचार करने के लिए एक वीडियो साझा किया, जो नेटिजन्स को बिल्कुल पसंद नहीं आया। ऐसे में यूजर्स ने विजय वर्मा को जमकर खरीखोटी सुनाई।

आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किए गए इस प्रमोशनल वीडियो में विजय वर्मा दर्शकों को इंटिमेट सीन को फास्ट फॉर्वड न करके 'लस्ट स्टोरीज' देखने का सुझाव देते हैं। वह नेटिजन्स से सेक्स के बारे में खुलकर बात करने और बिना किसी डर या शर्म के साथ अपने परिवार के साथ उनकी सीरीज देखने के लिए कहते हैं। वह आगे कहते हैं, 'सब वासना ही है। सबने फील किया है। आपके माताश्री-पिताश्री, दादा-दादी, अंकल-आंटी, मधुमक्खियां, तितलियां, राज और सिमरन। तो इस बार खुल्लम-खुल्ला, सब के साथ पॉपकॉर्न बनाकर लस्ट स्टोरीज 2 बैठकर देखें।' जैसे ही वीडियो पोस्ट किया गया, वैसेही

इस पर नेटिजन्स का गुस्सा भड़कने लगा। वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स विजय और 'लस्ट स्टोरीज 2' की टीम पर निशाना साध रहे हैं कि आखिर वह कैसे सीरीज का प्रचार कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'भाई मेरे घर में प्रोटेक्शन का विज्ञापन आता है तो घर के मर्द उठके चले जाते हैं, तुम्हारे लिए वासना की कहानियां देखूं मैं?' दूसरे ने लिखा, 'इस तरह की घटिया सीरीज भारतीय समाज के चेहरे पर फेंकी गई है। ऐसे कंटेंट के नाम पर सॉफ्ट पोर्न बेचना, जिसका कोई मनोरंजन मूल्य नहीं है।' एक अन्य ने लिखा, 'विजय वर्मा चाहते हैं कि मैं बेघर हो जाऊं।' अमित रविंदरनाथ शर्मा, आर. बाल्की, कोंकणा सेन शर्मा और सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित, 'लस्ट स्टोरीज 2' में अमृता शुभाष, अंगद बेदी, काजोल, कुमुद मिश्रा, मृणाल ठाकुर, नीना गुप्ता, तिलोत्तमा शोम, तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा जैसे कलाकार शामिल हैं। आशी दुआ और रॉनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित इस सीरीज का 29 जून को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होने वाली है।

हैप्पी न्यू ईयर के बाद फिर साथ आएंगे शाहरुख खान और फराह खान

शाहरुख खान और फराह खान के बीच न सिर्फ निजी तौर पर बल्कि प्रोफेशनल तौर पर भी अच्छा तालमेल है। दोनों ने मैं हूं ना, ओम शांति ओम और हैप्पी न्यू ईयर जैसी फिल्मों में साथ काम किया है और अपनी कला से दर्शकों का मनोरंजन किया है। दोनों की जोड़ी 2014 में फिल्म हैप्पी न्यू ईयर में देखी गई थी। तब से फैंस उनके एक साथ आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फैंस का यह इंतजार खत्म होने वाला है। खबर है कि नौ वर्षों के बाद फिर से शाहरुख और फराह को जोड़ी साथ होगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख और फराह कई सालों के बाद एक साथ काम करने की योजना बना रहे हैं। प्रोजेक्ट अभी भी चर्चा के शुरुआती चरण में है। चर्चा है कि इस बार शाहरुख फराह निर्माता और निर्देशक के रूप में काम करेंगे। संभावना है कि फराह शाहरुख के साथ एक मसाला फिल्म बनाने की तैयारी में हैं और शाहरुख भी उनके समर्थन में हैं। मीडिया सूत्र के मुताबिक, शाहरुख फराह की नई फिल्म के निर्माता होंगे। पहले एक स्टूडियो फिल्म को बनाने वाला था और शाहरुख के इसमें मुख्य भूमिका निभाने पर विचार हो रहा था, लेकिन अब कहानी में बदलाव हो गया है। ऐसे में फिल्म में विभिन्न अभिनेता काम करेंगे। फिलहाल शाहरुख का प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट फिल्म 'जवान' को पूरा करने में लगी है। इसके अलावा आर्यन खान की पहली वेब श्रृंखला में भी वह व्यस्त हैं। बताया जा रहा है कि फराह और शाहरुख के प्रोडक्शन हाउस के बीच एक 'प्रारंभिक समझौता' हो गया है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो इसकी घोषणा साल के अंत में की जाएगी और 2023 के अंत तक इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है।

शाहरुख के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जवान की रिलीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। इसमें नयनतारा और सान्या मल्होत्रा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फर्स्ट-लुक प्रोमो ने प्रशंसकों को फिल्म के प्रति काफी उत्साहित कर दिया। इसके अलावा शाहरुख के पास राजकुमार हिरानी की डंकी भी है। वह तापसी पन्नू के साथ इसमें नजर आएंगे।

'सर्वगुण सम्पन्न' वाणी कपूर

बॉलीवुड में अपना करियर शुरू करते समय 'शुद्ध देसी रोमांस', 'बेफिक्रे', 'वार' जैसी फिल्मों में बेहद ग्लैमरस अंदाज से दर्शकों का दिल लूटने के बाद अब वाणी ने खुद को लीक से हटकर रोल करने वाली अभिनेत्रियों में शामिल कर लिया है। उसने फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' में ट्रांसजेंडर का जो किरदार निभाया, उसने उसके अभिनय को लेकर किसी के भी मन में रही-सही शंका को दूर कर दिया। पिछली बार रणबीर कपूर और संजय दत्त के साथ फिल्म 'शमशेरा' में नजर आई वाणी की अगली फिल्म में भी वह एक हट कर रोल करने वाली है।

उसकी अगली फिल्म का नाम है' सर्वगुण सम्पन्न' । बताया जा रहा है कि इसमें उसकी भूमिका एक ऐसी लड़की की होगी जिसका चेहरा एक पोर्न स्टार से मेल खाता है। सोनाली रतन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उसके साथ इश्वाक सिंह नजर आएगा जिसे गत दिनों ही 'रॉकेट ब्वॉयज 2' से खासी लोकप्रियता मिली है। फिल्म 1990 के दशक में सैट की गई एक अनूठी कहानी के साथ कॉमेडी और सामाजिक मुद्दे का मिश्रण है, जो पुरानी यादों के स्पर्श के साथ समसामयिक मुद्दों पर एक नया दृष्टिकोण पेश करेगी। इस फिल्म में वाणी का बेहद बोल्ड अंदाज नजर आएगा।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने कहा, इश्वाक ने अपने पिछले प्रोजैक्ट्स में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। हमारा मानना है कि वह इस भूमिका के लिए एकदम फिट है। वाणी कपूर के साथ उसकी कैमिस्ट्री निःस्संदेह दर्शकों को लुभाएगी। हम इस नई जोड़ी को पर्दे पर पेश करने के लिए उत्साहित हैं।

डांस की दीवानी

वाणी को जितना लगाव अभिनय से है, उतना ही डांस से भी है। उसे डांस करना बहुत पसंद है। 'बेफिक्रे' व'वार' से लेकर 'शमशेरा' तक उसने कई लोकप्रिय डांस नम्बरों में काम किया है।

एक इंटरव्यू में वाणी का कहना था, ₹हमारा भारतीय फिल्म उद्योग सही मायने में बेहतरीन है क्योंकि एक अच्छे एक्टर को हर सीन बखूबी निभाना तो आना ही चाहिए, साथ ही उसे अच्छा डांस भी करना आना चाहिए। डांस हमारी फिल्मों के साथ-साथ उसमें दर्शाई जाने वाली संस्कृति और परम्पराओं के लिए बहुत ही स्वाभाविक है। मैं भाग्यशाली हूं कि मैं उस चकाचौंध भरे उद्योग का एक हिस्सा हूं, जहां गाने और डांस को एक उत्सव की तरह भव्य रूप में मनाया जाता है और मैं इस बात की लिए भी आभारी हूं कि मेरे खाते में अब तक के कुछ सबसे बड़े डांस हिट आए हैं। 'वार' के 'घुंघरू', 'नशे सी चढ़ गई' या 'बेफिक्रे' के 'उड़े दिल बेफिक्रे' जैसे ब्लॉकबस्टर गाने आज भी मुझे बहुत खुशी देते हैं।

दर्शकों और इंडस्ट्री ने मुझे मेरे गानों के लिए इतना प्यार और सराहना दी है जिसका आभार मैं सदा मानती रहूंगी। मुझे लगता है कि डांस अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का एक शानदार तरीका है और मैं डांस के जरिए लगातार ऐसा ही करती हूं। डांस मुझे एक इंसान के अंदर की भावनाएं एक कलाकार के रूप में दिखाने की पूरी आजाद देता है। जब तक मैंने हिन्दी फिल्म उद्योग में कदम नहीं रखा था, तब तक मैंने कभी डांस की कोई ट्रेनिंग नहीं ली थी, इसलिए, मुझे अपने डांस के लिए जो भी पहचान मिली है, वह और भी अधिक सुकून देती है। मुझे याद है कि इन सभी गानों की शूटिंग के समय मुझे वाकई में बहुत कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी। कई घंटों तक, मैं किसी भी रीटेक से बचने के लिए बार-बार एक ही स्टैप करती रहती थी। मैंने इन गानों पर अपना पूरा दम लगा दिया था और मुझे खुशी है कि ये सुपर डुपर हिट हुए हैं।

आई केयर के क्षेत्र में कमाई के भरपूर मौके

वोकेशनल ट्रेनिंग से लेकर इंस्टीट्यूट सिलेक्शन तक

भारत में वोकेशनल एजुकेशन स्टूडेंट्स के लिए स्पेसिफिक स्किल प्राप्त करने और उनके चुने हुए व्यवसायों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। 'आई केयर' का क्षेत्र एक आशाजनक करिअर मार्ग प्रदान करता है।

ऑप्थेल्मिक टेक्निक्स क्या होती हैं

इसमें 'आई केयर' के लिए आवश्यक स्किल्स और नॉलेज की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इस क्षेत्र के प्रोफेशनल्स, नेत्र रोग विशेषज्ञों की सहायता करने, नेत्र परीक्षण करने, नेत्र संबंधी स्थितियों का निदान करने, नैदानिक परीक्षण करने और ऑपरेशंस में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वर्क स्कोप और विशेषज्ञता के क्षेत्र

नेत्र तकनीक एक व्यापक कार्य क्षेत्र है, जो अस्पतालों, नेत्र क्लिनिकों, निजी नेत्र और अनुसंधान संस्थानों में अवसर प्रदान करती है। नेत्र तकनीशियन रोगियों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान करने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञों और अन्य नेत्र देखभाल पेशेवरों के साथ मिलकर काम करते हैं।

नेत्र संबंधी तकनीकों के क्षेत्र में, छात्र विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता का चयन कर सकते हैं जैसे:

* रिफ्रेक्शन टेक्नीशियन रिफ्रेक्शन टेस्टिंग करने और करेक्टिव आईवियर के प्रेसक्रिप्शन में सहायता करने में विशेषज्ञ होते हैं।

*ओप्थाल्मिक सर्जिकल असिस्टेंट शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के दौरान नेत्र रोग विशेषज्ञों के साथ काम कर समर्थन प्रदान करते हैं।

* ऑप्टोमेट्रिक तकनीशियन आंखों की जांच, दृष्टि परीक्षण और कॉन्टैक्ट लेंस फिटिंग करने में ऑप्टोमेट्रिस्ट की सहायता करने पर ध्यान देते हैं ।

*आई डायग्नोस्टिक टेक्नीशियन नेत्र सम्बन्धी विभिन्न बीमारियों के पहचान और प्रबंधन में सहायता के लिए विभिन्न नैदानिक परीक्षण और इमेजिंग प्रक्रियाओं को करने में विशेषज्ञता हासिल करते हैं।

कौन-कौन से कोर्स हैं अवेलेबल

ऑप्थेल्मोलोजी कोर्सेस मूल रूप से दो प्रकार के होते हैं।

10+2 पूरा करने के बाद उपलब्ध कोर्सेस पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आते हैं। जबकि पोस्टग्रेजुएशन के बाद के कोर्सेस भी हैं जो एमबीबीएस पूरा करने वाले उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध हैं।

लगभग सभी कोर्सेस मुख्य रूप से ऑफ़लाइन कक्षा आधारित पाठ्यक्रमों के रूप में पढ़ाए जाते हैं। हालांकि 10+2 स्तर पर उपलब्ध कुछ डिप्लोमा पाठ्यक्रम डिस्टेंस एजुकेशन के माध्यम से भी उपलब्ध हैं।

आज हम बारहवीं के बाद के कोर्सेस के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इनमें ऑप्थेल्मिक टेक्निक्स में बीएससी, डिप्लोमा इन ऑप्थेलिमिक असिस्टेंट, सर्टिफिकेट कोर्स इन ऑप्थेल्मिक टेक्नीशियन, डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्री आदि कोर्सेस अवेलेबल हैं।

इन कोर्सेस की एलिजिबिलिटी

इन कोर्सेस के लिए स्टूडेंट्स को कक्षा बाहरवीं की परीक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषयों के साथ न्यूनतम 45% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना आवश्यक है। अलग-अलग संस्थानों की आवश्यकता के अनुसार प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा या साक्षात्कार शामिल हो सकते हैं।

इन कोर्सेस में क्या पढ़ाया जाता है

इन कोर्सेस में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें आंख की शारीरिक रचना और शरीर विज्ञान, नेत्र संबंधी रोग और विकार, डायग्नोस्टिक प्रोसिजर्स, नेत्र उपकरण, रोगी देखभाल शामिल हैं। हैंड्स-ऑन अनुभव, प्रयोगशाला सत्र और क्लिनिकल रोटेशन प्रशिक्षण का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिससे छात्रों को व्यावहारिक कौशल और उनकी क्षमताओं में विश्वास हासिल करने में मदद मिलती है।

भविष्य की संभावनाएं

नेत्र संबंधी तकनीकों का क्षेत्र भारत में छात्रों के लिए आशाजनक भविष्य की संभावनाएं प्रदान करता है।

'आई केयर प्रोफेशनल्स' की बढ़ती मांग और प्रिवेंटिव आई केयर पर बढ़ते जोर के साथ, कुशल नेत्र तकनीशियनों की आवश्यकता आने वाले वर्षों में बढ़ने की उम्मीद है। जैसे-जैसे जनसंख्या की उम्र बढ़ती है और मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, और उम्र से संबंधित धब्बेदार अधः पतन जैसी आंखों की स्थिति का प्रसार बढ़ता है, नेत्र संबंधी तकनीकों में प्रशिक्षित पेशेवरों की अधिक मांग होगी।

नेत्र तकनीशियन सरकारी और निजी अस्पतालों, नेत्र क्लिनिकों, ऑप्टिकल केंद्रों, अनुसंधान संस्थानों और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय नेत्र देखभाल संगठनों सहित विभिन्न सेटिंग्स में रोजगार पा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, नेत्र रोग विशेषज्ञों की अपनी निजी प्रैक्टिस स्थापित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे नेत्र तकनीशियनों को उनके साथ काम करने के और अवसर मिलते हैं।

कमाई के अवसर

कमाई की क्षमता के संदर्भ में, भारत में नेत्र तकनीशियनों का वेतन अनुभव, योग्यता, स्थान और नियोक्ता के प्रकार जैसे कारकों के आधार पर भिन्न होता है। प्रवेश स्तर की स्थिति आम तौर पर एक प्रारंभिक वेतन प्रदान करती है, जो अनुभव और विशेषज्ञता के साथ बढ़ती है। जैसा कि नेत्र तकनीशियन विशेषज्ञता हासिल करते हैं और प्रतिष्ठा बनाते हैं, उनके पास प्रतिस्पर्धी वेतन अर्जित करने की क्षमता हो सकती है।

कॉम्पिटिटिव एग्जाम के लिए लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन की ऐसे करें तैयारी

लॉजिकल रीजनिंग कई प्रतियोगी परीक्षाओं का एक अनिवार्य हिस्सा है, जैसे कॉमन एडमिशन टेस्ट, जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे रिक्रूटमेंट एक्साम्स इत्यादि। इस विषय पर पकड़ बनाए बिना आप बड़ी एग्जाम्स क्लियर नहीं कर सकते।

लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन जानकारी का विश्लेषण करने, तार्किक निष्कर्ष निकालने और जटिल समस्याओं को हल करने की आपकी त्वरित क्षमता का परीक्षण करता है। इसमें बढ़िया स्कोर करने के लिए कॉन्सेप्ट्स पर पकड़, प्रैक्टिस, और रणनीतिक सोच की जरूरत होती है।

आज हम विभिन्न कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स के लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन में तैयारी करने और अच्छा प्रदर्शन करने में आपकी मदद करने के लिए कुछ यूज़फुल टेक्निक्स पर चर्चा करेंगे।

परीक्षा पैटर्न को समझें

यदि लॉजिकल रीजनिंग के सारे टॉपिक्स की बात करें तो कुल मिलाकर बीस के करीब टॉपिक होते हैं, लेकिन समझने की बात यह है कि सारे टॉपिक किसी एक एग्जाम में पूछे नहीं जाते।

जैसे यदि IIM-CAT की बात करें तो अधिकतर प्रश्न डेटा अरेंजमेंट और लॉजिकल पजल्स पर आधारित होते हैं। वहीं 'पेपर फोल्डिंग' से सम्बंधित प्रश्न केवल एस.एस.सी. की कुछ एक्साम्स में पूछे जाते हैं। UPSC-CSAT में एक मिक्स आने लगा है।

इसलिए लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन की तैयारी शुरू करें, परीक्षा पैटर्न और पाठ्यक्रम को समझना महत्वपूर्ण है। इसलिए सबसे पहले, पूछे गए प्रश्नों के प्रकार, सेक्शन के लिए आवंटित समय का पता करें। यह समझ आपको अपनी तैयारी की

योजना बनाने और उसके अनुसार समय आवंटित करने में मदद करेगी।

बेसिक्स को मजबूत रखते हुए एनेलिटिकल स्किल्स विकसित करें

लॉजिकल रीजनिंग के टॉपिक्स की बेसिक वोकैब्युलरी और कॉन्सेप्ट्स की समझ सबसे पहले आवश्यक है। मान लीजिये किसी 'गेम्स और टूर्नामेंट' सम्बन्धी प्रश्न में ऐसा लिखा है कि टूर्नामेंट 'राउंड रोबिन पद्धति' से खेला जाएगा, और आप को इस टर्म का मतलब नहीं मालूम है तो फिर आपके लिए प्रश्न में आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा।

एनेलिटिकल स्किल्स में, पैटर्न की पहचान, डिडक्टिव लॉजिक, संभावित परिणामों की रेंज निकालने और फिर उसमें से एक एक कर विकल्पों को हटाने, एक ही परिस्थिति को विभिन्न एंगल्स से देखने और सोचने और तार्किक निष्कर्ष निकालने की आवश्यकता होती है।

अपने एनेलिटिकल स्किल्स को विकसित करने के लिए, ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहें जिनमें क्रिटिकल थिंकिंग और प्रॉब्लम सॉल्विंग शामिल हो। पहेलियां सुलझाएं, रणनीति-आधारित गेम खेलें, चेस खेले, रुबिक क्यूब सॉल्व करें, सुडोकू हल करें इत्यादि।

लॉजिकल रीजनिंग में विजुअलाइजेशन एक महत्वपूर्ण कौशल है। दी गई जानकारी की कल्पना करने के लिए अपने दिमाग को प्रशिक्षित करें, विशेष रूप से बैठने की व्यवस्था, पहेलियाँ और डेटा व्याख्या से संबंधित प्रश्नों में। दी गई जानकारी को दर्शाने के लिए मानसिक चित्र बनाएं या चित्र बनाएं और समस्या का विश्लेषण और समाधान करना आसान बनाएं।

नियमित रूप से अभ्यास करें

आपका दिमाग कितना भी अच्छा हो, ट्रेनिंग और प्रैक्टिस का बहुत फर्क पड़ता है। किसी भी एग्जाम के लॉजिकल रीजनिंग सेक्शन की तैयारी के लिए आपको छह से आठ महीने रोज कुछ घंटों के लिए उस एग्जाम में पूछे जाने वाले प्रश्नों के तरह की प्रैक्टिस जरूर करना चाहिए। इससे परफॉर्मेंस में जमीन, आसमान का फर्क आता है।

विभिन्न प्रकार के लॉजिकल रीजनिंग प्रश्नों का अभ्यास करने के लिए प्रतिदिन समर्पित समय आवंटित करें। आसान स्तर के प्रश्नों से शुरुआत करें और धीरे-धीरे अधिक जटिल प्रश्नों की ओर बढ़ें।

विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को हल करने से आपको विभिन्न पैटर्न का पता चलेगा और आपको विभिन्न प्रॉब्लम-सॉल्विंग एट्टीट्यूड और टाइम मैनेजमेंट विकसित करने में मदद मिलेगी।

मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के पेपर हल कर गलतियों की समीक्षा करें और उनसे सीखें

मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के पेपर परीक्षा की तैयारी के लिए अमूल्य संसाधन हैं। वे आपको वास्तविक परीक्षा का अनुभव देते हैं, आपके प्रदर्शन का आकलन करने में मदद करते हैं और आपकी ताकत और कमजोरियों की पहचान करते हैं। मॉक टेस्ट में अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करें और उन क्षेत्रों में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करें जहां आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। परीक्षा पैटर्न को समझने और पूछे गए प्रश्नों के प्रकार से खुद को परिचित करने के लिए पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों को हल करें।

गलतियां सीखने की प्रक्रिया का एक हिस्सा हैं। मॉक टेस्ट या अभ्यास सेट को हल करने के बाद, अपने उत्तरों की समीक्षा करें और अपनी गलतियों का विश्लेषण करें। उन अवधारणाओं को समझें जिन्हें आप भूल गए हैं या जिन तर्कों को आपने गलत तरीके से लागू किया है। अपनी गलतियों से सीखने से आपको भविष्य में उनसे बचने में मदद मिलेगी और आपके लॉजिकल रीज़निंग कौशल मजबूत होंगे।

परीक्षा के दौरान शांत और केंद्रित रहें

वास्तविक परीक्षा के दौरान, शांत और संयमित रहना महत्वपूर्ण है। प्रत्येक प्रश्न को ध्यान से पढ़ें, आवश्यकताओं को समझें और मुख्य जानकारी की पहचान करें। एक ही प्रश्न पर बहुत देर तक अटके रहने से बचें। यदि आपको कोई प्रश्न चुनौतीपूर्ण लगता है, तो उसमें समय व्यर्थ न करें आगे बढ़ जाएं।

रिंग के ये लेटेस्ट डिजाइन बढ़ा देंगे आपके हाथों की खूबसूरती

पुराने समय में ज्यादातर शादी के बाद ही महिलाएं अंगूठी पहनती थीं। लेकिन धीरे-धीरे सोच और फैशन दोनों में बदलाव आया। इसके बाद से रिंग फैशन का हिस्सा बन गया।

हालांकि, पहले मार्केट में रिंग के केवल कुछ ही डिजाइन मौजूद थे। जैसे नग वाली रिंग। लेकिन कुछ समय बाद बाजार में रिंग डिजाइन्स की भरमार होने लगी। क्योंकि महिलाएं डेली वियर में भी रिंग पहनना पसंद करने लगीं।

क्या आपको भी रिंग का कलेक्शन रखना पसंद है? क्या आप बेहतरीन रिंग डिजाइन्स की तलाश में हैं? तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसे डिजाइन्स लेकर आए हैं, जो आपके हाथों की खूबसूरती को दोगुना बढ़ा देंगे। चलिए एक नजर डालते हैं इन रिंग डिजाइन्स पर।

टू लेयर रिंग डिजाइन

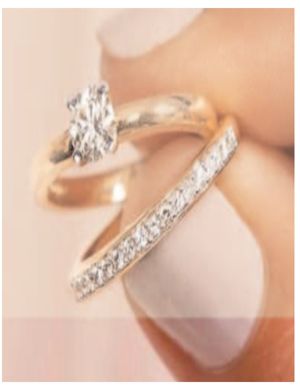

मार्केट में आपको टू लेयर रिंग डिजाइन की काफी वैरायटी मिल जाएंगी। फोटो में दिखाया गया डिजाइन भी बेहद खूबसूरत है। इसमें फर्स्ट लेयर पर डायमंड लगाए गए हैं। सेकंड लेयर पर फ्लावर डिजाइन बनाया गया है। यह डिजाइन सिंपल के साथ-साथ काफी अट्रैक्टिव भी है।

आप रिंग डिजाइन में बदलाव भी कर सकती हैं। जैसे कि दोनों लेयर में एक ही डिजाइन भी

अच्छा लगता है। आपको मॉर्डन लेयर रिंग के भी डिजाइन मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे। इससे आपकी उंगलियां भरी-भरी लगेंगी।

फ्लोरल रिंग डिजाइन

फ्लोरल डिजाइन ज्वेलरी देखने में बेहद अच्छी लगती है। इस तरह की ज्वेलरी का क्रेज दिन प्रतिदिन महिलाओं के बीच बढ़ता जा रहा है। खासतौर पर रिंग में यह डिजाइन महिलाओं को खूब पसंद आता है। आप चाहें तो सिंगल या डबल फ्लोरल डिजाइन वाली रिंग चुन सकती हैं।

लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि कई रिंग में फूल के साथ पत्ती नहीं बनी होती है। ऐसे में यह आप पर निर्भर करता है कि आपको कैसा डिजाइन चाहिए।

कॉकटेल रिंग डिजाइन

मार्केट में कॉकटेल रिंग की काफी मांग है। इस रिंग का साइज काफी बड़ा होता है, जिसे पहन आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ जाएगी। इसमें

आपको डायमंड स्टड से लेकर फ्लोरल डिजाइन मिलेंगे। इस तरह की रिंग हैवी गाउन और एंब्रॉयडरी वाली साड़ी पर बेहद जंचती है।

हार्ट शेप रिंग डिजाइन

अगर आप अपनी गर्लफ्रेंड को गिफ्ट देने की सोच रहे हैं तो हार्ट शेप रिंग दें। यकीन मानिए यह रिंग देखकर आपकी गर्लफ्रेंड खुश हो जाएगी। हार्ट डिजाइन वाली रिंग देखने में बेहद प्यारी लगती है। इस रिंग को आप रोजाना भी पहन सकती हैं। क्योंकि इसका डिजाइन काफी सिंपल होता है। आप चाहें तो यह रिंग देकर अपनी गर्लफ्रेंड को शादी के लिए प्रपोज भी कर सकते हैं।

स्नेक रिंग डिजाइन

अगर आप कुछ डिफरेंट ट्राई करना चाहती हैं तो स्नेक रिंग डिजाइन चुनें। यह डिजाइन कूल लुक के लिए बेस्ट हैं। इस तरह की रिंग ज्यादातर वेस्टर्न आउटफिट्स पर ही अच्छी लगती हैं।

अन्य रिंग डिजाइन्स

आप पर्ल रिंग डिजाइन भी चुन सकती हैं। इस तरह की रिंग आपको रॉयल लुक देगी।

जिस तरह हुप इयररिंग्स देखने में सुंदर लगते हैं, उसी तरह आप मैचिंग लुक के लिए इस डिजाइन

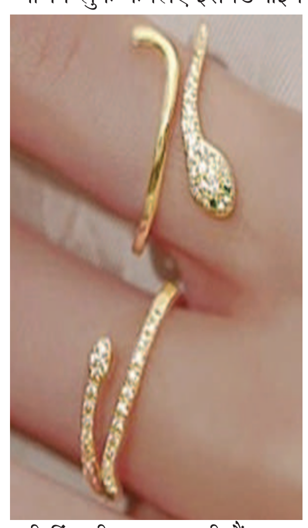

की रिंग भी पहन सकती हैं।

सिंपल लुक के लिए आप क्रिसक्रॉस डिजाइन वाली रिंग खरीद सकती हैं। इसमें आपको नग वाले डिजाइन भी मिल जाएंगे।

'सफलता' और 'संकल्प'

संकल्प का अर्थ है किसी अच्छी बात को करने का दृढ़ निश्चय करना । जीवन निर्माण के प्रत्येक क्षेत्र में संकल्प शक्ति को विशिष्ट स्थान मिला है । स्वास्थ्य की तरह शिक्षा, उद्योग, साधना आदि अनेक क्षेत्रों में संकल्प शक्ति के साथ सफलता अर्जित की जा सकती है।

उत्कृष्ट या निकृष्ट जीवन यथार्थतः मनुष्य के विचारों पर निर्भर है। कर्म हमारे विचारों के रूप में हैं।

अच्छा जीवन जीने के लिए संकल्प की जरूरत होती है, केवल मेहनत की नहीं पक्के इरादों की जरूरत होती है, केवल संसाधनों की नहीं। हौसलों की जरूरत होती है, केवल ताकत की नहीं ।

महान विचारक राल्फ वाल्डो एमर्सन ने लिखा है, इतिहास इस बात का साक्षी है कि मनुष्य की संकल्प शक्ति के सम्मुख देव, दनुज सभी पराजित होते रहे हैं।

जिस बात की मन में प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है, राल्फ वाल्डो एमर्सन को पाने के संकल्प से वह अपनी पसंद या दृढ़ इच्छा के कारण गहरी नींव पकड़ लेती है, उसी के अनुसार बाह्य जीवन का निर्माण होने लगता है ।

यदि हमें जीवन बदलना है, उसे सुखमय बनाना है तो अपने लक्ष्य क्यों न शुरुआत की जाए। यदि हम मन में ठान लें तो लक्ष्य कितना भी कठिन क्यों न हो, हम उसे देर-सवेर अवश्य हासिल कर सकते हैं।

'तनाव' से बचने के लिए लिए टिप्स

स्ट्रैस से घिरे रहने के अलग-अलग कारण हो सकते हैं, लेकिन कई बार स्ट्रैस के लिए हम खुद ही जिम्मेदार होते हैं। हम हर रोज कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जिसकी वजह से स्ट्रैस फ्री नहीं रह पाते । हम आज आपको कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बता रहे हैं। कहीं आप भी तो यही गलतियां नहीं कर रहे हैं।

काम टालने की आदत : स्ट्रैस की सबसे बड़ी वजह हो सकती है काम टालने की आदत । अगर आप बार-बार हर काम को टालते रहते हैं और डैडलाइन से पहले किसी काम को शुरू करते हैं तो यकीनन आप खुद पर जरूरत से ज्यादा स्ट्रैस महसूस करेंगे। वहीं, काम टालने की आदत के चलते ही आपके पास काम का पहाड़ खड़ा हो जाता है। ऐसे में स्ट्रैस होना स्वभाविक है।

दूसरों को खुश करने के लिए जीते हैं जीवन : अगर आप उन लोगों में से हैं जो दूसरों को खुश करने के लिए जीवन जीते हैं तो आप हर वक्त खुद को स्ट्रैस में ही पाएंगे। आपको ये समझना चाहिए कि हर कोई आपके काम से खुश नहीं हो सकता है इसलिए खुद के लिए काम करना शुरू करें। वह काम करें जो आपको खुशी दे । स्ट्रैस फ्री जीवन के लिए, दूसरों की खुशी के लिए जीना छोड़ दें।

हर चीज कंट्रोल करने की कोशिश : जो लोग जीवन में हर चीज कंट्रोल करने की कोशिश करते हैं, वे अक्सर स्ट्रैस से घिरे रहते हैं।

जैसे ही कोई काम इन लोगों के कंट्रोल से बाहर जाता है, ये स्ट्रैस लेने लगते हैं। आपको समझना चाहिए कि आप हर चीज को कंट्रोल नहीं कर सकते हैं। जिस दिन आप ये समझ जाएंगे, दूसरों को खुश करने के लिए जीते खुद-ब-खुद स्ट्रैस फ्री महसूस करेंगे।

'बदलाव' के लिए रहिए तैयार

बचपन में हम आने वाले जीवन के लिए कितने सपने देखते हैं- बड़े होकर ये बनेंगे, ऐसा करेंगे, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं जीवन की तमाम परेशानियां और विपरीत स्थितियों के चलते हम सपने देखना भूल जाते हैं।

कई लोग परेशानियों में उलझने के बाद भी जीवन का उद्देश्य याद रखते हैं तो कई लोग परेशानियों में इस तरह उलझ जाते हैं कि जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम ही करना बंद कर देते हैं।

लोग इस तरह हताश हो जाते हैं कि जाने-अनजाने खुद का ही जीवन बर्बाद करते जाते हैं। आपको ऐसे संकेत बता रहे हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि आप अपने जीवन को बेकार या बर्बाद कर रहे हैं। अगर आपमें कोई ऐसे लक्षण हैं तो आपको तुरंत उन्हें बदलने की कोशिश करनी चाहिए।

फालतू की चीजें करके बर्बाद करते हैं समय : अगर आप अपना ज्यादातर समय वह काम करने में बिताते हैं जो आपको नहीं करने चाहिएं तो ये साफ संकेत है कि आप अपने जीवन को बर्बाद कर रहे हैं। बहुत से लोग आजकल ज्यादातर सोशल मीडिया पर वीडियो आदि देखते हुए गुजार देते हैं।

अगर आप भी ऐसा करते हैं तो यह समझने की जरूरत है कि बेवजह वीडियो देखना आपके जीवन को कहीं आगे नहीं ले जाएगा। ऐसा काम जो आपकी प्रोडक्टिविटी को नहीं बढ़ाता है और उस काम पर समय लगा रहे हैं तो आप एक तरह से खुद के जीवन को व्यर्थ कर रहे हैं।

यदि आप हर छोटी-छोटी बातों पर शिकायत करते हैं तो खुद को नैगेटिव विचारों से घेर लेते हैं। अपनी इस आदत को भी आपको बदलना होगा।

रिजर्व बैंक में 'जूनियर इंजीनियर' के पदों पर भर्ती

भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) ने जूनियर इंजीनियर की रिक्तियां भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक उम्मीदवार रिजर्व बैंक रिक्रूटमैंट की आधिकारिक वैबसाइट opportunities.rbi.org.in पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा की संभावित तिथि 15 जुलाई है। आवेदन की अंतिम तिथि

ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2023 है।

शैक्षणिक योग्यता

उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थानया विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में न्यूनतम 3 वर्ष का डिप्लोमा होना जरूरी है। इसके अलावा जे.ई. इलैक्ट्रिकल पद के लिए उम्मीदवारों के पास डिप्लोमा धारक के रूप में कम से कम 2 वर्ष का अनुभव या डिग्री धारकों के लिए कम से कम 1 वर्ष का अनुभव जरूरी है।

रिक्तियों का विवरण यह भर्ती अभियान 35 रिक्तियों को भरने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इनमें से 29 रिक्तियां जूनियर इंजीनियर (सिविल) के पद के लिए हैं, जबकि 6 रिक्तियां जूनियर इंजीनियर (इलैक्ट्रिकल) के पद के लिए हैं । आयु सीमा आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवार की आयु 20 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

किसी भी अन्य जानकारी के लिए उम्मीदवार आधिकारिक वैबसाइट opportunities.rbi. org.in पर जाकर अधिसूचना देखें ।

आरबीआई गवर्नर ने बताया कब कम होगा लोगों पर ईएमआई का बोझ

वित्त वर्ष में 6.5% की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक खुदरा महंगाई दर को 4 प्रतिशत के नीचे लाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन अल नीनो में इसमें एक चुनौती बन सकता है। समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में दास की ओर से कहा गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से विकास कर सकती है।

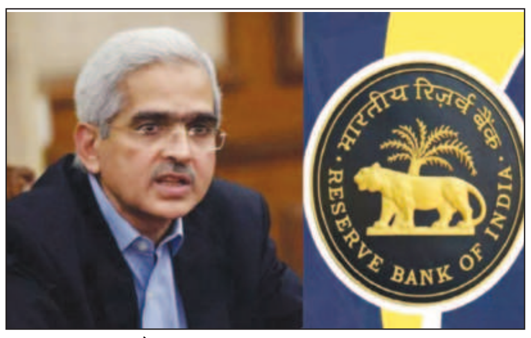

महंगाई में आएगी कमी?

दास की ओर से कहा गया है कि महंगाई के मोर्चे पर हम लगातार नजर रख रहे हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में खुदरा महंगाई की औसत दर 5.1 प्रतिशत रह सकती है। हम लगातार महंगाई को 4 प्रतिशत के नीचे लाने का प्रयास कर रहे हैं।

ब्याज कब होगी?

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ब्याज दरों का महंगाई से सीधा संबंध होता है। अगर खुदरा महंगाई दर 4 प्रतिशत या उसके नीचे चली जाती है तो आरबीआई ब्याज दरों को कम कर सकता है। पिछले साल मई 2022 से लेकर आरबीआई रेपो रेट में 2.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर चुका है। इसके कारण पिछले साल अप्रैल में जो महंगाई दर 7.8 प्रतिशत थी। इस साल मई में घटकर 4.25 प्रतिशत रह गई है। साथ ही कहा कि चालू वित्त वर्ष में क्रेडिट ग्रोथ 16 प्रतिशत रह सकती है।

महंगाई को लेकर क्या हैं चुनौतियां?

दास ने आगे कहा कि महंगाई को लेकर कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। इसमें भू-राजनीति के कारण अस्थिर अंतरराष्ट्रीय स्थिति और घरेलू स्तर पर मानसून की एक बड़ी भूमिका होगी। मौजूदा समय में हम मान रहे हैं कि मानसून सामान्य रहेगा। हालांकि, अल नीनो एक चुनौती है, क्योंकि मानसून का सीधा प्रभाव खाद्य वस्तुओं की महंगाई पर पड़ता है।

बच्चों के हाथ में कारोबार सौंप चुके हैं ये अरबपति

अडानी-अंबानी भी इस लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारत के कई अरबपतियों ने अपने बड़े कारोबार को अपने बेटे के नाम हैंडओभर किया है और इसमें से कुछ कारोबार को अच्छे से चला रहे हैं। देश के कई उद्योगपतियों ने अपने कारोबार की जिम्मेदारी अपने बच्चों के हाथों में सौंप दी है। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी से लेकर गौतम अडानी तक शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी ने कंपनी के बोर्ड में तीन बेटों को शामिल करके बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। आकाश अंबानी रिलायंस जियो के चेयरमैन हैं और स्टेटजी हेड भी हैं। वहीं ईशा अंबानी को रिलायंस रिटेल कारोबार की जिम्मेदारी मिली है। वहीं अनंत अंबानी को सोलर एनर्जी का निदेशक भी बनाया गया है। अनिल अंबानी ने भी अपने बेटों के हाथ में भी कारोबार की कमान सौंपी है, जिसमें जय अनमोल अंबानी और जय अंशुल अंबानी हैं।

मार्केट में अगले हफ्ते गिरावट का अनुमान

यूएस जीडीपी ग्रोथ, एफआईआई इनफ्लो और ग्लोबल ट्रेंड्स तक, यह फैक्टर्स तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में अगले हफ्ते गिरावट देखने को मिल सकती है। एनालिस्टों के मुताबिक, इस वीक में यूएस क्यू 1सी वाई23 जीडीपी ग्रोथ, मानसून, एफआईआई इनफ्लो और ग्लोबल ट्रेंड्स पर बाजार की नजर रहेगी।

इन फैक्टर्स से तय होगी बाजार की चाल

यूएस क्यू 1सी वाई23 जीडीपी ग्रोथ

ग्लोबल लेवल पर इन्वेस्टर्स की नजर मौजूदा कैलेंडर ईयर की पहली तिमाही (क्यू 1 सीवाई23) में अमेरिकी जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों पर होगी। दूसरे अनुमानों में पहले ही अमेरिकी जीडीपी ग्रोथ घटकर 1.3% होने का अनुमान जताया गया है।ईयर 2022 की चौथी और तीसरी तिमाही में अमेरिकी जीडीपी ग्रोथ 2.6% और 3.2% थी। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल 28-29 जून को बयान देंगे और निवेशकों की नजर इस पर रहेगी। वह पहले भी ब्याज दरों में और बढ़ोतरी के संकेत दे चुके हैं।

मानसून का असर

शेयर बाजार की नजर साउथ-वेस्ट मॉनसून की चाल पर भी रहेगी। रिजर्व बैंक के इनफ्लेशन आउटलुक और देश की इकनॉमी, दोनों के लिए यह बेहद अहम साबित होगा। बिपरजॉय साइक्लोन की वजह से मॉनसून तय तारीख 1 जून के बजाय 8 जून को केरल के तट पर पहुंचा। हालांकि, साउथवेस्ट मॉनसून के लिए अब परिस्थितियां अनुकूल हैं और यह कई राज्यों तक पहुंच चुका है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मॉनसून में देरी को लेकर चिंता जताई थी। उनका कहना था कि चावल, चीनी जैसे खाद्य पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय कीमतें पहले से ही आसमान पर हैं और प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई और तेज हो सकती है। ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना से कच्चे तेल की मांग कम हो सकती है। ऐसी चिंताओं की वजह से इंटरनेशनल मार्केट में तेल की कीमतें स्थिर और सीमित दायरे में हैं।

क्रूड का इंपोर्ट करने वाले देश, भारत के लिए यह अनुकूल स्थिति है। लगातार 5वें सप्ताह ब्रेंट क्रूडफ्यूचर की कीमत 80 डॉलर से नीचे रही थी। पिछले सप्ताह 4.5% की गिरावट के साथ यह 73.6 बैरल प्रति डॉलर रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के सीनियर एनालिस्ट एस. गांधी ने बताया, 'ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना से इकनॉमिक स्लोडाउन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं और इसका असर कच्चे तेल की मांग पर भी देखने को मिल सकता है।'

वेदांता लिमिटेड ने राजनीतिक दलों को 155 करोड़ रुपये का चंदा दिया, बीते पांच सालों में 457 करोड़ बांटे

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल के खनन समूह वेदांता लिमिटेड ने मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में चुनावी बांड के जरिए राजनीतिक दलों को 155 करोड़ रुपये का चंदा दिया। कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि इससे पहले 2021-22 में कंपनी ने 123 करोड़ रुपये का चंदा दिया था। हालांकि, इसमें लाभ पाने वाले राजनीतिक दलों के नाम नहीं बताए गए। मोदी सरकार ने 2017-18 में चुनावी फंडिंग के लिए चुनावी बांड की व्यवस्था शुरू की थी। कोई भी व्यक्ति भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से चुनावी बांड खरीद सकता है और इसे किसी भी राजनीतिक दल को दान कर सकता है। फिर राजनीतिक दल उन्हें भुनाते हैं। पिछले पांच वर्षों में, वेदांता ने चुनावी बांड के जरिए राजनीतिक दलों को कुल 457 करोड़ रुपये का चंदा दिया है।

मार्च, 2018 में चुनावी बॉन्ड की शुरुआत की गई थी

आपको बता दें कि मार्च, 2018 में चुनावी बॉन्ड की शुरुआत हुई थी। राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने के लिए राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद चंदे के विकल्प के रूप में चुनावी बांड को पेश किया गया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने चुनावी बांड की 26वीं किस्त जारी करने को मंजूरी दी थी। एसबीआई ने सूचना का अधिकार कानून के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा था कि ज्यादातर चुनावी बॉन्ड एक करोड़ रुपये के बिके।

दूसरी ओर दस लाख, एक लाख, दस हजार और एक हजार के कम मूल्यवर्ग वाले बॉन्ड की कुल हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी कम थी। चंद्रशेखर गौड़ द्वारा दायर एक आरटीआई के जवाब में एसबीआई ने बताया कि बेचे गए कुल बॉन्ड में लगभग 93.5 प्रतिशत एक करोड़ रुपये मूल्यवर्ग के थे। मूल्य के लिहाज से एक लाख, दस हजार और एक हजार मूल्यवर्ग के बॉन्ड की हिस्सेदारी 0.25 प्रतिशत से भी कम थी।

एसबीआई को 29 अधिकृत शाखाओं के जरिये चुनावी बॉन्ड जारी करने और भुनाने के लिए अधिकृत किया गया है।

रोजगार देने में भी नंबर वन है टाटा ग्रुप, इस कंपनी में काम करते हैं 5.92 लाख कर्मचारी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। क्या आप जानते हैं कि भारत में सबसे ज्यादा कर्मचारी किस कंपनी में काम करते हैं? इसका जवाब है टीसीएस। टाटा ग्रुप की यह कंपनी देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी है और मार्केट कैप के हिसाब से मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद दूसरे नंबर पर है। हुरुन रिसर्च के मुताबिक टीसीएस के कुल कर्मचारियों की संख्या 5.92 लाख है। यह कर्मचारियों के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी है। वैसे देश में कर्मचारियों के हिसाब से टॉप 10 में शामिल कंपनियों में चार आईटी सेक्टर की हैं। इनमें टीसीएस के अलावा इन्फोसिस विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज शामिल है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर बेंगलुरु की बिजनस सर्विस प्रोवाइडर कंपनी क्वेस कॉरपोरेशन का है। इस कंपनी का कारोबार कई देशों में फैला है और इसमें 4.27 लाख कर्मचारी काम करते हैं। मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज में 3.40 लाख कर्मचारी काम करते हैं। कर्मचारियों के हिसाब से यह देश की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है। आईटी कंपनी इन्फोसिस के कर्मचारियों की संख्या 3.14 लाख है। इस कंपनी का मुख्यालय बेंगलुरु में है और इसका कारोबार भी कई देशों में फैला है। इसे एन नारायणमूर्ति और उनके साथियों ने शुरू किया था।

कौन-कौन है टॉप 10 में

इंजीनियरिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो में 2.52 लाख कर्मचारी काम करते हैं। इस लिस्ट में छठे स्थान पर आईटी कंपनी विप्रो मौजूद हैं। इस कंपनी 2.47 लाख कर्मचारी काम करते हैं। एक और आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 2.25 लाख कर्मचारी काम करते हैं। प्राइवेट सिक्योरिटी देने वाली कंपनी एसआईएस में 1.44 लाख कर्मचारी काम करते हैं। इसकी स्थापना रवीन्द्र किशोर सिन्हा ने 1985 में पटना में की थी। एचडीएफसी बैंक के कर्मचारियों की संख्या 1.42 लाख और मदरसन सूमी सिस्टम्स के कर्मचारियों की संख्या 1.29 लाख है।

गो फर्स्ट को बड़ी राहत, क्रेडिटर्स ने दी 425 करोड़ रिवाइवल फंड को मंजूरी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। कैश क्राइसिस से जूझ रही एयरलाइन गो फर्स्ट के लेंडर्स ने एयरलाइन को दोबारा से रिवाइव करने के लिए 425 करोड़ रुपये के अंतरिम फाइनेंस की मंजूरी दे दी है। हालांकि अंतरिम फाइनेंस की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई हो, लेकिन इस योजना को संबंधित बैंकों के बोर्ड की मंजूरी मिलना अभी बाकी है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा और आईडीबीआई बैंक एयरलाइन के कंसोर्टियम लेंडर्स हैं। वे अंतरिम फाइनेंस को मंजूरी देने के लिए बोर्ड से मंजूरी मांगेंगे। जिसके बाद एयरलाइन को फिर से शुरू करने के लिए डीजीसीए की मंजूरी मांगी जाएगी। कई सूत्रों ने शनिवार को मीडिया रिपोर्ट में जानकारी दी थी कि लो-कॉस्ट कैरियर के रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल शैलेन्द्र अजमेरा ने रिवाइवल प्लान को चालू करने के लिए एयरलाइंस फाइनेंसर्स से अंतरिम फाइनेंस में 425 करोड़ रुपये की मांग की थी, जिससे एयरलाइन को दोबारा से शुरू करने में मदद मिल सके। सूत्रों ने कहा कि विमान के लिए काम करने वाले इंजन की उपलब्धता और टिकट कैंसिल होने जैसी कुछ आकस्मिकताओं के आधार पर फाइनेंस की जरुरत बढ़ सकती है। इस सप्ताह की शुरुआत में हुई बैठक में फंड का प्रस्ताव गो फर्स्ट के लेंडर्स की समिति के सामने रखा गया था। गो फर्स्ट ने कथित तौर पर जुलाई में ऑपरेशन फिर से शुरू करने और 22 विमानों के साथ 78 दैनिक उड़ानें संचालित करने की योजना बनाई है। कैश क्राइसिस से जूझ रहे कैरियर के एयरक्राफ्ट 3 मई से खड़े हैं। मई की शुरुआत में, गो फर्स्ट ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल यानी एनसीएलटी में दिवालियापन के लिए आवेदन किया और बढ़ते घाटे के कारण अपने उड़ानों को कैंसिल कर दिया। कंपनी ने आरोप लगाया कि प्रैट और व्हिटनी के इंजनों की डिलीवरी में देरी के कारण उसे अपने बेड़े के एक बड़े हिस्से की ग्राउंडिड करना पड़ा है।

एफडी को मात देने वाली पोस्ट ऑफिस की स्कीम

2 महीने में खुल गए 5 लाख अकाउंट

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में एक विशेष बचत योजना की शुरुआत की थी। इसका नाम "महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट" स्कीम है। काफी कम समय में कई महिलाएं इस स्कीम से जुड़ चुकी हैं। यह स्कीम काफी लोकप्रिय हो रही और एफडी को मात दे रही है। इसकर लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि महज 2 महीने में इसके 5 लाख अकाउंट खुल गए हैं।

अभी सिर्फ पोस्ट ऑफिस में उपलब्ध

महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट एक सरकारी स्मॉल सेविंग्स स्कीम है, जो विशेष रूप से महिलाओं के लिए है। इसे लाने की मुख्य वजह निवेश और वित्तीय व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है। स्कीम के तहत, 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2025 तक खाता खुलवाया जा सकता है। यह स्कीम सिर्फ दो साल के लिए है। फिलहाल, यह स्कीम 1. 59 लाख पोस्ट ऑफिस में मौजूद है।

ऐसे खुलवा सकते हैं इसमें अकाउंट

महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट योजना में अकाउंट खुलवाने के लिए आपको फॉर्म-1 भरना होगा। इसमें कम से कम 1000 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 2 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं, फिर चाहे वो एक अकाउंट के जरिए हों या एक से ज्यादा अकाउंट के सहारे। नाबालिग लड़कियों के नाम से उनके अभिभावक यानी माता-पिता खाता अकाउंट खोल सकते हैं। इसमें मैच्योरिटी पीरियड 2 साल का है। उदाहरण के लिए, अगर आप एक जुलाई 2023 को निवेश करते हैं तो दो साल बाद यानी एक जुलाई 2025 को ब्याज के साथ पैसा वापस मिल जाएगा।

बैंक भी जल्द करने वाले हैं शुरू

महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम की लोकप्रियता का अंदाजा खाता खुलने की रफ्तार से लगाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1 अप्रैल 2023 से मई महीने के आखिर तक यानी दो महीने में 5 लाख महिलाओं ने इसमें निवेश किया है। इससे सरकारी खजाने में 3,666 करोड़ रुपये आए हैं। इसका मतलब है एक खाते में औसतन 73 हजार रुपये से ज्यादा जमा हुए हैं। जून अंत तक बैंकों में भी यह स्कीम शुरू होने की उम्मीद है, जिससे कलेक्शन तेजी से बढ़ने के आसार हैं।

महिला सम्मान स्कीम में निवेश पर रिटर्न

इस स्कीम में निवेश करने पर सालाना 7. 5 फीसदी का फिक्स्ड रिटर्न है। ब्याज का एडजस्टमेंट तिमाही आधार पर होता है। मैच्योरिटी पर रकम निकासी के लिए फॉर्म-2 भरना होगा। मैच्योरिटी पीरियड यानी 2 साल से पहले भी इस स्कीम में पैसे निकालने की सुविधा मिलती है। खाता खुलवाने के एक साल बाद आंशिक निकासी यानी आंशिक निकासी सुविधा है।

सरकार ने अब इन कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी को दी मंजूरी, इतना होगा इजाफा

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अब कुछ और कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी है। मंत्रालय ने जानकारी देते हुए कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड के गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए ट्रेड यूनियनों के साथ हुए वेतन संशोधन समझौते को मंजूरी दे दी है। अब इन कर्मचारियों के वेतन में बेसिक, वीडीए, स्पेशल महंगाई भत्ता और बोनस आदि का लाभ मिलेगा। इससे अलग भत्ते में 25 फीसदी का इजाफा होगा। कोल इंडिया को भेजे गए एक नोट में मंत्रालय ने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड और ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों के एनसीडब्ल्यूए-एक्सआई के लिए मंजूरी दी गई है। इस डील से सीआईएल और एससीसीएल के करीब 2. 81 लाख कर्मचारियों को लाभ होगा, जो 1 जुलाई 2021 में कंपनी के साथ काम कर रहे थे।

मई में हुई थी डील

यह समझौता मई में कोयला उद्योग के लिए ज्वाइंट बायलिटरल कमेटी (जेबीसीसीआई)-एक्सआई की ओर से किया गया था, जिसमें सीआईएल प्रबंधन, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल), पांच केंद्रीय ट्रेड यूनियनों - बीएमएस, एचएमएस, एआईटीयूसी, सीटू, माइन वर्कर्स फेडरेशन (आईएनएमएफ) और इंडियन नेशनल के प्रतिनिधि शामिल थे।

कितनी बढ़ोतरी का प्रावधान

सीआईएल ने 1 जुलाई, 2021 से 31 मार्च 2023 तक प्रभावी 21 महीने की अवधि के लिए 9,252. 24 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। वेतन के लिए प्रावधान बढ़ने के कारण वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत घटकर 5,528 करोड़ रुपये हो चुका है।

वेतन में 19 फीसदी का इजाफा

कोयला मंत्रालय की ओर से इस मंजूरी के बाद अब कर्मचारियों को महंगाई भत्ता के अलावा मूल वेतन और अन्य में इजाफा होगा। कुल बढ़ोतरी 19 फीसदी तक हो सकती है। यह इजाफा कुल जलाई 2021 से लेकर मार्च 2023 यानी कुल 21 महीने के लिए है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मेष--	01-18 बजे
चंद्र-	कन्या में	वृष--	03-04 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	05-05 बजे
बुध-	मिथुन पें	कर्क...	07-16 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह....	09-27 बजे
शुक्र-	कर्क में	कन्या..	11-36 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	13-40 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	15-50 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	18-04 बजे
		मकर..	20-11 बजे
		कुंभ...	22-01 बजे
		मीन ..	23-39 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय- 05-47
सूर्य अस्त- 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - 02 -04 तक उपरान्त नवमी
मास - आषाढ शुक्ल पक्ष , सोमवार June 26
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी - 12- 43 - तक उपरान्त हस्त
योग - व्यतिपात - 06 - 05 - तक उप वरियान
करण- विष्टि - 13 -19 - तक उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल -13-19 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:24 से 09:02 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:47 - 07:24	शुभ	चंचल.	18:50 - 20:14	शुभ
काल.	07:24 - 09:02	अशुभ	रोग.	20:14 - 21:36	अशुभ
शुभ.	09:02 - 10:40	शुभ	काल.	21:36 - 22:57	अशुभ
रोग	10:40 - 12:19	अशुभ	लाभ.	22:57 - 00:19	शुभ
उत्पात	12:19 - 13:57	अशुभ	उत्पात	00:19 - 01:41	अशुभ
चंचल	13:57 - 15:36	शुभ	शुभ	01:41 - 03:02	शुभ
लाभ	15:36 - 17:14	शुभ	अमृत	03:02 - 04:24	शुभ
अमृत	17:14 - 18:50	शुभ	चंचल	04:24 - 05:47	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

विजय उत्सव आपको अत्यधिक आनंद देगा। आप अपनी खुशी का आनंद लेने के लिए इस खुशी को दोस्तों के साथ साझा कर सकते हैं। घरेलू सुख-सुविधाओं पर अधिक खर्च न करें। एक सुखद और शानदार शाम के लिए आपके घर मेहमानों की भीड़ उमड़ रही है। रोमांटिक यादें आपके दिन को व्यस्त रखेंगी।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपका शंकालु स्वभाव आपको पराजय का मुंह दिखा सकता है। केवल उन लोगों की उपेक्षा करें जो आपसे अस्थायी ऋण के लिए संपर्क करते हैं। मेहमान आपके घर आएंगे, जिससे आपका दिन ख़ुशनुमा और शानदार रहेगा। घर के कामों से बचना और पैसों को लेकर तकरार आपके वैवाहिक जीवन को नुकसान पहुंचा सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

तनाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह तेजी से तंबाकू और शराब जैसी गंभीर महामारी बनती जा रही है। वित्तीय समस्याएं रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बर्बाद कर देती हैं। यदि आप कार्यालय में अतिरिक्त समय बिताएंगे तो आपका घरेलू जीवन प्रभावित होगा।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अपने ऊँचे आत्मविश्वास का आज सदुपयोग करने का प्रयास करें। भागदौड़ भरे दिन के बावजूद भी आप अपनी ऊर्जा वापस पाने में सक्षम होंगे। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ाएगा। घरेलू मामले आपके दिमाग पर छाए रहेंगे और प्रभावी ढंग से काम करने की आपकी क्षमता को बर्बाद कर देंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

हवा महल बनाने में अपना समय बर्बाद मत करो। बल्कि कुछ सार्थक करने के लिए अपनी ऊर्जा का संरक्षण करें। ऐसी वस्तुएँ ख़रीदने के लिए उत्तम दिन है, जिनकी क़ीमत में वृद्धि होगी। जरूरत पड़ने पर दोस्त आपकी मदद के लिए आएंगे। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपको भ्रमित कर सकती है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आपको ऐसे काम करने चाहिए जो आपकी सेहत और लुक्स को बेहतर बनाने में आपकी मदद करें। आज आप आसानी से पूंजी जुटा सकते हैं- बकाया कर्ज इकट्ठा कर सकते हैं- या नई परियोजनाओं पर काम करने के लिए धन मांग सकते हैं। कुछ लोग क्षमता से अधिक वादे करने की प्रवृत्ति रखते हैं-

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका व्यक्तित्व आज किसी इत्र की तरह काम करेगा। आर्थिक कठिनाइयाँ आलोचना और तर्क-वितर्क का कारण बन सकती हैं- ऐसे लोगों को ना कहने के लिए तैयार रहें जो आपसे बहुत अधिक उम्मीद रखते हैं। नया लुक- नया पहनावा- आज आपके नए दोस्त बन सकते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

यदि आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहे हैं तो आप अत्यधिक थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की आवश्यकता होगी। बड़े समूह में शामिल होना काफ़ी मज़ेदार रहेगा- लेकिन आपके ख़र्चों में बढ़ोतरी होगी। दोस्तों के साथ शाम काफ़ी मनोरंजक और आनंद से भरी रहेगी।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपका तल्ख़ बर्ताव पत्नी के साथ रिश्ते बिगाड़ सकता है। कुछ भी मूर्खतापूर्ण करने से पहले अपने व्यवहार के नतीजों के बारे में सोचें। हो सके तो अपना मूड बदलने के लिए दूर चले जाएं। आप शानदार नए विचारों के साथ आएंगे जो वित्तीय लाभ लाएंगे। आज हर कोई आपका दोस्त बनना चाहता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

सीढ़ियां चढ़ते समय अस्थमा के मरीजों को सावधानी बरतनी चाहिए। जल्दबाजी में सीढ़ियां चढ़ने की कोशिश न करें क्योंकि इससे आपको सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। शांत तरीके से गहरी सांस लेने और छोड़ने की कोशिश करें। अपने लिए धन संचय करने का आपका विचार आज पूरा हो सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

चोट से बचने के लिए बैठते समय विशेष ध्यान रखें। इसके अलावा अच्छी मुद्रा न केवल किसी के व्यक्तित्व को निखारती है बल्कि स्वास्थ्य और आत्मविश्वास में सुधार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आप अपने परिवार को अपनी आर्थिक स्थिति से अवगत करा सकते हैं। हालांकि आपकी बात सुनकर वे परेशान हो सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अवांछित विचार आपके दिमाग पर हावी हो सकते हैं। खुद को शारीरिक व्यायाम में व्यस्त रखने की कोशिश करें क्योंकि खाली दिमाग शैतान का वर्कशॉप होता है। पैसों की कमी आज परिवार में कलह का कारण बन सकती है। ऐसे में परिवार के अन्य सदस्यों से बात करने से पहले अच्छे से सोच लें और उनसे सलाह लें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

लक्ष्मीजी ने भगवान जगन्नाथ का रथ तोड़ा

बिना बताए मौसी के घर जाने से गुस्सा, पुजारी ने बताया क्या है परंपरा

पुरी, 25 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। दिल्ली से 1300 किलोमीटर भुवनेश्वर और वहां से 60 किलोमीटर दूर पुरी में भगवान जगन्नाथ का भव्य मंदिर। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलदाऊ मंदिर से चले गए हैं। उनके रथ मंदिर से 3 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर के बाहर खड़े हैं। ये उनकी मौसी का घर है। तीनों यहां 9 दिन रहेंगे। जगन्नाथ मंदिर का आसन खाली है। साल में बस इन्हीं 9 दिन ये खाली होता है।

मंदिर में फोटो लेने की मनाही है। मंदिर प्रशासन आसन की मरम्मत में लगा है। लेकिन, भगवान जगन्नाथ के साथ हमेशा विराजमान रहने वाली लक्ष्मी और सरस्वती भी वहां नहीं हैं। कुछ दूरी पर दो मूर्तियों पर नजर गई। पुजारियों से पता चला 'मां लक्ष्मी भगवान जगन्नाथ की तलाश में आसन छोड़कर बाहर आ गई हैं। सरस्वती भी उनके साथ हैं।'

भगवान जगन्नाथ के सबसे खास दोस्त नील माधव पूरे साल उनके पीछे रहते हैं। किसी को दिखाई नहीं पड़ते, वे अब लक्ष्मीजी के पीछे हैं। पुजारी बताते हैं कि 'लक्ष्मीजी गुस्से में हैं कि जगन्नाथ उन्हें छोड़कर क्यों गए। नवविवाहित जोड़े के बीच बात न बिगड़े, इसलिए नील माधव लक्ष्मीजी को समझा रहे हैं, लेकिन लक्ष्मीजी नाराज़ हो चुकी हैं।

जगन्नाथ यात्रा महोत्सव के 5वां दिन, हेरा पंचमी की परंपरा निभाई गई

ओडिशा के पुरी में 20 जून से शुरू हुए भगवान जगन्नाथ यात्रा महोत्सव का 5वां दिन है। भगवान जगन्नाथ, भाई बलदेव और बहन सुभद्रा के साथ मौसी के घर हैं और 28 जून को लौटेंगे। इस बीच उत्सव की परंपराए निभाई जा रही हैं। इनमें सबसे खास हेरा पंचमी का रिवाज होगा।

हेरा पंचमी भगवान जगन्नाथ की पत्नी देवी लक्ष्मी से जुड़ी है। यात्रा से भक्त और पुजारी सब खुश हैं, पर लक्ष्मीजी खफा हैं। पति से नाराज देवी लक्ष्मी उनके रथ का पहिया तोड़ देती हैं। ये परंपरा रात 9 बजे संपन्न हुई।

लक्ष्मीजी ने अपने विमान तैयार करने का आदेश दे दिया है। उनके सेवक विमान की धुलाई में लग गए हैं। ये विमान उड़ता नहीं, सेवक कंधों पर रखकर ले जाते हैं। सेवक भी वही चुने जाते हैं, जिनकी रफ्तार सबसे तेज होती है। मैंने मंदिर के अंदर सेवा में लगे व्यक्ति से पूछा- इसे विमान क्यों कहते हैं? उसने बताया, 'ये प्रतीकात्मक है। विमान तैयार करने के आदेश का मतलब है कि लक्ष्मीजी जल्दी से जल्दी गुंडिचा मंदिर पहुंचना चाहती हैं।'

ये परंपरा है क्या और क्यों मनाई जाती है, हमने ये बात जगन्नाथ मंदिर में लक्ष्मीजी के मुख्य सेवक दुर्गा माधव से पूछी। वे बताते हैं, 'भगवान जगन्नाथ का मौसी से मिलने जाना उनकी पत्नी लक्ष्मी को रास नहीं आता। अब उनका गुस्सा सातवें आसमान पर है। यही गुस्सा जगन्नाथ यात्रा के 5वें दिन सामने आता है।'

सेवक दुर्गा माधव मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'पति भाई-बहन को लेकर घूमने चले गए, पत्नी को लेकर नहीं गए, तो पत्नी गुस्सा होगी ही। शादी हुई, फिर पूर्णिमा स्नान और फिर 15 दिन बुखार। उसके बाद जगन्नाथजी रथ यात्रा पर निकल गए।'

'रुक्मिणी हरण एकादशी को जगन्नाथ और रुक्मिणी का ब्याह हुआ। रुक्मिणी यानी लक्ष्मी का रूप। दूसरे दिन पूर्णमासी हुई। भगवान जगन्नाथ ने 108 तालाबों के पानी से खूब स्नान किया। फिर क्या था, बुखार चढ़ गया और 15 दिन इलाज में चले गए। विवाह के दौरान लगाई गई लक्ष्मी और जगन्नाथ की गांठ भी अभी नहीं खुल पाई।'

'लक्ष्मी जी पहले ही परेशान और उदास थीं। भगवान जगन्नाथ ठीक हुए, भक्तों को दर्शन दिए और दो दिन बाद ही भाई बलदाऊ और बहन सुभद्रा को लेकर मौसी के घर चले गए।'

ये कहानी बताते वक्त बिल्कुल दुर्गा माधव के चेहरे पर वही भाव थे, जो घर के किसी नए विवाहित जोड़े के बीच होने वाली नोकझोंक के बारे में बताते वक्त होते हैं। दुर्गा माधव कहते हैं, 'इधर लक्ष्मीजी को मंदिर में पति नहीं मिलते, तो वे बलराम की पत्नी और अपनी जेठानी विमला से पूछती हैं कि जगन्नाथ कहां हैं। जैसे ही उन्हें पता लगता है कि जगन्नाथ मौसी के घर गए हैं। उनका गुस्सा फूट पड़ता है। वे फौरन जेठानी से अनुमति लेकर ससुराल की तरफ चल देती हैं।'

'वे ससुराल यानी गुंडिचा मंदिर पहुंचती हैं, तो भगवान जगन्नाथ डर के मारे दरवाजा बंद कर लेते हैं। वे उनसे नहीं मिलते।'

गुंडिचा मंदिर और जगन्नाथ जी के मंदिर के बीच की दूरी 3 किलोमीटर है। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ का जन्म यहीं हुआ था। दुर्गा माधव कहते हैं, 'लक्ष्मीजी पति की बेरुखी से तमतमा उठती हैं। जगन्नाथ के दरवाजा न खोलने पर वे पति के रथ की एक लकड़ी निकालकर उसका पहिया तोड़ देती हैं और वापस अपने घर चली जाती हैं।'

ये सभी रिवाज दोनों पक्षों के पुजारी करते हैं। भगवान जगन्नाथ और लक्ष्मीजी के बीच बातचीत उनके पुजारियों के जरिए होती है। इसमें क्या कहा जाएगा, ये भी तय होता है। इस दिन को हेरा पंचमी के तौर पर मनाया जाता है। इसके बाद भगवान जगन्नाथ फौरन वापसी की तैयारी करते हैं। हेरा पंचमी के तीसरे दिन तीनों के रथ अपने मंदिर की तरफ मुड़ जाते हैं। यह भी एक धार्मिक संस्कार है, जिसे दक्षिणामुख कहते हैं।'

तो क्या लक्ष्मीजी भगवान जगन्नाथ को माफ कर देती हैं? 'नहीं, रथ का पहिया तोड़ने के बाद भी उनका गुस्सा शांत नहीं होता। वे अपने मंदिर में गुस्से के साथ घुसती हैं। वहां नील माधव, जिन्हें जगन्नाथ का भाई जैसा दोस्त कह सकते हैं। वे लक्ष्मी को धैर्य रखने की सलाह देते हैं।'

आषाढ़ शुक्ल दशमी के दिन भगवान जगन्नाथ मां से मिलकर अपने घर या मंदिर के लिए रवाना हो जाते हैं। इसे बाहुड़ा यात्रा या वापसी की यात्रा कहते हैं। इस बार यह बाहुड़ा यात्रा 28 जून को होगी।

सेवक दुर्गा माधव कहते हैं, 'लक्ष्मीजी भगवान जगन्नाथ का बेसब्री से इंतजार कर रही होती हैं। नील माधव उन्हें भरोसा दिलाते हैं कि वे जगन्नाथ से इस बारे में सवाल करेंगे। हर पति की तरह जगन्नाथ रूठी पत्नी को मनाने के लिए जतन करते हैं। वे लक्ष्मीजी से मिलने के लिए मंदिर में जाना चाहते हैं, लेकिन जैसे भगवान जगन्नाथ ने लक्ष्मीजी के लिए दरवाजे नहीं खोले थे, वे भी दरवाजा नहीं खोलती हैं। भगवान जगन्नाथ का रास्ता लक्ष्मी की दासियां रोकती हैं। इधर जगन्नाथजी की तरफ से कुछ सेवक होते हैं, तो उधर लक्ष्मी की हठी दासियां। इस संस्कार को नीलाद्री बिजे कहा जाता है।'

नील माधव की वजह से दोनों में होती है सुलह

भगवान जगन्नाथ अपने खास दोस्त नील माधव की बात नहीं टालते। आखिरकार वे लक्ष्मी को मना लेते हैं। इसके लिए उन्हें खास तोहफा देना पड़ता है। ये खास तोहफा होता है सफेद रसगुल्ला। दुर्गा माधव कहते हैं, 'मान्यता है कि पुरी का मंदिर नील माधव ने ही बनवाया था। सामान्य दिनों में वे किसी को नहीं दिखते, क्योंकि वे भगवान जगन्नाथ के आसन के पीछे बैठे होते हैं। रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ का आसन खाली रहता है, तो नील माधव 10 दिन के लिए आसन के सामने बैठते हैं।

नीलाद्रि बिजे यानी जिस दिन भगवान जगन्नाथ घर या अपने मंदिर आने वाले होते हैं, उसी दिन वे लक्ष्मी के बगल में विराजमान होते हैं। ऐसा वे दोनों के बीच झगड़ा न बढ़ने देने के लिए करते हैं।

भगवान जगन्नाथ की दो पत्नी, लक्ष्मी नाराज, लेकिन सरस्वती का जिक्र नहीं

मंदिर में भगवान जगन्नाथ के आसन के पास सरस्वती यानी भूदेवी और लक्ष्मी यानी श्रीदेवी विराजमान हैं। लक्ष्मी नई-नई ब्याह कर आई होती हैं, इसलिए वे पति के यात्रा पर जाने से गुस्सा हो जाती हैं। सरस्वतीजी का इस यात्रा में कोई किरदार नहीं होता। इसलिए उनका जिक्र भी नहीं होता।

खैर, ये तो हुई परंपरा। उधर, जगन्नाथ मंदिर के बाहर भक्तों की भीड़ कम है। उनके भक्त गुंडिचा मंदिर के बाहर रथ के दर्शन के लिए खड़े हैं। भीड़ इतनी की चलने की जरूरत नहीं, आप खुद-ब-खुद आगे या पीछे पहुंचते रहेंगे।

इस बार पुजारी कह रहे हैं कि जगन्नाथजी का रथ देर से गुंडिचा मंदिर पहुंचा। भला क्यों? तो अलग-अलग लोगों ने एक ही कहानी बताई, 'प्रभु तो प्रभु हैं, कई बार रथ आगे नहीं बढ़ने देते, शायद किसी भक्त को आने में देर हो गई, उसे दर्शन दिए बगैर कैसे मंदिर के भीतर जा सकते हैं।'

दरअसल उन्हें मंदिर से शाम के पहले गुंडिचा मंदिर जाना था, लेकिन इस बार रात हो गई। वे रात करीब 9:30 बजे रथ से उतरे। इसका कोई प्रमाण तो नहीं, पर शायद उन्हें जिस भक्त का इंतजार था वह आ गया हो। आस्था में सवाल नहीं होते। तभी तो सदियों से यहां हर साल रथ यात्रा होती है। भगवान जगन्नाथ 9 दिन के लिए अपनी मां जैसी रानी गुंडिचा के मंदिर जाते हैं। हर बार लक्ष्मी रूठती हैं और जगन्नाथ उन्हें मनाते हैं।

'उग्रवादी और चर्च के सहारे चुनाव लड़ती है कांग्रेस'

केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह बोले- बस्तर धर्मांतरण का हेडक्वार्टर, लखमा ने कहा-भाजपा दमनकारी

जगदलपुर, 25 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को जमकर घेरा है। उन्होंने कहा कि यह छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार नहीं, बल्कि डपोरशंख की सरकार है, उग्रवादियों और चर्च के सहारे यह लोग चुनाव लड़ते हैं। CG धर्मांतरण का केंद्र बिंदु बन गया है। इधर, आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने चैलेंज करते हुए कहा कि, BJP यदि भूपेश सरकार में एक भी धर्मांतरण होना बता दे तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। उन्होंने कहा कि, ये लोग सिर्फ दमन करते हैं।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ओडिशा दौरे पर थे। वे वहां से सीधे छत्तीसगढ़ के जगदलपुर आए। यहां उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। जिसके बाद उन्होंने मीडिया से भी बातचीत की। इस दौरान गिरिराज सिंह ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, बस्तर धर्मांतरण का हेड ऑफिस बन गया है। डपोरशंख सरकार के लोग कहते हैं कि राम मेरा भांजा है, कौशल्या बहन है।

गिरिराज सिंह ने उदाहरण देते हुए कहा कि कंस भी कहता था कि श्रीकृष्ण मेरा भांजा है। अब आप लोग यह समझ जाइए कि ये क्या कहना चाह रहे हैं। गिरिराज सिंह का कहना है कि, जिस कांग्रेस पार्टी ने वर्षों तक प्रभु श्रीराम को नहीं स्वीकारा, राम सेतु को नहीं स्वीकार, अब वे उनके नाम पर रामलीला कर रहे हैं। ये लोग डरे हुए हैं।

मंत्री लखमा ने किया चैलेंज

वहीं, आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने कहा कि, भाजपा का सिर्फ एक ही काम रहा है फूट डालो और राज करो। झूठ बोलो और कुर्सी पर बैठो। वर्तमान में यह यही काम कर रही है। इससे पहले भी मैंने विधानसभा में चैलेंज किया था कि भूपेश बघेल के कार्यकाल में पूरे छत्तीसगढ़ और बस्तर में एक भी धर्मांतरण नहीं हुआ है। ये लोग साबित भी नहीं कर पा रहे हैं। मैंने पहले भी चैलेंज किया था और अब भी चैलेंज कर रहा हूं ,एक भी धर्मांतरण हुआ बता दो मैं तुरंत इस्तीफा दे दूंगा। लेकिन यह लोग मेरे चैलेंज को स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

केंद्र की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाएंगे भाजपा कार्यकर्ता : लक्ष्मीकांत

चतरा, 25 जून (एजेंसियां)। चतरा भाजपा का महा जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के तहत झारखंड प्रदेश प्रभारी सह राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेई दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को चतरा पहुंचे। चतरा आगमन पर गिद्धौर प्रखंड में लक्ष्मीकांत बाजपेई का सांसद सुनील कुमार सिंह और जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

बाजपेई जी गिद्धौर प्रखंड के बलबल में मां बागेश्वरी मंदिर में पूजा किए ।उसके उपरांत उन्होंने पुजारियों और समाजसेवियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया फिर डोर टू डोर जनसंपर्क किये। उसके बाद चतरा नगर मंडल में संपर्क से समर्थन कार्यक्रम के निमित्त व्यवसायी , डॉक्टर ,राइफल शूटिंग खिलाड़ी, और प्रोफेसर को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

चतरा शहर में सामान्य कार्यकर्ता कर भोजन किये। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा सांसद सुबह इटखोरी पहुंचकर मां भद्रकाली का दर्शन चाहिए। उसके उपरांत इटखोरी मे व्यवसायियों के साथ एक बैठक किए। बैठक के उपरांत संपर्क से समर्थन कार्यक्रम के अन्तर्गत इटखोरी में सभी प्रमुख लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और फिर मयूरहंड में जनसंपर्क कर लोगों की समस्याओं से अवगत हुए।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को बताया। साथ ही आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए समर्थन मांगा और फिर से केंद्र में एक बार भाजपा की सरकार बने और मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़े।

बाजपेई जी ने कहा मोदी जी के यह 9 साल स्वर्णिम काल है। इन 9 सालों में मोदी जी ने एक नए भारत का निर्माण किया ।इस अवसर पर प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह,जिला प्रभारी बिपिन बिहारी सिंह, सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास ,जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा, चतरा के पूर्व विधायक जनार्दन पासवान, जिले के पदाधिकारी गण ,मंडल अध्यक्ष गण सहित भाजपा कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। राज्यसभा सांसद का स्वागत करते चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह ।

राजेंद्र सिंह ने कहा: झारखंड में नदियां रिचार्ज की जगह डिस्चार्ज हो रहीं

तभी 60 प्रतिशत नदियां सूख गईं

रांची, 25 जून (एजेंसियां)। जल संरक्षण के लिए रेमन मैग्सेसे और स्टॉकहोम जल पुरस्कार से सम्मानित डॉ. राजेंद्र सिंह को भारत का 'जल पुरुष' कहा जाता है। देश ही नहीं विदेशों में भी जल संरक्षण के उनके उपायों को मील का पत्थर माना जाता है। उन्होंने 14 हजार डैम बनाए और 14 नदियों को जिंदा किया है।

उनका कहना है कि पानी का मोल समझना होगा। जल हमें ही नहीं पृथ्वी और पर्यावरण को भी बचाती है। इसलिए, एकजुट होकर बूंद-बूंद पानी बचाने की जरूरत है। वे झारखंड खोज यात्रा पर निकले हैं, यहां पानी पंचायत लगा रहे हैं।

झारखंड की 60 प्रतिशत से अधिक नदियां सूख चुकी हैं। जो सदा नीरा थीं, उनमें से कुछ सीजनल हो गईं, जो सीजनल थीं, वह अब एकाध दिन बहती है, जब बारिश होती है। जब हमारी नदियां सूखती हैं, तो सभ्यता भी सूखती है। नदी के साथ भारत का व्यवहार पहले अलग था, हम नीर, नदी और नारी को 'नारायण' मानते थे। हमारा भगवान मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे में नहीं पंचमहाभूतों- भूमि, गगन, वायु, अग्नि और नीर में था। वैदिक काल में हम इन्हें ही परमात्मा कहते थे। पर, अब अंधी विकास की दौड़ में नदियों की हत्या हो गई। रांची जब तक प्रकृति के साथ प्रेम का रिश्ता रखने वाला गांव या शहर था, तब तक पानी के साथ हमारी दृष्टि तीर्थ की थी। जब भोग की दृष्टि बनी तो हमने पानी को लूटने की कोशिश की। फिर चारों तरफ ट्यूबवेल, बोरवेल, समरसेबल पंप बने। अधोभूजल, भूजल और पाताल जल में जो पानी था, तीनों लेवल के पानी को हमने निकाल लिया। पहले हमारे जलप्रपात बारहों महीने इसलिए बहते थे कि भूजल में पानी था। अब पाताल जल तक का पानी हम निकाल चुके हैं तो फॉल कैसे बहेंगे।

अब सिर्फ बरसात का पानी ही उसमें बह रहा है। जल के कारण ही रांची तीर्थ क्षेत्र था, अब सिर्फ पर्यटन क्षेत्र रह गया है। अब यहां भोगी लोग ज्यादा रहते हैं। धरती को पानी लौटा नहीं रहे हैं। रांची में रिचार्ज से ज्यादा पानी का डिस्चार्ज हो गया है। झारखंड एक पानीदार राज्य था, इसे पानीदार रहना चाहिए था। यह पानीदार रहता तो जंगल बचे रहते। औद्योगिकीकरण के कारण पानी का बैलेंस बिगड़ गया। इससे नदियां सूख रही हैं। छिछली हो गई हैं। स्वर्णरेखा के पानी में मर्करी, लेड, नाइट्रेट हैं। इनसे नदियां खराब हो रही हैं, इससे हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है।

पूरे छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय

लेकिन 71% कम बारिश से खेती में 15 दिन की देरी

रायपुर, 25 जून (एजेंसियां)। सुस्ती से चल रहे मानसून ने फिर रफ्तार पकड़ी है। शनिवार को एक दिन में यह छह राज्यों- मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख पहुंच गया। पूरे छत्तीसगढ़ में शनिवार को मानसून सक्रिय हो गया। वहीं, बस्तर से लेकर बिलासपुर और सरगुजा संभाग में ज्यादातर जगहों पर बारिश शुरू हो गई है। दो दिन में पूरे छत्तीसगढ़ में मानसूनी हवा फैल गई है। वहीं, छत्तीसगढ़ में इस साल मानसून के देरी से आने के कारण जून में कोटे की बारिश करीब 71 फीसदी तक कम हुई है। 24 जून तक राज्य में 126.9 मिमी बारिश होनी चाहिए। अभी सिर्फ 37.2 मिमी बारिश हुई है। इसका असर कृषि पर हुआ है। 10 से 15 जून तक मानसून की बारिश शुरू होने पर खेतों में बुआई का काम शुरू हो जाता है। इस साल 15 दिन की देरी हो गई है।

दक्षिण-पश्चिम हवा बस्तर से रायपुर होते हुए उत्तरी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर और सरगुजा संभाग तक पहुंच गई है। राज्य के कई हिस्सों में अच्छी वर्षा हुई। बादल और बारिश की वजह से पिछले करीब तीन हफ्ते से चल रही तेज गर्मी कम हुई और राहत महसूस होने लगी है। दिन का तापमान सामान्य के बराबर पहुंच गया है। मौसम विभाग ने रविवार को रायपुर संभाग के कुछ हिस्सों में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी है। दरअसल, अगले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी।

अनियंत्रित टैंकर ने यात्री शेड में मारी टक्कर

अलकतरा लाद कर जमशेदपुर जा रहा था टैंकर, घटना में तीन की मौत और दो लोग घायल

बहरागोड़ा, 25 जून (एजेंसियां)। बहरागोड़ा-चाकुलिया क्षेत्र में सुबह-सुबह एक्सीडेंट हो गया। बहरागोडा प्रखंड के बडशोल थाना अंतर्गत खंडामौदा बस स्टैंड स्थित यात्री शेड में एक अलकतरा लदे एक टैंकर ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में यात्री शेड में मौजूद लगभग पांच लोग दब गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गयी। वहीं सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गयी। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में एक वृद्धा सहित दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं दो लोग घायल हैं। घायलों को बेहतर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। घायलों सहित मृतक लोगों की पहचान नहीं हो पायी है।

खड्गपुर से आ रही थी टैंकर

बताया जा रहा है कि इस दुर्घटनाग्रस्त टैंकर में अलकतरा लदा हुआ है। टैंकर (डब्ल्यूबी 29 ए 8919) खड्गपुर की ओर से अलकतरा लाद कर जमशेदपुर की तरफ जा रहा था। घटना सुबह लगभग सात बजे की बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक टैंकर ड्राइवर को झपकी आने की वजह से उसने अपना नियंत्रण खो दिया और हादसा हो गया। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क को खाली कराने में जुट गई। पुलिस के आने से पहले ही स्थानीय लोग भी राह कार्य में जुट गए थे।

मलबा हटाने में क्रेन की ली जा रही मदद

जानकारी के मुताबिक इस दर्दनाक हादसा के बाद मौके पर पहुंची बडसोल पुलिस स्थानीय लोगों के सहयोग से मलबे को हटाने और उसके नीचे दबे लोगों को निकालने का प्रयास कर रही है।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही बचाव टीम मौके पर पहुंची। अभी मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। अनियंत्रित टैंकर को निकालने के लिए कई क्रेन का सहारा लिया जा रहा है।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे घटनास्थल

सुबह-सुबह हुई इस दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ दिनेश कुमार षाड़ंगी भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और बचाव कार्य की जानकारी ली है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने पुलिस अधिकारियों से भी राहत कार्य को लेकर बातचीत की।

युवक के ऊपर गिरी 11 केवी लाइन, जिंदा जलकर मौत

फूल तोड़ने जा रहा था तभी हो गया हादसा; सड़क पर बाइक समेत जल गया

कोरबा, 25 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक युवक के ऊपर ही 11 केवी की बिजली लाइन गिर गई। जिससे जिंदा जलकर उसकी मौत हो गई है। वो बाइक से फूल तोड़ने जा रहा था। उसी दौरान यह हादसा हो गया। जिसके बाद बाइक समेत वो जिंदा जल गया। मामला करतला थाना क्षेत्र का है।

सेंद्रीपाली निवासी ताराचंद अग्रवाल(40) की गांव में ही राशन की दुकान है। वह रोज की तरह रविवार सुबह भी गांव के नर्सरी में फूल लेने जा रहा था। उसी वक्त बिजली तार उसके ऊपर टूटकर गिरा। इसके बाद वह झुलस गया और उसे संभलने का मौका तक नहीं मिला।

रोड पर जलती रही बाइक

अचानक तार गिरने की वजह से वह बाइक समेत जिंदा जल गया। आस-पास उस समय कोई नहीं था। रोड पर ही युवक और उसकी बाइक धू-धूकर जल रहे थे। कुछ देर बाद जब आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे, तब उन्हें इस बात की जानकारी मिली। लोगों की सूचना पर मौके पर पुलिस और विभाग की टीम पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों को भी सूचना दी गई थी। घटना के बाद से लोगों में काफी नाराजगी है।

लोग बोले-बिजली विभाग की लापरवाही

लोगों का कहना है कि विभाग की लापरवाही से ताराचंद की मौत हो गई। हमने पहले ही विभाग को बताया था कि ये जो तार लटकी है वह टूट सकती है। इसलिए इसे हटा दीजिए, पर विभाग ने ध्यान नहीं दिया। हमने पहले भी मांग की थी। यहां से बिजली खंभे को ही हटा देना चाहिए। मगर विभाग ने बात ही नहीं सुनी और आज एक शख्स की मौत हो गई है।

करंट लगने से पोल पर चिपका इलेक्ट्रीशियन:11केवी लाइन के फॉल्ट को सुधार रहा था, अचानक दे दी गई बिजली सप्लाई, मौके पर मौत

गरियाबंद जिले के फॉल्ट सुधारने के दौरान अचानक बिजली सप्लाई दे दी गई, जिससे मैकेनिक को करंट लग गया। वो पोल पर ही चिपक गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। उसके शव को नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया था। घटना शनिवार सुबह 9 बजे की है। मामला देवभोग थाना क्षेत्र का था।

सीएम भूपेश का बस्तर दौरा रद्द

रायपुर, 25 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज बस्तर दौरे पर रहेंगे। वे सबसे पहले सुकमा जाएंगे। जिला मुख्यालय से करीब 8 किमी दूर रामाराम जाएंगे, यहां एक गार्डन का उद्घाटन करेंगे। जिसके बाद सुकमा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। फिर आज शाम वे जगदलपुर पहुंचेंगे। यहां सिरहसार भवन में आयोजित गोंचा पर्व की एक रस्म में शामिल होंगे। भगवान को 56 भोग चढ़ाया जाएगा। 615 सालों से चली आ रही परंपरा निभाई जाएगी।

360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज 615 सालों से बस्तर गोंचा महापर्व का आयोजन करते आ रहा है। इस साल भी यह महापर्व 4 जून को शुरू हुआ है जो 28 जून 2023 तक चलेगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस महापर्व में भगवान जगन्नाथ के छप्पन भोग कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अमेरिका में रेल पुल ढहा, मालगाड़ी के कई टैंकर नदी में गिरे

डामर और सल्फर पानी में बहा, कई इलाकों में वॉटर सप्लाई बंद

वाशिंगटन, 25 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के मोंटाना राज्य में येलोस्टोन नदी पर बना एक पुल शनिवार तड़के ढह गया, जिससे खतरनाक सामग्री ले जा रही मालगाड़ी के कुछ डिब्बे नीचे तेज पानी के बहाव में गिर गए. स्टिलवॉटर काउंटी की आपदा और इमरजेंसी सेवाओं ने कहा कि मालगाड़ी के टैंकरों में गर्म डामर और पिघला हुआ सल्फर लदा था. सुबह 6 बजे की दुर्घटना के बाद खतरे का मूल्यांकन करते समय अधिकारियों ने नदी के नीचे के बहाव वाले इलाकों में पीने के पानी की सप्लाई बंद कर दी. एक रिपोर्टर ने कुछ टैंकरों से एक पीला पदार्थ निकलते देखा. काउंटी की इमरजेंसी सेवाओं के प्रमुख डेविड स्टैमी ने कहा कि साइट पर काम कर रहे कर्मचारियों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है. ट्रेनों में लदी खतरनाक सामग्री की मात्रा उफनती नदी के कारण कम हो रही है. नदी में तीन डामर टैंकर और चार सल्फर के टैंकर गिरे थे. वही मोंटाना रेल लिंक के प्रवक्ता एंडी गारलैंड ने एक बयान में कहा कि ट्रेन का चालक दल सुरक्षित है और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है. उन्होंने कहा कि ठंडे तापमान के संपर्क में आने पर डामर और सल्फर दोनों तेजी से जम जाते हैं. बताया गया कि बिलिंग्स से लगभग 40 मील (लगभग 64 किलोमीटर) पश्चिम में कोलंबस शहर के पास स्टिलवॉटर काउंटी में हुई इस के बाद रेलकर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए थे. यह इलाका येलोस्टोन नदी घाटी के कम आबादी वाले हिस्से में है, जो रैंच और खेतों से घिरा हुआ है. वहां नदी येलोस्टोन नेशनल पार्क से काफी दूर बहती है, जो लगभग 110 मील (177 किलोमीटर) दक्षिण पश्चिम में स्थित है. गारलैंड ने कहा कि 'हम इस घटना के कारण इलाके पर किसी भी संभावित असर से निपटने और दुर्घटना के पीछे के कारणों को समझने के लिए उसके हिसाब से काम करने के लिए प्रतिबद्ध है.'

हिमाचल प्रदेश में बारिश का कहर, सराज के तुंगाधार में बाढ़ आने से बहे कई वाहन

मंडी, 25 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बारिश का कहर जारी है। भारी बारिश से मंडी जिला की सराज घाटी में काफी नुकसान हुआ है। सराज के तुंगाधार में भारी बारिश के चलते आई बाढ़ में कई वाहन बह गए। कुल्लू जिला मुख्यालय के समीप दोहरनाला क्षेत्र में शनिवार रात को भारी बारिश के चलते मौहल खड्ड में बाढ़ आ गई। खड्ड में बाढ़ आने से नरोणी गांव के पास एक दर्जन वाहन बाढ़ की चपेट में आए। जबकि कुछ वाहनों को रात को ही निकाला गया। मानसून की पहली बारिश से आई बाढ़ की जिला कुल्लू में इस साल की यह पहली घटना है। आधी रात को नाले में बाढ़ आने से अफरा-तफरी मच गई। रविवार सुबह भी जिला में बारिश का दौर जारी रहा।

वैगनर समूह के मुखिया येवगेनी प्रिगोझिन का दावा

रूसी सेना ने जानबूझकर उनकी सेना पर किया हमला

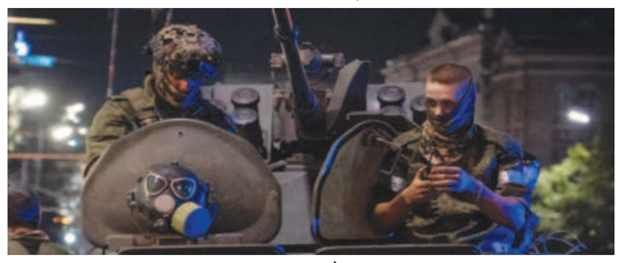

मॉस्को, 25 जून (एजेंसियां)। रूस के खिलाफ विद्रोह करने से पहले वैगनर समूह के नेता येवगेनी प्रिगोझिन ने दावा किया कि रूसी सेना ने जानबूझकर उनकी सेना पर हमला किया। प्रिगोझिन न्याय की मांग कर रहे है और उन्होंने विद्रोह की घोषणा भी कर दी है। द कन्वर्सेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वैगनर ग्रुप और रूसी सेना के बीच चल रही दुश्मनी कोई आम बात नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से दोनों समूहों ने एक-दूसरे के खिलाफ कई अपमानजनक टिप्पणियां और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई की है। यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के तुरंत बाद वैगनर समूह और रूसी सेना के बीच संबंध टूट गए। संघर्ष से पहले, वैगनर समूह ने अनौपचारिक क्षमता में रूसी राज्य के हितों को काफी आगे बढ़ाया।

वैगनर समूह ने की रूस की काफी मदद

रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने के लिए वैगनर समूह का इस्तेमाल किया था। 2014 में पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में रूस द्वारा वैगनर समूह के उपयोग ने भी रूसी सेना को भागीदारी से इनकार करने की अनुमति दी थी। वैगनर समूह और रूसी सेना के डोमेन दूसरे के उद्देश्यों का समर्थन करते थे। रूस-यूक्रेन युद्ध ने दोनों समूहों के बीच की गतिशीलता को बदल दिया। रूसी सेना को यूक्रेन में सैन्य जीत की उम्मीद थी। लेकिन, संघर्ष की शुरुआत से ही रूस को कई असफलताओं का सामना करना पड़ा। इसी को देखते हुए रूस को वैगनर समूह को तैनात करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

होंडुरास के बिलियर्ड हॉल में गोलीबारी 11 लोगों की मौत

होंडुरास, 25 जून (एजेंसियां)। होंडुरास के उत्तर पश्चिमी में स्थित एक बिलियर्ड हॉल में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गोलीबारी की घटना में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए हैं। इस से पहले भी होंडुरास में एक जेल में महिला कैदियों के बीच जानलेवा दंगा हो चुका है, जिसकी वजह से 41 महिला कैदियों की मौत हो गई थी। इस दंगे में दो गिरोह के बीच लड़ाई शुरू हुई, जिसके बाद लड़ाई के दौरान आग लगने के वजह से कई महिला कैदी जलकर मर गई। होंडुरास दुनिया के टॉप 5 देशों में शामिल है, जहां क्राइम रेट सबसे ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक वेनेजुएला में सबसे ज्यादा क्राइम के मामले दर्ज होते हैं, जो लगभग 84 फीसदी के करीब है। वहीं होंडुरास में क्राइम रेट 75 फीसदी के करीब है। होंडुरास में क्राइम के पीछे सबसे बड़ा हाथ रंगदारी है। यहां साल भर में रंगदारी से लगभग 737 मिलियन तक का सालाना मुनाफा होता है, जो पूरे देश के जीडीपी का अकेले 3 फीसदी है। इसके अलावा एक रिपोर्ट के मुताबिक होंडुरास की आधिकारिक अपराध दर 2022 के मुताबिक 1 लाख लोगों में से 36 लोगों की हत्या कर दी जाती है। देश में न्याय की कमी की वजह ने देश में अराजकता को जन्म दिया है।

दुनिया के टॉप रेस्तरां में शामिल हुआ अमरीक सुखदेव ढाबा, भारत के 7 रेस्टोरेंट को मिली जगह

वाशिंगटन, 25 जून (एजेंसियां)। दुनिया के 150 प्रसिद्ध रेस्तरां की लिस्ट जारी की गई है। इनमें भारत के भी कई शामिल हैं। यात्रा ऑनलाइन गाइड टेस्ट एटलस ने इसे जारी किया है। गाइड के अनुसार, ये फूड जॉइंट्स सिर्फ भोजन के लिए ही सही स्थान नहीं हैं, बल्कि इनकी तुलना दुनिया के सबसे प्रसिद्ध संग्रहालयों, दीर्घाओं और स्मारकों से की जा सकती है। आपको बता दें कि इस लिस्ट में विएना, फिग्लमुलर (ऑस्ट्रिया) टॉप पर है। इसके बाद अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित कात्ज्स डेलिकटेसन का नाम आता है। वहीं, इंडोनेशिया के सानूर में बारुंग माक तीसरे स्थान पर आता है। इसके अलावा, भारत के अमरीक सुखदेव ढाबा, टुंडे कबाबी, पीटर कैट जैसे

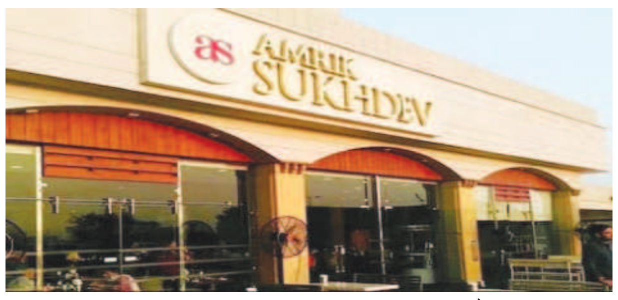

भारतीय रेस्तरां को भी जगह मिली है। खुशी की बात है कि भारत के सात रेस्तरां ने दुनिया के 150 सबसे प्रसिद्ध रेस्तरां की सूची में जगह बनाई है। कोझिकोड के ऐतिहासिक पैरागॉन रेस्तरां को दुनिया का 11वां सबसे प्रसिद्ध रेस्तरां घोषित किया गया है। यहां के बिरयानी को इसका सबसे प्रतिष्ठित व्यंजनों बताया गया है। टेस्ट एटलस ने कहा, "केरल के कोझिकोड में पैरागॉन समृद्ध गैस्ट्रोनॉमिक इतिहास का प्रतीक है। यहां की बिरयानी काफी खास है। यह इनकी सदियों पुरानी खासियत है। इसे स्थानीय रूप से प्राप्त सामग्री से ही तैयार किया जाता है।" आपको बता दें कि इस रेस्तरां की स्थापना 1939 में की गई थी। रेस्तरां स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने और पारंपरिक खाना पकाने के तरीकों को अपनाने में गर्व महसूस करता है। 12वें स्थान पर लखनऊ की टुंडे कबाबी है। यह अपने मुगलई व्यंजनों के लिए बेहद लोकप्रिय है। यहां का गलौटी कबाब काफी फेमस है। इसे कच्चे पपीते और विभिन्न प्रकार के मसालों के साथ बारीक कीमा से तैयार किया जाता है। स

बाद एटलस के अनुसार, इसकी विशिष्ट स्वाद प्रोफाइल और इसके निर्माण के पीछे की विरासत ने टुंडे कबाबी को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर दिया है। कोलकाता का पीटर कैट, मुरथल का अमरीक सुखदेव ढाबा, बैंगलोर का मावल्ली टिफिन रूम, दिल्ली का करीम और मुंबई का राम आश्रय को क्रमशः 17वां, 23वां, 39वां, 87वां और 112वां स्थान मिला है।

हॉन्गकॉन्ग से लॉस एंजेलिस जा रहे विमान का फटा टायर

हॉन्गकॉन्ग, 25 जून (एजेंसियां)। हॉन्गकॉन्ग के कैथे पैसिफिक विमान सीएक्स880 को तकनीकी समस्या के चलते शनिवार सुबह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने से पहले रोक दिया गया। आपातकालीन निकासी के दौरान 11 यात्री घायल हो गए। बता दें, हॉन्गकॉन्ग से लॉस एंजेलिस जा रहे विमान में 17 क्रू सदस्य और 293 यात्री सवार थे। कैथे विमान कंपनी ने एक बयान जारी कर बताया कि जब विमान उड़ान भरने वाला था, तभी चालक दल को कुछ तकनीकी समस्या का पता चला, जिसके बाद उड़ान को रद्द करने का फैसला लिया गया। वहीं, एक मीडिया रिपोर्ट की मानें तो घटना के पीछे का कारण विमान का एक टायर अत्यधिक गर्म होना बताया जा रहा है। कहा जा रहा कि टायर बहुत ज्यादा गर्म हो गया था, जिससे कारण वह फट गया। बयान में कहा गया है कि विमान में तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद यात्रियों को सुरक्षित उतारना मकसद था। इसलिए यात्रियों को पांच डोर एस्केप स्लाइड्स का उपयोग करके विमान से बाहर निकाला गया। इसी दौरान, 11 यात्री घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। कैथे कंपनी ने कहा कि अस्पताल से नौ लोगों को छुट्टी मिल गई है, उन्हें घर भेज दिया गया है। फिलहाल, अस्पताल में दो यात्री भर्ती हैं। कैथे ने कहा कि इन यात्रियों और उनके परिवार का ध्यान रखा जाएगा, जिस भी सहायता की जरूरत होगी हम करेंगे। विमान कंपनी ने यात्रियों से माफी भी मांगी है।

मुरैना में दो पक्षों के बीच जमकर चली लाठियां, आधा दर्जन लोग हुए घायल

मुरैना, 25 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना में जमीनी विवाद के चलते दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर लाठियां चलाई। इस संघर्ष में दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोग घायल हो गए. खूनी संघर्ष का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें दोनों पक्ष एक दूसरे पर लाठियां चलाते हुए नजर आ रहे हैं. जौरा थाना पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है. दरअसल, जौरा थाना इलाके के बल्ला का पुरा गांव में अजय सिंह और विजेंद्र सिंह दोनों के खेत हैं. खेत की मेड़ बनाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया. विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष के लोग एक-दूसरे की मारपीट पर उतारू हो गए.

पैसा, तंत्र और नरबलि: केरल में दंपती और तांत्रिक ने मिलकर की हैवानियत की सारी हदें पार

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, देश का सबसे साक्षर राज्य केरल है। लेकिन, राज्य में एक ऐसी घटना घटी है, जिसने ये सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या इस राज्य में ऐसी घटना भी घट सकती है। इस राज्य में एक ऐसी घटना घटी है जिसमें मानवता को शर्मशार कर दिया है। जिस देश के कई क्षेत्रों में बलि प्रथा के खिलाफ लोग समाज के रूढ़िवादी सोच से लड़ रहे हैं, वहीं इस राज्य में दो महिलाओं की नरबलि दी गई।

जब दो महिलाओं की दी गई नरबलि

केरल के तिरुवल्ला नगर के नजदीक एलनथूर गांव में के लोग जब मंगलवार सुबह उठे तो उन्हें एक ऐसी खबरें सुनाई दी, जिसपर उन्हें यकीन करना मुश्किल हो

रहा था। प्राकृतिक सौंदर्य के बीच बसे इस गांव में दो महिलाओं की नरबलि दी गई। इस गांव में शांतिपूर्वक तरीके से जिंदगी जीने वाले डॉक्टर दंपती ने पैसों की लालच में दो महिलाओं की निर्मम तरीके से हत्या कर दी। इतना ही नहीं, हत्या के बाद एक लाश के 56 टुकड़े किए, दोनों महिलाओं की छाती काट दी। आरोपियों ने पीड़ितों की हत्या करने के बाद शरीर के कुछ हिस्सों को खा लिया।, हालांकि शव के खाने के मामले की जांच हो रही है। इस घटना के तीन आरोपी हैं,डॉक्टर भगावल सिंह, उनकी पत्नी लैला और तांत्रिक मोहम्मद शफी। पूरे मामलों को तफसील से समझने से पहले बता दें कि ये तीन व्यक्ति अब पुलिस के गिरफ्त में आ चुके हैं। तीनों आरोपियों को पुलिस ने पिछले साल 11 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था।

तांत्रिक के पागलपन में दंपती ने दिया अपराध को अंजाम

तो मामला ये है कि कोच्चि की रहनी वाली 52 वर्षीय आर पद्मा और कलाडी की रहने वाली 53 वर्षीय रोजली आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे थे। उनकी पत्नी लैला ने तांत्रिक मोहम्मद शफी से बातचीत की। तांत्रिक शफी ने लैला से कहा कि अगर अमीर बनना है तो नरबलि देनी होगी। इसके बाद लैला इस अपराध के लिए, तैयार हो गई। पैसे की लालच देकर दोनों महिलाओं को तांत्रिक एलनथूर गांव पहुंचा। इसके बाद तंत्र साधना के जरिए दोनों की बलि दी गई। पुलिस ने जानकारी दी कि दोनों महिलाएं सितंबर महीने से ही लापता थी।

लॉटरी का व्यापार करती थी पद्मा

कोच्चि पुलिस के अनुसार, लैला ने रोजली का सिर काटकर उसकी हत्या कर दी, जबकि शफी ने पदमा को चाकू मार हत्या कर दी। शवों को डॉक्टर दंपती ने अपने घर में लगे जड़ी-बूटियों के बगीचे में गड्ढे में दफना दिया गया। बता दें कि घटना को पिछले साल 27 सितंबर को अंजाम दिया गया था। एलमकुलम में एक कमरे के अपार्टमेंट में रहने वाले लॉटरी विक्रेता आर पद्मा के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई गुमशुदगी की रिपोर्ट के बाद मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने सीसीटीवी और फोन रिकॉर्ड से छानबीन की तो पता चला कि एक व्यक्ति पद्मा को तिरुवल्ला ले गया था। जांच में पता चला कि वो आदमी तांत्रिक शफी था।

मनोरोगी है तांत्रिक शफी

पुलिस के मुताबिक, तांत्रिक शफी मनोरोगी है। तांत्रिक ने यौन सुख के लिए इस अपराध को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि उसने 'श्रीदेवी' नाम से एक फेसबुक प्रोफाइल के जरिए सिंह और लैला से दोस्ती की और बाद में रशीद नाम के एक धर्मगुरु के रूप में उनसे संपर्क किया। पिछले चार सालों में शफी ने डॉक्टर दंपती को इस हद तक प्रभावित कर भरने वाला था कि वे उसकी हर बात मान लेते थे। जानकारी के मुताबिक, शफी के खिलाफ यौन उत्पीड़न, चोरी और हत्या के प्रयास सहित 10 मामले दर्ज हैं।

शिमला में सात साल की बच्ची से डिजिटल रेप नाबालिग पर एफआईआर

शिमला, 25 जून (एजेंसियां)। राजधानी शिमला में बच्ची के साथ डिजिटल रेप का मामला सामने आया है। उपनगर समरहिल के एक स्कूल में पढ़ने वाली सात वर्षीय बच्ची के साथ इसी स्कूल के एक नाबालिग बच्चे ने डिजिटल रेप किया। परिजनों को जब इसका पता चला तो उन्होंने महिला पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज करवाया है। यह घटना समरहिल स्थित मॉडल स्कूल की है। पीड़ित बच्ची की मां द्वारा पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक उसकी बेटी ने उसके साथ हुए यौन अपराध की जानकारी दी है। उसकी बेटी के साथ जिसने गलत हरकत की है, वह उसी स्कूल में पढ़ने वाला 12 वर्षीय छात्र है।

बाढ़ से बुरी तरह घिरा चीन, हजारों एकड़ की फसल बर्बाद

बिजिंग, 25 जून (एजेंसियां)। चीन में इस समय तबाही का आलम है। भारत का पड़ोसी देश बाढ़ और प्रचंड गर्मी की मार झेल रहा है। कहीं भारी बारिश के कारण हजारों एकड़ की फसलें बर्बाद हो गई तो कहीं प्रचंड गर्मी के कारण सैकड़ों जानवरों की मौत हो गई। बारिश और बाढ़ की वजह से चीन के एग्रीकल्चर सेक्टर में कई तरह की चुनौतियां पैदा हो रही हैं। स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। मौसम की मार ने गेंहु की फसल को बर्बाद कर दिया है। मछली पालन की स्थिति भी खतरे में है। भीषण गर्मी के कारण गुआंगशी प्रांत में चावल के खेतों में मछलियां मर गईं जबकि नानटोंग शहर में हीटस्ट्रोक के चलते सैकड़ों सूअर मर गए। उधर, शिनजियांग शहर में अधिकारियों ने प्रचंड गर्मी और बाढ़ से गेहूं की फसल को संभावित नुकसान के बारे में आगाह किया है। सेंट्रल चीन में मई में देरी से बारिश हुई, जिससे कारण हजारों एकड़ की फसल प्रभावित हुई। बारिश के कारण गेहूं के दाने काले हो गए। फसल को बचाने के लिए सरकारी आपातकालीन टीमों को तैनात किया गया था। भारी बारिश ने खाद्य आपूर्ति में चीन की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लक्ष्य से जुड़ी चुनौतियों को रेखांकित किया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एक दशक में गेहूं की फसल के लिए यह सबसे बड़ा झटका है। पिछले साल गर्मियों में जिनपिंग सरकार ने फल, सब्जी और सुअर की कीमतें बढ़ने के बाद उसे स्थिर करने के लिए रणनीतिक भंडार से पोर्क जारी किया था। इसने अधिकारियों को खाद्य सुरक्षा की प्राथमिकता को दोहराने के लिए प्रेरित किया। कोरोना महामारी के समय शंघाई में लगा दिया गया था। इस दौरान भोजन की कमी हो गई। इसके कारण चीन में अशांति फैल गई।

बड़ी चिंता: हर दो में से एक ऑफिस वर्कर खराब मानसिक स्वास्थ्य का शिकार, महिला कर्मचारियों में जोखिम और भी अधिक

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं किसी भी उम्र, लिंग वाले व्यक्ति को प्रभावित कर सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैश्विक स्तर पर इसका जोखिम बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। हम सभी को व्यक्तिगत और अपने आसपास के लोगों के भी मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। हाल के अध्ययनों में ऑफिस वर्कर्स में यह समस्या काफी तेजी से बढ़ती देखी जा रही है। एक अध्ययन में बताया गया कि भारत में हर दो में से एक कॉर्पोरेट कर्मचारी में किसी न किसी प्रकार की मानसिक स्वास्थ्य समस्या का जोखिम हो सकता है। इसका असर लिंग आधारित भी देखा गया है। शोध में बताया गया है कि पुरुष कर्मचारियों की तुलना में महिला कर्मियों में इसका जोखिम अधिक देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरफ सभी लोगों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर कर्मचारियों का मन ही स्वस्थ नहीं होगा तो इसका सीधा असर उनकी कार्यात्मक उत्पादकता पर हो सकता है। यह उनके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

कॉर्पोरेट कर्मचारियों में खराब मानसिक स्वास्थ्य की समस्या

मार्केट रिसर्च फर्म आईपीएसओएस द्वारा हाल ही में एक सर्वेक्षण किया गया जिसमें ऑफिस में काम करने वाले लोगों के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानने की कोशिश की गई। इसके अनुसार हर 2 में से एक कॉर्पोरेट कर्मचारी खराब मानसिक स्वास्थ्य के उच्च जोखिम में है। सर्वेक्षण में आठ भारतीय शहरों और ई-कॉमर्स, एफएमसीजी सहित 10 क्षेत्रों के 3,000 कॉर्पोरेट कर्मचारियों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण से यह भी पता चला है कि पिछले वर्ष लगभग 10 में से आठ कर्मचारियों ने मानसिक थकान के कारण कम से कम दो सप्ताह के लिए काम छोड़ दिया था। 10 में से नौ कर्मचारियों को लगता है कि उनका वर्क-लाइफ बैलेंस काफी खराब हो गया है।

महिला कर्मचारियों में अधिक जोखिम

सर्वे में पता चला कि महिला कर्मचारियों में पुरुषों की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की समस्या अधिक है। 41 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में 56 प्रतिशत महिलाओं में किसी न किसी प्रकार की समस्या का जोखिम है। इसका मुख्य कारण यह है कि महिला कर्मचारियों को लगता है कि उन्हें अक्सर लैंगिक पूर्वाग्रह और महिलाओं के काम को लेकर रूढ़िवादी सोच का सामना करना पड़ता है।

मनोचिकित्सकों का कहना है, कर्मचारियों में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के कई कारण हो सकते हैं। काम का दबाव, विपरीत परिस्थितियां, जॉब को लेकर अनिश्चितता और समाज में उनके काम को लेकर लोगों में तुलनात्मक भाव होना इसका प्रमुख कारण हो सकता है। अमर उजाला से बातचीत में मनोचिकित्सक डॉ प्रवीण अस्थाना बताते हैं, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज करा रहे कई रोगियों में काउंसिलिंग के दौरान पता चलता है कि भले ही उनका पारिवारिक जीवन उथल-पुथल हो, घर में कोई गंभीर बीमार हो फिर भी उन्हें मजबूरी में काम करना पड़ता है। इस तरह की विपरीत परिस्थितियों में उत्पादकता कम होना स्वाभाविक है, जिसके कारण ऑफिस में उनको लेकर और तनाव बढ़ता है।

बकरीद पर अफगानिस्तान में पसरा सन्नाटा, नहीं खरीद रहा कोई कपड़े; दुकान पड़ी खाली

काबुल, 25 जून (एजेंसियां)। बकरीद पर अफगानिस्तान में सन्नाटा पसरा हुआ है। दर्जी और कपड़ा विक्रेताओं की दुकानें खाली पड़ी हुई है, जिसके कारण वित्तीय स्थिति पर भी प्रभाव पड़ रहा है। अफगान समाचार चैनल टोलो न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी काबुल में बिक्री काफी कम हो रही है। दर्जी और कपड़ा विक्रेताओं ने अपनी परेशानी व्यक्त करते हुए कहा कि काबुल में आर्थिक चुनौतियों और बेरोजगारी के कारण उनके काम पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। अफगानिस्तान में लगभग 35 सालों से एक दर्जी की दुकान पर काम कर रहे बुरहानुल्लाह बताते है कि वह अपने परिवार में कमाने वाले एकमात्र शख्स है। देश की आर्थिक चुनौतियों को वह अपनी बिक्री कम होने का कारण बताते हैं। बुरहान ने कहा कि पिछले साल की तुलना में काम में बदलाव आया है। ज्यादातर अफगानी कपड़े ही इस्तेमाल होते हैं।।लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। एक अन्य दर्जी जमालुद्दीन ने कहा कि पहले हमारे पास बहुत काम था और बहुत सारे ग्राहक थे, लेकिन अभी हमारे अधिकांश ग्राहक देश से बाहर चले गए हैं। इस बीच, काबुल के दूसरे कोने में भी कुछ कपड़े और कपड़े बेचने वाले खराब हालात को लेकर चिंतित हैं। कपड़े बेचने वाले अब्दुल फतह ने कहा, हमारा काम अच्छा नहीं है क्योंकि लोग इन दिनों खरीदारी में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। टोलो के अनुसार, कपड़ा विक्रेता अब्दुल फहीम ने कहा, पहले लोगों के पास काम और नौकरियां थीं और उनके पास पैसे थे और वे अपने परिवारों के साथ खरीदारी के लिए आते थे।

पूनिया बोले- महिला सुरक्षा पर विफल गहलोत सरकार

खाजूवाला की घटना 'सरकार के माथे पर कलंक'; लीपापोती में लगे मंत्री-विधायक

बीकानेर, 25 जून (एजेंसियां)। बीकानेर के खाजूवाला में दलित महिला के साथ गैंगरेप और हत्या के मामले में भाजपा के उप नेता प्रतिपक्ष और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने गहलोत सरकार पर हमला बोला है। बीकानेर में मीडिया से बातचीत करते हुए पूनिया ने कहा कि ये सरकार के माथे पर कलंक है लेकिन मुख्यमंत्री, विधायक और मंत्री तक इस मामले में लीपापोती करने में लगे हैं।

भाजपा प्रबुद्ध सम्मेलन में हिस्सा लेने आए पूनिया ने कहा कि नेशनल क्राइम रिपोर्ट में भी राजस्थान में बढ़ते रेप के मामलों पर चिंता जताई गई है। ना सिर्फ खाजूवाला बल्कि राजस्थान के लगभग हर जिले में अपराधों में बढ़ोतरी हुई है। डूंगरपुर में भी ऐसी ही घटनाएं हुई। पूनिया ने कहा कि सरकार रिपीट करने की बात मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसी है। इस कार्यकाल में कांग्रेस ने जिस तरह से प्रदेश में काम किया है, उससे हर कोई नाराज नजर आ रहा है। महिलाओं को सुरक्षा देने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। इसी कारण लोगों में सत्ता के प्रति आक्रोश है। इस बार कांग्रेस डिलीट होने वाली है।

भाजपा में नए लोगों को मौका

पूनिया ने कहा कि भाजपा हमेशा नए लोगों को मौका देती है। इस बार भी पार्टी नए लोगों को अवसर देने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वहीं विधानसभा चुनाव से पहले संगठन स्तर पर कई सामान्य परिवर्तन हो सकते हैं। संगठनात्मक बदलाव भी जल्द ही देखने को मिल सकते हैं।

भाजपा प्रबुद्ध सम्मेलन

बीकानेर के रविंद्र रंगमंच पर भाजपा का प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित हो रहा है। इस सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ स्थानीय प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में पूनिया के अलावा रतनगढ़ विधायक अभिनेष महर्षि और प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी भी शामिल हुए हैं।

भाजपा की नई टीम का जल्द होगा ऐलान

प्रदेश संगठन में 30 प्रतिशत सर्जरी की तैयारी, अच्छे काम पर प्रमोशन पॉलिसी भी

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। चुनावी तैयारियों में चल रही भाजपा ने प्रदेश संगठन में करीब 30 से 35 प्रतिशत चेहरे बदलने जा रही है। संगठन में नए चेहरों को मौका देने की कवायद के बीच दिल्ली से इसके लिए अप्रूवल मांगी गई है।

उधर पार्टी सूत्रों का कहना है कि दिल्ली के शीर्ष संगठन ने इस संबंध में अप्रवूल देने की दिशा में काम शुरु कर दिया है है। ऐसे में किसी भी समय भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में नए चेहरों को जिम्मेदारी का एलान फेजवार हो सकता है।

मार्च में सीपी जोशी की प्रदेशाध्यक्ष पद पर नियुक्ति के बाद से ही प्रदेश संगठन में चेहरे बदलने की दिशा में चर्चा शुरु हो गई थी।

जिस पर अब मुहर लगने वाली है। गौरतलब है कि निचले स्तर पर अच्छा काम करने वाले कार्यकर्ता या पदाधिकारियों को प्रमोशन पॉलिसी के तहत भी संगठन में नई जिम्मेवारी दी जाएगी। उधर चुनाव लड़ने के इच्छुक पदाधिकारी भी संगठन छोड़कर मैदान में दिख सकते हैं।

बदल सकते हैं 35 प्रतिशत चेहरे

ये होते हैं प्रदेश संगठन में अहम पद

प्रदेशाध्यक्ष व संगठन महामंत्री के अलावा भाजपा प्रदेश संगठन में 8 उपाध्यक्ष, 4 महामंत्री, 10 प्रदेश मंत्री, 1 -1 कोषाध्यक्ष, कार्यालय मंत्री पद हैं। 7 प्रमुख मोर्चे हैं, जिनकी कार्यकारिणी होती। करीब 16 प्रकोष्ठ, एक दर्जन विभाग हैं। मोर्चों और जिला कार्यकारिणी भी होती है।

जातिगत समीकरण साधते हुए काम

भाजपा ने चुनावों के मद्देनजर जातिगत समीकरण साधते हुए प्रदेश में और मोर्चों में चहरे लाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सबसे अहम माने जाने वाले भाजपा युवा मोर्चा में प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए ओबीसी चेहरे को प्राथमिकता दी जा रही है। समाजों से जुड़ी सोशल इंजीनियरिंग के आधार पर चेंज किए जा रहे है।

कौनसी टीम पहले घोषित की जाएगी

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का दूसरा कार्यकाल है। ऐसे में केंद्रीय स्तर पर भी टीम का ऐलान होना है। चूंकि राजस्थान में चुनाव हैं। ऐसे में केंद्रीय संगठन में प्रदेश के नेताओं को महत्व मिल सकता है। सीपी जोशी को भी टीम घोषित करनी है। पार्टी के अंदर चर्चा ये भी है कि पहले सीपी जोशी की टीम घोषित होगी या नड्डा की।

भाजपा की वर्तमान टीम अच्छा काम कर रही है। चूंकि विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, ऐसे में ज्यादा बदलाव नहीं किए जाएंगे। हां, थोड़े बहुत बदलाव होना लाजमी है।

अलसुबह बदमाशों के घर पहुंचकर पुलिस ने दी दबिश

जिलेभर में अपराधियों के खिलाफ चलाया धरपकड़ अभियान

उदयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। उदयपुर में पुलिस का अपराधियों के खिलाफ धरपकड़ अभियान जारी है। रविवार को सुबह पुलिस ने फिर से अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए कार्रवाई की। एसपी भुवन भूषण यादव, एडिशनल एसपी मंजित सिंह और सीओ चांदमल के निर्देशन में पुलिस की टीम अलसुबह कार्रवाई करने पहुंची।

पुलिस ने धानमंडी और सुखेर थाना क्षेत्र में सुबह ही अपराधियों के घर पहुंचकर दबिश दी। पुलिस ने धानमंडी थाना क्षेत्र से 4 और सुखेर थाना क्षेत्र से 1 आरोपी को डिटेन किया है। जिनसे पूछताछ जारी है। एसपी भूषण ने बताया कि इस तरह से सुबह सुबह अचानक पुलिस रेड से अपराधियों में डर बना रहता है पुलिस सक्रिय है जिससे अपराधो में कमी आती है।

एसपी भूषण ने कहा आने वाले समय भी इस तरह से जिले लेवल की कार्यवाही को अंजाम दिया जाएगा। वहीं चुनावो के नजदीक आने के साथ यह कार्यवाही सर्कल स्तर पर की जाएगी।

दिनदहाड़े महिला बिजनेसमैन पर ताबड़तोड़ फायरिंग, मौत

17 साल का बेटा बाल-बाल बचा; बाइक सवार 2 बदमाशों ने मारी गोली

नदबई, 25 जून (एजेंसियां)। स्कूटी सवार महिला की सरेआम हत्या कर दी गई। वह अपने 17 साल के बेटे के साथ स्कूटी से जा रही थी। रास्ते में 2 बाइक सवार बदमाशों ने पीछे से ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। मौके पर ही महिला ने दम तोड़ दिया। मामला भरतपुर जिले के नदबई का है।

कंधे और कमर के नीचे लगी गोली

नदबई थाना इंचार्ज श्रवण पाठक ने बताया कि वारदात शनिवार शाम करीब पौने पांच बजे कासगंज रोड स्थित मंदिर के पास हुई। कासगंज रोड रहने वाली सुधा चौधरी (36) अपने बेटे के साथ स्कूटी पर थी। स्कूटी बेटा चला रहा था। सुधा पीछे बैठी थीं। इस दौरान सामने से बाइक पर दो युवक आए। स्कूटी पास से निकलते ही युवकों ने सुधा पर फायरिंग कर दी। एक गोली कंधे से होती हुई हार्ट तक पहुंच गई। दूसरी गोली कमर से नीचे लगी है।

बेटा बोला- दोनों के पास कट्टे थे

स्कूटी चला रहे सुधा के बेटे अनुराग (17) ने बताया कि मां रोजाना भरतपुर स्थित ऑक्सीजन गैस प्लांट पर जाती थीं। शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे वाली बस से नदबई लौटीं। मां ने मुझे फोन कर दिया था। मैं उन्हें लेने गया था। लौटते वक्त कुछ सामान खरीदा। लुहारन के पास सामने से बाइक पर दो युवक आए। दोनों ने दो कट्टे लेकर बिल्कुल साइड में फायरिंग की और भाग गए। लुहारन के पास पप्पू का रेस्टोरेंट है, वहीं वारदात हुई।

सुधा चौधरी का भरतपुर में पार्टनरशिप में ऑक्सीजन गैस का प्लांट है। सुधा रोजाना बस से प्लांट पर आया-जाया करती थीं। सफेद कपड़ों में आए 2 बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया।

पति सीआरपीएफ में थे, एक साल पहले निधन

सुधा के पति पुष्पेंद्र सीआरपीएफ में थे। एक साल पहले निधन हो चुका है। उधर, वारदात के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। सुधा को नदबई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

नदबई थाना इंचार्ज श्रवण पाठक ने कहा कि प्रॉपर्टी विवाद में हत्या की गई है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नदबई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

पुलिस की फायरिंग में बदमाश के घुटने में लगी गोली

डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में कराया भर्ती, भारी पुलिस जाब्ता तैनात

चूरू, 25 जून (एजेंसियां)। चूरू जिले की राजगढ़ तहसील के मांगला जोहड़ी के पास पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए बदमाश को कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार रात को डीबी अस्पताल लाया गया। आरोपी उत्तरप्रदेश के बनथला निवासी लख्मी उर्फ लखमीचन्द कश्यप (35) के दोनों पैरों में घुटनों पर गोली लगी है। डॉक्टरों ने आरोपी का एक्स-रे आदि जांच करवाई गई है, जिसके बाद उसका इमरजेंसी वार्ड में इलाज शुरू किया जाएगा। एसपी राजेश कुमार मीना ने बताया कि जिले की राजगढ़ तहसील के गांव इंदासर में शुक्रवार देर रात आरोपी लख्मी उर्फ लखमीचंद ने अपने 5 साथियों के साथ गोठया बड़ी के सरपंच सुनील गोस्वामी के घर में डकैती की थी। इस दौरान सरपंच के बेटे पुनीत ने एक आरोपी को पकड़ लिया था, लेकिन बदमाश के साथी ने उसके कंधे पर गोली मार दी थी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से 5 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लख्मी उर्फ लखमीचंद का राजगढ़ थाने के सीआई सुभाष चंद्र और उनकी टीम ने पीछा किया गया।

मांगला जोहड़ी के पास आरोपी ने भागने और पुलिस को डराने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली मारी और उसको पकड़ लिया।

बोलेरो 60 फीट गहरे कुएं में गिरी, एक की मौत

बुआ को मंदिर छोड़कर आ रहे थे भाई; रेस्क्यू के लिए सैकड़ों लीटर पानी निकाला

भवानी मंडी, 25 जून (एजेंसियां)। बिना मुंडेर (बाउंड्री) के कुएं में एक तेज रफ्तार बोलेरो गिर गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया।

बोलेरो सवार दोनों युवक अपनी बीमार बुआ को मंदिर में छोड़कर आ रहे थे, लेकिन रास्ते में बोलेरो अनियंत्रित होकर कुएं में गिर गई। मामला झालावाड़ जिले के भवानीमंडी इलाके का है।

बुआ को इलाज के लिए छोड़ कर आए थे मंदिर

जानकारी के अनुसार रायपुर थाना क्षेत्र के रूपा खेड़ी गांव निवासी परमेश्वर (22) पुत्र संपत राय गुर्जर और कोटड़ा गांव निवासी भोलाराम (24) पुत्र देवीलाल गुर्जर शनिवार रात को अपनी बुआ को मंदिर में छोड़ने गए थे। बुआ को मंदिर में छोड़ने के बाद घर के लिए रवाना हुए।

रात करीब 10 बजे मध्य प्रदेश को जोड़ने वाले स्टेट हाईवे-127 पर कांदल खेड़ी के पास उनकी बोलेरो अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरी।

हादसे के बाद आसपास के लोग कुएं की तरफ दौड़े, लेकिन तक तक गाड़ी पूरी पानी में डूब चुकी थी। लोगों ने बोलेरो सवार भोलाराम को रस्सियों से बाहर निकाला और भवानीमंडी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर हालत में कोटा रेफर कर दिया गया। परमेश्वर गाड़ी में फंस गया था, जिसके कारण उसको बाहर नहीं निकाला जा सका और उसकी मौत हो गई।

ग्रामीणों ने मोटर चलाकर कुएं का पानी निकाला

हादसे के बाद सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन मंगवाकर गाड़ी को बाहर निकालने की बहुत कोशिश की, लेकिन कुएं में पानी ज्यादा होने की वजह से गाड़ी और उसमें फंसे परमेश्वर को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

इस दौरान ग्रामीणों ने पानी की मोटर लगाकर कुएं से पानी निकाला। सुबह 5 बजे पानी कम होने के बाद क्रेन की मदद से बोलेरो को बाहर निकाला जा सका। इसके बाद पुलिस ने परमेश्वर के शव को बाहर निकाला और मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर किया है और जांच में जुटी है।

मुख्यमंत्री गहलोत के भाई पर भ्रष्टाचार के आरोप

पीयूष गोयल बोले, जो अपने विधायकों को भ्रष्ट बताता हो, ऐसी सरकार को जनता रिपीट करने की गलती नहीं करेगी

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भ्रष्ट बताकर उन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को ऐसा भ्रष्ट मुख्यमंत्री नहीं चाहिए। जिसके भाई पर आरोप लगे हो कि जिस फर्टिलाइजर को किसानों के पास जाना चाहिए था। उसे वह कहीं ओर डायवर्ट कर रहा हो। शायद देश के बाहर भी भेजने की कोशिश की हो।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस सरकार में मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायकों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। मुख्यमंत्री खुद अपने विधायको पर पहले भ्रष्टाचार के आरोप लगाते है। उनको कहते है कि मैं बोलूंगा कि आप चोरी करते हो। फिर उन्हीं विधायकों को मंत्री बनाकर खज़ाने की चाबी ही दे देते हैं। मतलब अब आप बाहर नहीं, आप अंदर आकर ही चोरी करो। प्रदेश की जनता 2023 में ऐसी सरकार को रिपीट नहीं करेगी। जिसने राजस्थान को विकास से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस की सरकार 21 का आंकड़ा भी नहीं छू पाएगी।

पीयूष गोयल ने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि राजस्थान की जनता अशोक गहलोत की भ्रष्ट व प्रदेश को विकास से वंचित रखने वाली सरकार को फिर से लाने की गलती करेगी। उन्होंने कहा कि इस सरकार को तो जितना जल्दी आप समुद्र में डालोगे, उतना जल्दी राजस्थान का विकास शुरू होगा। उन्होंने कह कि मुझे पूरा विश्वास है कि 2023 और 2024 में भी भाजपा को राजस्थान की जनता का आशीर्वाद मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल आज मानसरोवर में मॉर्डन स्कूल में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान बीजेपी द्वारा आपातकाल पर तैयार डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

पीयूष गोयल ने कहा कि इंदिरा गांधी ने 48 साल पहले आपातकाल लगाया। लेकिन आज भी गांधी परिवार व कांग्रेस की विचारधारा में किसी तरह का परिवर्तन नहीं आया हैं। आज भी इनकी सोच उसी तरह की हैं। उन्होंने कहा कि मानहानि के मामलें में मजिस्ट्रेट ने बार-बार राहुल गांधी को कहा कि आपने एक समाज का अपमान किया है। आप माफी मांग लें। जिससे विषय समाप्त हो सके। लेकिन उनकी विचारधारा ही ऐसी है कि वो किसी का सम्मान कर ही नहीं सकते हैं। गांधी परिवार की ऐंठ ऐसी है कि वो अवमानना करेंगे। अपमान भी करेंगे। इसी सोच के चलते कोर्ट को फैसला सुनाना पड़ा। उन्होंने आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा कि आपातकाल के समय जो विचारधारा कांग्रेस की थी। वो आगे भी जारी रही। स्थिति ऐसी थी कि एक बार किशोर कुमार ने आपातकाल का गुणगान करने वाले कार्यक्रम में शामिल होने से मना कर दिया था। तो उस समय की कांग्रेस सरकार ने किशोर कुमार के गाने ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन पर भी बैन कर दिए। आज भी कांग्रेस की मानसिकता में कोई बदलाव नहीं हुआ हैं। उन्होंने कहा कि उस समय देश में आपातकाल को खत्म कराने का श्रेय जस्टिस केके थोमस से ने आरएसएस को दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर देश में आपातकाल खत्म हो सका तो इसका श्रेय केवल और केवल आरएसएस को दिया जाना चाहिए।

पीयूष गोयल ने सीएम अशोक गहलोत के अघोषित आपातकाल के बयान को लेकर कहा कि किसी के कुछ भी कहने से जनता विश्वास नहीं करती हैं। उस समय तो सभी चुनाव बैन कर दिए गए थे। आज सभी चुनाव समय पर हो रहे है। सभी संवैधानिक संस्थाएं चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट अपना काम कर रही हैं। सभी संस्थाओं को फ्रीडम है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक करीब 41 घटनाएं ऐसी है। जब राज्य की सरकारों को बिना कारण बताए असंवैधानिक तरीके से बर्खास्त किया गया हो। राजस्थान में दो बार 16 फरवरी 1980 और 15 दिसम्बर 1992 में भैरों सिंह शेखावत की सरकार को इन लोगों ने बहुमत होते हुए भी बर्खास्त किया।

रुपयों से भरा एटीएम उखाड़ने वाले बदमाश गिरफ्तार

32 लाख निकाले; 12 लाख का ट्रक खरीदा, लूट के लिए चुराई बोलेरो भी बरामद

बाड़मेर, 25 जून (एजेंसियां)।,

बाड़मेर जिले की नागाणा पुलिस ने एक साल पहले 38 लाख रुपए से भरे एटीएम लूटने वाले मुख्य आरोपी सहित तीन अन्य बदमाशों को गिरफ्तार किया है। साथ ही लूट के रुपयों से खरीदा ट्रक भी जब्त किया है। पुलिस आरोपी से लूट के रुपयों बरामदगी के प्रयास में जुटी है। दरअसल, पुलिस ने 14 दिन पहले लूट का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। वहीं लूट के उपयोग में चुराई बोलेरो गाड़ी को भी बरामद कर लिया था।

दरअसल, विक्रमसिंह चौहान निवासी गुलाब सागर बच्चे का मैदान जोधपुर ने 15 जून 2022 को रिपोर्ट दी थी। जिसमें उसने बताया था कि वह ट्रांसेशन इंटरनेशनल कंपनी जयपुर में कार्यरत है। उसकी कंपनी ने भारतीय स्टेट बैंक एटीएम लगवाने का काम ले रखा है। कंपनी बाड़मेर के कवास में एसबीआई बैंक की शाखा के नीचे लगे एटीएम को संचालित करती है। रात को बदमाश 38 लाख 31 हजार 5 सौ रुपए से भरी एटीएम मशीन उठा कर ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए मामला की जांच शुरू की।

सड़क हादसे में कार सवार 3 लोगों की मौत

आरएचपी की रैली में शामिल होने जा रहे कार्यकर्ताओं की स्कॉर्पियो कार से भिड़ी, 10 घायल

बाड़मेर, 25 जून (एजेंसियां)। आरएचपी की रैली में शामिल होने जा रहे कार्यकर्ताओं की स्कॉर्पियो सामने से आ रही कार से जा भिड़ी। कार सवार 3 लोगों की मौत हो गई। 8 कार्यकर्ताओं सहित 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी को डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल रेफर किया गया है। हादसा बाड़मेर स्थित नेशनल हाईवे-68 पर शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे हुआ।

बालोतरा एएसपी सुभाष खोजा ने बताया- एक कार गुजरात से बाड़मेर की तरफ नेशनल हाईवे 68 पर जा रही थी। इसमें गुजरात के कुछ लोग सवार थे। स्कार्पियों बाड़मेर से धोरीमन्ना की तरफ जा रही थी। मांगता गांव के पास ओवरटेक करने के दौरान स्कार्पियों सामने से आ रही कार से भिड़ गई। इससे कार में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। कार सवार 2 लोग घायल हुए हैं। मृतकों की शिनाख्त नहीं हुई है। कार में कुल 5 लोग सवार थे। स्कॉर्पियो में कुल 8 कार्यकर्ता सवार थे। सभी घायल हो गए हैं।

घटना की जानकारी मिलने पर धोरीमन्ना थाने के एएसआई लाखाराम व बालोतरा एएसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने एंबुलेंस व प्राइवेट गाड़ी की मदद से सभी को धोरीमन्ना हॉस्पिटल पहुंचाया। डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दस गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल रेफर कर दिया है।

बालोतरा एएसपी सुभाष खोजा ने बताया- ब्लैक स्कार्पियों व कार के बीच टक्कर हुई है। प्रारंभिक जानकारी मिली है कि आरएचपी की रैली में शामिल होने स्कॉर्पियो से 8 कार्यकर्ता जा रहे थे।

स्कॉर्पियो सवार रामाराम पुत्र रेखाराम, भैराराम पुत्र लाभूराम, जोगाराम पुत्र अर्जुनराम, दुर्गाराम पुत्र भैराराम झाख मौखाब, अशोक पुत्र हीराराम, मनोहर पुत्र चिमाराम और दौलतराम पुत्र लाधुराम घायल हुए हैं। सभी को बाड़मेर के आसपास के रहने वाले हैंष। वहीं, कार में सवार उदय पुत्र रमेश भाई निवासी मेहसाणा गुजरात, हिमानशु पु देवेंद्र भाई निवासी मेहसाणा गुजरात और प्रशांत कुमार पु कमलेश निवासी बी-121 फेस-2 नई दिल्ली इन तीनों को सांचोर रेफर कर दिया गया है।

वार्ड में लगे मोबाइल टावर हटाने की मांग

लोग बोले- रेडिएशन से 10 लोग कैंसर पीड़ित, 4 की हो चुकी मौत

सीकर, 25 जून (एजेंसियां)। सीकर शहर के वार्ड नंबर 38 में लगे दो मोबाइल टॉवर को हटाने की मांग को लेकर आज वार्डवासी नगर परिषद सभापति जीवण खां के आवास पर पहुंचे। जिन्होंने जल्द से जल्द टावर हटाने की मांग की है।

वार्ड नंबर 38 निवासी निजामुद्दीन जाटू ने बताया कि वार्ड नंबर 38 सीकर शहर की बड़ी कॉलोनी है। जहां सभी मकान एक दूसरे से सटे हुए हैं। पिछले करीब 22 सालों से यहां 2 बड़े मोबाइल टावर लगे हुए हैं। जिनकी हाइट करीब 200 फीट है। जब यह मोबाइल टावर लग रहे थे उस दौरान मोहल्ले वासियों को बहला-फुसलाकर टावर लगा दिए गए लेकिन कई बार शिकायत करने के बावजूद भी इन्हें नहीं हटाया गया। लेकिन अब लगातार टावर के रेडिएशन से कॉलोनी वासी डरे हुए हैं। इलाके में अब तक करीब 10 लोग कैंसर पीड़ित हो चुके हैं। जिनमें से चार लोगों की मौत भी हो चुकी है। वहीं अब बारिश के मौसम में टावर गिरने का खतरा भी बना रहता है। हाल ही में नागौर में भी शहरी आबादी में इसी तरह का एक हादसा भी हुआ था।

वहीं मामले में सभापति नगर परिषद सीकर जीवण खां का कहना है कि पहले परमिशन नगर परिषद देती थी। लेकिन अब यह शायद जयपुर से ली जाती है।

यह हमारा स्वागत नहीं गुरु दृष्टि का स्वागत है : साध्वी डॉ.मंगल प्रज्ञा

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद तेरापंथ भवन, डी वी कॉलोनी में युगप्रधान महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमण जी के निर्देशानुसार साध्वी मंगलप्रज्ञाजी ने अपनी सहवर्तीनी साध्वियों के साथ तेरापंथ भवन प्रांगण में चातुर्मासार्थ भव्य मंगल प्रवेश किया। मंगल प्रवेश पर आयोजित शुभकामनाएं एवं अभिनंदन समारोह में अपने मंगल उद्बोधन में साध्वीश्री मंगलप्रज्ञाजी ने कहा - आज मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। गुरु निर्देश के अनुसार चातुर्मास प्रवेश हो गया है। यह स्वागत हमारा नहीं गुरुकृपा का स्वागत है। तेरापंथी मर्यादा और अनुशासन का स्वागत है। यह स्वागत गुरु दृष्टि का स्वागत है। सौभाग्य से हमें जैन शासन और भिक्षु शासन प्राप्त हुआ है। वर्तमान में परम पावन आचार्य श्री महाश्रमण जी के सानिध्य में हम साधना और आत्मोत्थान कर रहे हैं। आज का प्रवेश अध्यात्म, मैत्री, अनुशासन और मर्यादा का प्रवेश है। संपूर्ण श्रावक समाज पूरी जागरूकता के साथ चातुर्मास का लाभ उठाएं। अध्यात्म का सदैव सूर्योदय होता रहे।

साध्वीश्री ने आगे कहा जीवन में सारी सुविधाएं प्राप्त है, पर सच्चाई का अनुभव करें सब कुछ साथ नहीं जाने वाला है। हमे अध्यात्म प्रकाश से जीवन को आलोकित करना है और हम अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहे। हमने देखा आज चतुर्मास प्रवेश के भव्य जुलूस में श्रद्धा का ज्वार उठ रहा था। तेरापंथ का हर श्रावक संघ और संघपति के प्रति समर्पित रहे। गुरु आज्ञा का अक्षरक्षः पालन होना चाहिए। श्रावकों की गुरु भक्ति और संघभक्ति देखकर आनंद की अनुभूति हो रही है। श्रद्धा और समर्पण का यह रूप तेरापंथ धर्मसंघ में ही देखने को मिलता है। साध्वीश्री ने कहा-हमने चरेवेति- चरेवेति संकल्प स्वीकार किया और आज लक्षित मंजिल पर पहुंच गए। गुरु भक्ति हर कार्य को सुगम बना देती है। इस चतुर्मास में हम सबको मिलकर अपनी शक्ति का यथार्थ उपयोग करना है। ज्ञान,दर्शन, चरित्र, तप की मंदाकिनी में हर मन को अभिस्नात होना है। साध्वी वृन्द द्वारा "महाश्रमण वन्दे वन्दे" मंगल संगान से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बाबूलालजी बेद ने गुरुदेव द्वारा प्रदत साध्वी श्री डा.मंगलप्रज्ञाजी के चातुर्मास हेतु गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चेन्नई से समागत तमिलनाडु सरकार अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्यारे लालजी पितलिया, तेरापंथ सभा चेन्नई के अध्यक्ष उगमराजजी सांड, आचार्य श्री महाश्रमण जैन तेरापंथ पब्लिक स्कूल के चेयरमैन श्री तनसुख जी नाहर ने चेन्नई में साध्वीश्री के द्वारा दिए गए उपलब्धिपूर्ण चातुर्मास के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की एवं हैदराबाद वासियों को इस चतुर्मास प्राप्ति की बधाई दी। विकास परिषद के सदस्य पदमचंदजी पटावरी, तेलंगाना अल्पसंख्यक आयोग के नवनिर्वाचित सदस्य हिमांशु बापना, श्री जैन सेवा संघ के अध्यक्ष योगेश सिंघवी, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष विरेंद्र घोषाल, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष पंकज संचेती, महिला मंडल अध्यक्ष अनीता गिरिया, ज्ञानशाला आंचलिक प्रभारी संगीता गोलछा एवं दिल्ली जयपुर से समागत साध्वी श्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी के संसार पक्षीय पारिवारिक सदस्यों ने साध्वी श्री अणिमाश्री जी द्वारा प्रदत शुभकामना गीत का संगान किया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के पूर्व सहमंत्री एवं साध्वी मंगलप्रज्ञा जी के संसार पक्षीय अनुज श्री सुरेंद्र जी सेठिया ने साध्वीश्री के प्रति हृदयोगार व्यक्त किया। मुमुक्षु वीनू संकलेचा जैन ने साध्वीश्री की जीवन परिचय प्रस्तुत किया। मार्ग विहार सेवा प्रभारी प्रेम बेंगानी ने अपनी टीम की ओर से साध्वीवृन्द का स्वागत किया। तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ किशोर मंडल, कन्या मंडल के स्वागतम सुस्वागतम गीत के एक स्वर में मधुर संगान ने तेरापंथ भवन प्रांगण को गुंजायमान बना दिया। अनुव्रत समिति अध्यक्ष श्री प्रकाशजी भंडारी ने अपने स्वागत स्वर प्रस्तुत किए। जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष महेंद्रजी भंडारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। लगभग 4 महीने विचरण के दौरान लगभग तेरह सो घरों का हमने स्पर्श किया, पारिवारिक सार संभाल की। आज की उपस्थिति को देखकर हमें अपने श्रम और प्रेरणा की सार्थकता प्रतीत हो रही है। जन-जन की गूंज से एक ही स्वर मुखरित हो रहे थे। आज का अपूर्व दृश्य, स्वागत जुलूस एवं स्वागत समारोह में उमड़ा जन सैलाब पहली बार देखा है। संघीय समस्त संस्थाओं के सदस्यों की सभा में सराहनीय उपस्थिति रही। आगंतुक सभी अतिथियों का तेरापंथ सभा सिकंदराबाद की ओर से सम्मान किया गया। साध्वी सुदर्शनप्रभाजी, साध्वी सिद्धियशाजी, साध्वी राजुलप्रभाजी, साध्वी चैतन्यप्रभाजी एवं साध्वी शौर्यप्रभाजी ने महाश्रमण मेगा एग्जिबिशन की शानदार प्रस्तुति दी। इस मनमोहक प्रस्तुति को संपूर्ण धर्म परिषद ने सराहा। स्वागत समारोह में साध्वी वृन्द के ज्ञातिजनों ने अपनी सहभागिता दर्ज की। कार्यक्रम का कुशल संचालन सभा के सहमंत्री राकेश जी सुराणा एवं पूर्व मंत्री विमल जी पुगलिया ने किया। आभार ज्ञापन सभा के मंत्री सुशील संचेती ने किया। प्रवेश के जुलूस का शुभारंभ नवरत्न अमिता जी महनौत के निवास से हुआ।

नारनौल अग्रवाल समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नारनौल अग्रवाल समिति हैदराबाद सिकंदराबाद की कार्यवाहक कार्यसमिति की बैठक स्नेह मिलन का आयोजन आज बेगम बाजार स्थित संतोष ढाबे में आयोजित किया गया। यह स्नेह मिलन बैठक कार्यवाहक अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ महाराजा श्री अग्रसेन जी तथा नारनौल ग्राम देवी मां चामुंडा की वंदना से हुआ। तत्पश्चात गत आम सभा के निर्देश तथा सदस्यों से चर्चा करने के बाद वर्ष 2023 2025 के कार्यकाल हेतु पांच पदाधिकारी तथा 11 कार्यकारिणी सदस्य की टीम बनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। सदस्यों ने स्वेच्छा से समाज सेवा के लिए अपने नामांकन पत्र कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रधान) पंकज कुमार अग्रवाल को दिए । बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए आगामी 2 जुलाई रविवार को मध्यान्ह 4:00 से 8:00 बजे तक श्री हरि भक्त भजन मंडल, घांसी बाजार की मंडली द्वारा भजन संकीर्तन करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में नारनौल अग्रवाल समिति के जरूरतमंद सदस्यों के स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों के लिए सहायता राशि भी उपलब्ध करवाने पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित पंकज कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, विशाल बंसल, तरुण कुमार अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, मनोज मित्तल, रोहित अग्रवाल, जितेंद्र जैन, अनु अग्रवाल, अनिल दादू व अन्य लोगों ने आगामी 2 जुलाई को नारनौल सदन मिट्टी का शेर चार कमान में आयोजित होने वाले भजन संकीर्तन में नारनौल अग्रवाल समिति के सभी सदस्यों को सहपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया।

जम्मू-कश्मीर के एनएच-44 पर लगे हाई रेजोल्यूशन ड्रोन कैमरे

अमरनाथ यात्रा में 24X7 रखी जाएगी निगरानी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर के नेशनल हाइवे-44 (एनएच-44) पर 24 घंटे निगरानी के लिए हाई रेजोल्यूशन ड्रोन कैमरा और जैमर के साथ रिमोट कंट्रोल्ड इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आरसीआईईडी) लगाए गए हैं। अमरनाथ यात्रा के सुचारु संचालन के लिए नेशनल हाईवे और इससे लिंक होने वाली सड़को पर ये कैमरे लगाए गए हैं, ताकि 24X7 नजर रखी जा सके।

सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) ने एक बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षित और व्यवस्थित प्रगति सुनिश्चित करने के लिए एक हाई-टेक प्रणाली लगाई गई है। फोर्स ने कहा कि हाई रिजॉल्यूशन कैमरों से लैस ये अत्याधुनिक ड्रोन नेशनल हाईवे और उससे जुड़े मार्गों की निगरानी कर रहे हैं। सीआरपीएफ ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए यह कदम उठाए गए हैं।

सीआरपीएफ के सूत्रों के अनुसार, 137वीं बटालियन 2023 में आगामी पवित्र अमरनाथ यात्रा को घटना मुक्त और इसके सुचारु संचालन के लिए पूरी तरह से तैयार है। 1 जुलाई से 62वीं अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है, जो पहलगाम में नुनवान और मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में बालटाल के प्राचीन रास्तों से शुरू होगी।

वहीं, जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग समेत कई इलाकों का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वह सुरक्षा उपायों का जायजा लेने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ लांबर-बनिहाल, रामसू, रामबन और चंद्रकोट गए। हिमालय पर 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर का दर्शन करने के लिए पहले जत्था 30 जून को जम्मू के भगवती नगर के आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना होगा। एडीजीपी ने सीआरपीएफ और सेना के अधिकारियों के साथ भी बातचीत की और रास्ते में तैनात कर्मियों को प्रदान किए जाने वाले साजो-सामान के बारे में पूछताछ की।

इसामिया बाजार में नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के तत्वाधान में नारायण सेवा केन्द्र हैदराबाद में आयोजित शिविर में निःशुल्क व्हील चेयर का वितरण किया गया। शिविर में अवकाश प्राप्त एएसपी अशोक सिंह, लक्ष्मीकांत सिंहा, रूक्मणी सिंह, निशा सिंह, आश्रम प्रभारी महेन्द्र सिंह रावत उपस्थित रहे।

हैदराबाद के कुशाईगुडा चकरीपुरम स्थित स्व. नवलारामजी लचेटा की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए सजाराम, भीकाराम, भोलाराम लचेटा, सुनिल, सोहनलाल, मदनलाल, रमेश, दिनेश, सुरेश, दीपक लचेटा व अन्य।

गुरु के बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए : नरेंद्र महाराज

मदनूर, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जगतगुरु श्री नरेंद्र स्वामी जी का आगमन जुक्कल मंडल बांगरपल्ली दोसपल्ली संस्थान उपपीठ में हुआ। आनत श्री विभूषित जगत गुरु रामानदा चार्य जगतगुरु श्री नरेंद्र स्वामी महाराज दक्षिण पीठ नानिज धाम महाराष्ट 24 व 25 जून दो दिनों में स्वामी जी भक्तो के साथ समस्या व मार्गदर्शन में भाग लिया। अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु रामानंद आचार्य स्वामी नरेंद्र चार्य महाराज के समस्या मार्गदर्शन एवं दर्शन कार्यक्रम के दौरान स्वामीजी ने भक्तों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर स्वामी जी ने भक्तों को "गुरु सेवा" और "गुरु भक्ति" के बारे में बताते हुए कहा कि आप सभी गुरु के बताये हुए मार्ग पर चलकर गुरु भक्ति प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार, भक्तों को मार्ग दर्शन के हिस्से के रूप में, आप सभी को इस संदेश का पालन करने की सलाह दी आपको जीवन में और दूसरों को जीने और जीवन में चलने में मदद करनी चाहिए। जुक्कल मंडल में स्वामीजी के दर्शन के दूसरे दिन भी हजारों श्रद्धालु पहुंचे। स्वामीजी के "संसार मार्गदर्शनु एवं दर्शन समारोह कार्यक्रम" के लिए दूसरे दिन भी सुबह चार बजे से हजारों की संख्या में श्रद्धालु दोस्त पल्ली और बंगुरापल्ली स्थित तेलंगाना उपपीठ में एकत्र हुए। रविवार को स्वामी जी ने सुबह सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया और मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर जगद्गुरु श्री स्वामी नरेंद्राचार्य जी महाराज ने सभी भक्तों का मार्गदर्शन किया और कहा कि प्रत्येक भक्त को दिन के 24 घंटों में से कम से कम 10 मिनट भक्ति में भाग लेना चाहिए और सोते समय भी दूसरों के बारे में बुरा विचार नहीं सोचना चाहिए।

बंगाल में दो मालगाड़ी टकराईं, 12 डिब्बे बेपटरी

सेफ्टी अफसर बोले- सिग्नल की गड़बड़ी रही होगी

बालासोर हादसे के 22 दिन बाद दूसरी ट्रेन दुर्घटना

बांकुड़ा, 25 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में रविवार सुबह दो मालगाड़ियों की टक्कर में 12 डिब्बे पटरी से उतर गए।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, टक्कर की जोरदार आवाज से ओंडा रेलवे स्टेशन के आसपास के लोगों की नींद खुली और वो मौके पर पहुंचे। उन लोगों ने ही मालगाड़ी के लोको पायलटों को सुरक्षित बाहर निकाला।

2 जून को ओडिशा के बालासोर में तीन ट्रेनों की हुई टक्कर के बाद 23 दिनों में यह दूसरा रेल हादसा है। हालांकि इसमें जान माल का बहुत ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

3 घंटे तक आद्रा-खड़गपुर सेक्शन में ट्रेनों की आवाजाही बंद

रेलवे सूत्रों ने बताया कि एक लोको पायलट को हल्की चोट आई है। हादसे के कारण बिजली का ओवरहेड तार टूट जाने की वजह से आद्रा-खड़गपुर सेक्शन में ट्रेनों की आवाजाही करीब 3 घंटे तक प्रभावित रही।

मालगाड़ी ने दूसरी ट्रेन को पीछे से मारी टक्कर

मौके पर पहुंचे दक्षिण पूर्व रेलवे के डिवीजनल सेफ्टी ऑफिसर दिवाकर माझी ने पत्रकारों को बताया, ओंडा रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी पहले से खड़ी थी। पीछे से आने वाली दूसरी मालगाड़ी ने उसमें टक्कर मार दी। आखिर यह हादसा कैसे हुआ, यह तो जांच के बाद ही पता चल सकेगा। शायद सिग्नल की गड़बड़ी रही होगी।

रेलवे के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि ओंडा स्टेशन के लूप लाइन पर बांकुड़ा से विष्णुपुर की ओर जाने वाले एक मालगाड़ी खड़ी थी। इसी रूट पर पीछे से आने वाली दूसरी मालगाड़ी ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे वाली ट्रेन का इंजन पहले वाली मालगाड़ी पर चढ़ गया।

दक्षिण पूर्व रेलवे के सीपीआरओ आदित्य कुमार चौधरी ने बताया कि एक मालगाड़ी लूप लाइन में खड़ी थी और दूसरी ट्रेन को सिग्नल पर रुकना था, लेकिन वह लाल सिग्नल से आगे निकल गई, जिससे हादसा हुआ। मरम्मत का काम सुबह करीब 7.30 बजे पूरा हो गया। हादसे के बाद पहली ट्रेन सुबह करीब 8.30 बजे इस रूट पर चली। अब तक 11 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में भाग लेने का दिया निमंत्रण

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ स्वामी मठ सीतारामबाग में आगामी गुरूवार 20 जुलाई से आयोजित होने वाले श्री शेषावतार श्रीमदाचार्य श्रीमज्जगद्गुरु श्री रामानुजाचार्यजी महाराज कालषड़त्तरसस्त्राब्दि (1006) समारोह श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं अष्टोत्तर शत (108) श्रीमद् भागवत पाठ पारायण ज्ञान यज्ञ मे पधारने का निवेदन किया गया। आज यहाँ श्री जगन्नाथ स्वामी मठ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ती मे बताया गया कि श्री श्री श्री त्रिदण्डी श्रीनिवासा रामानुज व्रतधर जियर स्वामी के पावन सानिध्य मे लव फॉर काऊ फाउण्डेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, श्री जगन्नाथ स्वामी मठ सितारामबाग उत्तराधिकारी श्री अच्युत रामानुजाचार्य, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउण्डेशन के संस्थापक रिद्धीश जागीरदार आदि ने विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओ के पदाधिकारीयो, उद्योगपतियो, गौभक्तो, धर्माविलंबीयो से भेंटकर उन्हे श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं अष्टोत्तर शत (108) श्रीमद् भागवत पाठ पारायण ज्ञान यज्ञ में पधारने का निवेदन किया गया। इसके अंतर्गत भाजपा की वरिष्ठ नेता विजयशांती, गर्ग डिस्ट्रीब्युटर्स के चेयरमेन समाजसेवी प्रकाशचंद्र गर्ग, अमृत युवा सेना के चेयरमैन अमृतकुमार जैन, एमराल्ड स्वीट के संस्थापक विजयरामजी, हिमालय महाराज, बाहेती भवन के संस्थापक नारायणलाल बाहेती, भाजपा नेता सुनील सिरवी, विश्व एक्ता मंच के पदाधिकारीयो एवं अन्य धर्माविलंबीयो से भेंटकर उन्हे भागवत कथा मे पधारने एवं सहयोग करने का निवेदन किया गया। अच्युत रामानुजाचार्य ने कहा कि श्री जगन्नाथ स्वामी मठ सितारामबाग के श्री श्री श्री त्रिदण्डी व्रतधर रामानुज जियर स्वामी के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण मे सर्वजन हिताय के संकल्प के साथ श्रावण अधिक मास के अवसर पर आगामी संवत 2080 शुक्ल पक्ष 2 गुरूवार दि. 20 जुलाई 2023 से शुक्ल पक्ष 10 गुरूवार दि. 28 जुलाई 2023 तक श्री शेषावतार श्रीमदाचार्य श्रीमज्जगद्गुरु श्री रामानुजाचार्यजी महाराज का षड़त्तरसस्त्राब्दि (1006) समारोह श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं अष्टोत्तर शत (108) श्रीमद् भागवत पाठ पारायण ज्ञान यज्ञ का आयोजन श्री लक्ष्मीनारायण भवन, आराम घर चौरस्ता, (रामदेव बाबा मंदिर के पास) भाग्यनगर में होने जा रहा है ।जसमत पटेल ने कहा कि भाग्यनगर की धरा पर आने वाले सुगम अधिक मास में आप अपना समय तन-मन-धन सेलअर्पित कर (भाग लेकर) माँ लक्ष्मी व श्री लक्ष्मीनारायण भगवान को प्रसन्न कर अपने जीवन को आनन्दमय बनाये।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर नियंत्रण पर विशेष ध्यान देना चाहिए : चाहत

कुमरम भीम आसिफाबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अपर कलेक्टर चाहत वाजपेयी ने कहा कि जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु पर नियंत्रण के लिए चिकित्सा अधिकारी विशेष ध्यान दें। शनिवार को जिला केन्द्र स्थित कलक्ट्रेट भवन सभाकक्ष में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मातृ एवं शिशु मृत्यु नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर पर बोलते हुए जिले के अपर समाहर्ता ने कहा कि अधिकारियों को जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु के नियंत्रण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम के कारण सुदूरवर्ती गांवों में गर्भवती महिलाओं को आवागमन में होने वाली कठिनाई के कारण उनके कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा कवर किया जाए। बरसात के मौसम में सड़कें कम होने के कारण जो गांव बाहरी दुनिया से दूर हो जाते हैं, उनके संबंध में सरपंचों और एमपीपी को निर्देश दिया गया है कि वे हर महीने के तीसरे शनिवार को मंडल परिषद विकास अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लें और गांवों का विवरण एकत्र करें। और आवश्यक उपाय करें।मातृ एवं शिशु मृत्यु को रोकने के लिए गर्भवती महिलाओं की नियमित रूप से आवश्यक जांच कराने की सलाह दी जाती है। इस कार्यक्रम में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

तेलंगाना सरकार एपी पुनर्गठन अधिनियम का उल्लंघन कर रही है: टीकेवीडब्ल्यूए

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कोप्पुला वेलामा वेलफेयर एसोसिएशन (टीकेवीडब्ल्यूए) ने आज आरोप लगाया कि राज्य सरकार एपी पुनर्गठन अधिनियम का उल्लंघन कर रही है। इसने आरोप लगाया कि वह जीओ नंबर 3 जारी करके उत्तरी आंध्र बीसी के साथ अन्याय कर रहा है। इसने तेलंगाना के राज्यपाल तमिलिसाई साउंडराजन से इस मुद्दे पर तुरंत हस्तक्षेप करने और उनके साथ न्याय करने का आग्रह किया। शहर में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए तेलंगाना कोप्पुला वेलामा वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पोला लक्ष्मणनायडू ने कहा कि उन्होंने संयुक्त राजधानी हैदराबाद में विभाजन कानून का उल्लंघन करते हुए 26 बीसी जातियों को हटाने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ राज्यपाल के पास शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा जारी जीओ के कारण उत्तरांध्र के बीसी को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई से मुलाकात की और उनसे न्याय करने की अपील की और कहा कि इस मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने हैदराबाद में बसे उत्तरी आंध्र के लगभग 10

जीएचएमसी के जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जयसवाल ने गौलीगुड़ा राममंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन का दुग्ध अभिषेक किया। इस मौके पर राकेश जायसवाल ने दोनों देशों के बीच लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते और दोस्ती के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, अनिल यादव, मयूर कालेकर, रामकृष्ण, रघु, प्रवीण ने भाग लिया।

देश के इतिहास में आपातकाल को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। देश में आपातकाल लगाए जाने के 48 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने उन लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया था। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि मैं उन लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया और देश में लोकतंत्र की भावना को मजबूत करने के लिए काम किया। आपातकाल हमारे देश के इतिहास का कभी ना भूला जा सकने वाला समय है, जो संविधान के मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ है। बता दें कि पीएम मोदी फिलहाल मिस्त्र के दौरे पर हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने भी गांधी परिवार को घेरा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी आपातकाल को याद करते हुए ट्वीट किया है। ट्वीट में नड्डा ने लिखा कि 25 जून 1975 को एक परिवार ने अपने तानाशाही रवैये के कारण देश के महान लोकतंत्र की हत्या की और आपातकाल जैसा कलंक थोपा था। जिसकी निर्दयता ने सैकड़ों वर्षों के विदेशी शासन के अत्याचार को भी पीछे छोड़ दिया। ऐसे कठिन समय में असीम यातनाएं सहकर लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष करने वाले सभी राष्ट्र भक्तों को नमन करता हूं।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आपातकाल के मुद्दे पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 1975 में देश में आपातकाल लागू कर दिया था। कांग्रेस पार्टी ने एक परिवार के लिए देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन किया। देश में संविधान को सस्पेंड करने के विरोध में आज का दिन काले दिन के रूप में मनाया जाता है।

फुटबॉल एसएएफएफ चैंपियनशिप

भारत ने नेपाल को 2-0 से हराया

सेमीफाइनल में जगह बनाई; छेत्री-सिंह ने दागे गोल

बेंगलुरु, 25 जून (एजेंसियां)। भारत ने शनिवार को बेंगलुरु के श्री कांतीरावा स्टेडियम में नेपाल पर 2-0 से जीत के साथ एसएएफएफ चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।कप्तान सुनील छेत्री और महेश सिंह ने 2 गोल दागे। वहीं, नेपाल एक भी गोल नहीं कर सका। इसके साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली।

भारतीय मैनेजर के अंडर खेली टीम

कोच इगोर स्टिमैक को पाकिस्तान के खिलाफ रेड कार्ड मिलने के बाद भारत के असिस्टेंट कोच महेश गावली ने टीम को मैनेज किया। गावली ने शुरूआती प्लेइंग इलेवन में 8 चेंज किए। यंग खिलाड़ी जैसे उदंता सिंह, महेश सिंह, रोहित कुमार, मेहताब सिंह, आकाश मिश्रा और राहुल भेके ने स्टार्ट किया। वहीं, अनुभवी खिलाड़ी जैसे संदेश जिंगान, प्रिथम कोटल, अनवर अली और गोलकीपर अमरिंदर सिंह सभी बेंच पर बैठे रहे।

नेपाल ने शुरुआत में अच्छा गेम खेला

नेपाल ने शुरुआत में शानदार गेम खेला। कुछ शॉट्स भी लगाए, लेकिन, एक भी गोल नहीं कर सके। इसके बाद थ्रो इस पर भी मौका मिला, लेकिन कुछ हो नहीं सका।

छेत्री ने लगाया 91वां इंटरनेशनल गोल

घंटे भर के ठीक बाद 61वें मिनट में सुनील छेत्री के 91वें इंटरनेशनल गोल की बदौलत भारत दिलाई। लेफ्ट साइड से शानदार क्रॉस को छेत्री ने लिया और डिफेंडर को छकाते हुए अंदर पहुंचा दिया।

सिंह ने दोगुनी की लीड

महेश सिंह ने 70वें मिनट में भारत की बढ़त दोगुनी कर दी, जब छेत्री ने बॉक्स के अंदर एक डिफेंडर को छकाया, लेकिन शॉट नहीं लग सका। उनके एटेम्पट को गोलकीपर ने रोक दिया, लेकिन बॉल क्रॉसबार से बाहर आ गई और महेश अपने सिर से गेंद को अंदर डालने के लिए सही जगह पर थे।

छले मैच में भारत के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन का सामना करने के बाद, पाकिस्तान बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा था। हालांकि, उन्हें कुवैत ने हरा कर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। कुवैत ने नेपाल के खिलाफ ग्रुप ए के अपने पहले मुकाबले में पहले ही 3-1 से जीत हासिल कर ली थी।

टेबल टॉप पर कुवैत

ग्रुप ए पॉइंट्स टेबल में कुवैत 6 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। वहीं, 6 पॉइंट्स के साथ ही भारत दूसरे नंबर पर है। पाकिस्तान 0 पॉइंट्स के साथ आखिरी नंबर पर है।

विशेष ओलंपिक: भारतीय खिलाड़ियों का पदक जीतने का सिलसिला जारी

रोल स्केटिंग में तीन स्वर्ण सहित जीते नौ पदक

जूडो, 25 जून (एजेंसियां)। जूडो में भी भारतीय खिलाड़ियों ने पदक जीते। सुहालिया परवीन ने रजत पदक जीता था तो उसके बाद पुरुष लेवल दो वर्ग में प्रिंस सोलंकी ने कांस्य पदक जीता, जबकि महिला लेवल तीन वर्ग में मुस्कान ने स्वर्ण हासिल किया।

बारिश के कारण स्पेशल ओलंपिक के सातवें दिन शुक्रवार को बर्लिन में कई आउटडोर खेल स्थगित करने पड़े। लेकिन इस दौरान, भारतीय खिलाड़ियों का पदक जीतने का सिलसिला जारी और रोलर स्केटिंग में कई पदक अपने नाम किए। रोल स्केटिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने नौ पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत, 1 कांस्य) जीते। निसार (30 मीटर स्लैलम) ने रोल स्केटिंग में स्वर्ण जीता, जबकि दो गुणा 100 मीटर में आर्यन व अभिजीत ने स्वर्ण अपने नाम किए। भारत ने शुक्रवार तक अपने कुल पदकों की संख्या 95 कर ली। उसने 33 स्वर्ण, 37 रजत और 25 कांस्य पदक जीते थे।

जूडो में भी भारतीय खिलाड़ियों ने पदक जीते। सुहालिया परवीन ने रजत पदक जीता था तो उसके बाद पुरुष लेवल दो वर्ग में प्रिंस सोलंकी ने कांस्य पदक जीता, जबकि महिला लेवल तीन वर्ग में मुस्कान ने स्वर्ण हासिल किया।

टेबल टेनिस में भारत के तीन पदक पक्के किए। यू21-डी3 वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों के बीच खेले गए फाइनल में विघ्नेश लोकेश्वर नाइक ने गुनेसिन सिंह बेदी को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। महिला एकल 30-डी3 में अलीवेलम्मा गुज्जला पूरे टूर्नामेंट के दौरान अजेय रहते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम करने में सफल रहीं। पावरलिफ्टिंग में अनुराग प्रसाद ने 93 किलो ग्राम के बेंच प्रेस में तीन स्वर्ण (स्क्वॉट, डेडलिफ्ट, संयुक्त) और एक रजत पदक जीता।

पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर, लगातार दूसरे मैच में मिली हार

कुवैत सेमीफाइनल में पहुंचा

बेंगलुरु, 25 जून (एजेंसियां)। कुवैत के लिए मोबारक अलफानेनी (17 और 45+1वां मिनट) ने टीम के लिए सर्वाधिक दो गोल दागे, जबकि हसन अलइनेजी (10वां मिनट), और नसर अलरशीदी (69वां मिनट) ने एक-एक गोल किए। इससे पहले कुवैत ने ग्रुप-ए में अपने पहले मैच में नेपाल को 3-1 से हराया था।

कुवैत ने शनिवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप मैच में पाकिस्तान को 4-0 से रौंदकर सैफ फुटबाल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत से शिकस्त खाने के बाद पाकिस्तान से इस मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाया। इस हार के साथ पाकिस्तानी टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। अब उसे एक मैच में नेपाल से खेलना है, लेकिन उसके नतीजे का सेमीफाइनल की लाइनअप पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

कुवैत के लिए मोबारक अलफानेनी (17 और 45+1वां मिनट) ने टीम के लिए

सर्वाधिक दो गोल दागे, जबकि हसन अलइनेजी (10वां मिनट), और नसर अलरशीदी (69वां मिनट) ने एक-एक गोल किए। इससे पहले कुवैत ने ग्रुप-ए में अपने पहले मैच में नेपाल को 3-1 से हराया था।

पहले हाफ में कुवैत के तीन गोल

हसन अलइनेजी ने 10वें मिनट में अलफानेनी से मिले पास पर गोल कर कुवैत का मैच में खाता खोल दिया। इसके सात मिनट बाद ही कुवैत ने अपनी आक्रामक रणनीति पर खेलते हुए बढ़त को 2-0 कर दी। इस बार अलफानेनी ने गोल कर दिया। अली मतर ने पाकिस्तान खिलाड़ी से गेंद लेकर बॉक्स के अंदर अलफानेनी को दी और उन्होंने इसे गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

दो गोल से पिछड़ने के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने गोल पोस्ट पर कुछ शॉट जरूर लगाए, लेकिन वे इन्हें गोल में नहीं बदल पाए। यहां तक कि उन्हें कुवैत के खिलाड़ियों से गेंद को छीनने में भी काफी परेशानी हुई। कुवैत के खिलाड़ी यहीं नहीं रुके और पहले हाफ के इंजुरी समय में भी गोल कर दिया। अलफानेनी ने बॉक्स के अंदर से 45+1वें मिनट में गोल कर टीम को 3-0 की अहम बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में कुवैत ने किया एक गोल

पहले हाफ में कुवैत 3-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 48वें मिनट में कुवैत ने 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन उनका यह गोल ऑफ साइड करार देकर रद्द कर दिया गया। हालांकि, 69वें मिनट में नसर अलरशीदी ने गोल कर कुवैत की बढ़त को 4-0 कर दिया।

विमेंस एशेज में तीसरे दिन टैमी ब्यूमोंट का दोहरा शतक

इंग्लैंड 463 पर ऑलआउट; ऑस्ट्रेलिया को 92 रन की बढ़त

लंदन, 25 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के नॉटिंघम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड विमेंस टीम के बीच विमेंस एशेज का टेस्ट मैच खेला जा रहा है। शनिवार को मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड ने 463 रन बनाकर अपनी पहली पारी में ऑलआउट हो गई।

इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट ने दोहरा शतक (208) लगाया। वह टीम की आखिरी बैटर के रूप में आउट हुईं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 473 रन बनाए थे, इस तरह उन्हें 10 रन की बढ़त मिली। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने बगैर नुकसान के 82 रन बना लिए। अब उनकी बढ़त 92 रन की हो चुकी है। टीम की ओपनर बेथ मूनी (33) और फीब लीचफील्ड (41) नॉटआउट लौटीं।

तीसरे दिन इंग्लैंड ने 218/2 के स्कोर से खेलना शुरू किया

तीसरे दिन इंग्लैंड ने पहली पारी में 218/2 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। तीसरे दिन की शुरुआत टैमी ब्यूमोंट (100) और नेट सीवर (41) ने की। इंग्लैंड को दिन का पहला झटका नेट सीवर के रूप में लगा। नेट सीवर 78 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर का शिकार बनी। गार्डनर ने उन्हें कप्तान एलिसा हिली के हाथों कैच कराया।

ब्यूमोंट एक एंड पर टिकी रहीं, लेकिन दूसरे छोर पर किसी का साथ नहीं मिला। सीवर के बाद डैनी व्याट ही 44 रन की पारी खेल सकीं। उनके अलावा बाकी बैटर्स में सोफिया डंकली 9, एमी जोन्स 13, सोफी एक्लेस्टन 17 और लौरेन फिलर 11 ही रन बना सकीं। कैट क्रॉस और लौरेन बेल अपना खाता नहीं खोल पाईं।

गार्डनर को 4 विकेट

ऑस्ट्रेलिया से एश्ले गार्डनर ने 4 विकेट लिए। उनके अलावा ताहलिया मैक्ग्रा को 3 विकेट मिले, वहीं एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड और डार्सी ब्राउन को 1-1 विकेट मिला।

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 328/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड 39 और अलाना किंग 7 रन के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाईं। ऑस्ट्रेलिया को आठवां झटका किंग (21) के आउट होने से लगा। इसके बाद किम गर्थ 22 और डार्सी ब्राउन 5 रन बनाकर आउट हुई। एनाबेल सदरलैंड 137 रन बनाकर नाबाद लौटीं।

क्या यशस्वी बनेंगे भारत के नए 'द वॉल'

द्रविड़ के बाद पुजारा ने संभाली जिम्मेदारी; दोनों ने 28 साल में 55 शतक लगाए

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारत की टेस्ट क्रिकेट टीम इन दिनों उतार-चढ़ाव के दौर में है। कई अनुभवी प्लेयर्स उम्र की वजह से तो कुछ खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर हो रहे हैं। इन्हीं में से एक 35 साल के चेतेश्वर पुजारा भी रहे, जिन्हें पिछले दिनों जारी हुई वेस्टइंडीज दौरे की भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया। पुजारा लंबे समय तक भारत की बैकबोन बने रहे, उन्होंने घरेलू और विदेश के टेस्ट में क्रीज पर लंबा समय टिकाया और रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों को परेशान किया। यही काम उनसे पहले राहुल द्रविड़ किया करते थे। दोनों ही नंबर-3 पर बैटिंग करते थे, अब वेस्टइंडीज दौरे पर उनकी कमी पूरी करने के लिए यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड का सिलेक्शन हुआ है।

आंकड़े, टेक्नीक और पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए लग रहा है कि यशस्वी को ही गायकवाड से पहले डेब्यू का मौका मिलेगा। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ओपनिंग पोजिशन पर टिके ही हैं, ऐसे में यशस्वी को पुजारा की जगह नंबर-3 पर बैटिंग करनी होगी।

डेब्यू से पहले ही 21 साल के यशस्वी पर द्रविड़ और पुजारा की कमी पूरी करने की जिम्मेदारी होगी। जिन्होंने भारत के लिए पिछले 28 साल में 18 हजार से ज्यादा रन बनाए और 55 सेंचुरी भी लगाईं।

जायसवाल ने डोमेस्टिक क्रिकेट के पिछले 3 साल से शानदार प्रदर्शन किया है। वह मुंबई की ओर से खेलते हैं और रणजी ट्रॉफी डेब्यू छत्तीसगढ़ के खिलाफ 2019 में हुआ था। इस दौरान यशस्वी तीसरे नंबर पर ही बैटिंग करते थे। कुछ समय बाद जायसवाल ने मुंबई के लिए ओपन करना शुरू कर दिया और पिछले 2 सीजन में उन्होंने इस पोजिशन पर खूब रन बनाए।

2019-20 में जायसवाल विजय हजारे ट्रॉफी (वनडे टूर्नामेंट) के टॉप-5 रन स्कोरर में शामिल रहे। उन्होंने 6 मैचों में 112.80 की औसत से 564 रन बनाए। वह लिस्ट-ए में दोहरा शतक बनाने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के क्रिकेटर हैं। यशस्वी ने 2021-22 के फर्स्ट क्लास सीजन में 83 के एवरेज से रन बनाए। उन्होंने इस साल घरेलू सीजन की शुरुआत में दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप में दोहरा शतक लगाया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में टीम इंडिया के साथ थे

जायसवाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में बतौर रिजर्व खिलाड़ी शामिल हुए थे। हालांकि, उन्हें स्क्वॉड में मौका नहीं मिला। लेकिन अब डब्ल्यूटीसी की नई साइकल में वह बतौर बैटर नंबर-3 पर अपने टेस्ट करियर की शुरुआत कर सकते हैं। यशस्वी ने साल 2020 में अंडर-19 वर्ल्ड खेलने के बाद आईपीएल डेब्यू किया। शुरुआत में औसत प्रदर्शन करने के बाद पिछले सीजन उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया और एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन का अवॉर्ड जीता।

उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए जोस बटलर के साथ ओपनिंग की और प्रदर्शन के मामले में बटलर को भी पीछे छोड़ दिया। 14 मैचों में 625 रन के साथ यशस्वी सीजन के टॉप-5 रन स्कोरर में शामिल रहे। इस दौरान उन्हें एक शतक भी लगाया।

2022 में बांग्लादेश-ए के खिलाफ लगाया था शतक

2022 में यशस्वी जायसवाल ने बांग्लादेश ए के खिलाफ इंडिया A की ओर से 2 टेस्ट मैच खेले। दोनों मैचों में भारत एक-एर ही पारी खेल सका। पहले मैच में जायसवाल ने ओपनिंग की और शतक जड़ दिया। उन्होंने 226 बॉल पर 146 रन बनाए, लेकिन दूसरे मैच में 12 रन ही बना सके। जायसवाल कमाल के बल्लेबाज हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका स्ट्राइक रेट लगभग 70 रन के आसपास है। जायसवाल बेहतरीन टेक्नीक के साथ लंबे फॉर्मेट में 70 की स्ट्राइक रेट से रन भी बना रहे हैं, जो बेहद शानदार है। उनके पास शॉट्स की कमी नहीं है और टेक्निकल बेहतरीन बैटर होने के साथ उनका फुटवर्क और टाइमिंग भी गजब की है। प्रोपर शॉट्स खेलते हैं और रिस्की शॉट्स खेलने की ज्यादा कोशिश नहीं करते। यही प्रोसेस उन्हें टेस्ट में बहुत आगे ले जा सकती है।

यशस्वी का स्ट्राइक रेट ही उन्हें द्रविड़ और पुजारा से अलग बनाता है। द्रविड़ और पुजारा ने अपने टेस्ट करियर में 45 से भी कम के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। टेस्ट में द्रविड़ का स्ट्राइक रेट 42.51 का है और पुजारा का 44.36 का है। जबकि, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यशस्वी का स्ट्राइक रेट 67.48 का है।

अल्कारेज पहली बार ग्रासकोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

सेबेस्टियन कोर्डा से होगी भिड़ंत

खेल डेस्क, 25 जून (एजेंसियां)। कोर्डा ने ब्रिटेन के कैमरून नौरी को 6-4, 7-6 से शिकस्त दी। अल्कारेज की तरह वह भी एटीपी टूर्नामेंट में घास वाले कोर्ट पर पहली बार के सेमीफाइनल में पहुंचे है। दूसरी वरीयता प्राप्त होल्गर रूने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर का सामना करेंगे।

शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कारेज ने क्वींस क्लब टेनिस चैंपियनशिप में पूर्व चैंपियन ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-4, 6-4 से हराकर घास वाले कोर्ट (ग्रासकोर्ट) पर पहली बार एटीपी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वालिफाई के जरिए टूर्नामेंट में जगह बनाने 2014 के चैंपियन दिमित्रोव के खिलाफ अल्कारेज की यह आठ मैचों में आठवीं जीत है। सेमीफाइनल में उनके सामने सेबेस्टियन कोर्डा की चुनौती होगी।

कोर्डा ने ब्रिटेन के कैमरून नौरी को 6-4, 7-6 से शिकस्त दी। अल्कारेज की तरह वह भी एटीपी टूर्नामेंट में घास वाले कोर्ट पर पहली बार के सेमीफाइनल में पहुंचे है। दूसरी वरीयता प्राप्त होल्गर रूने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर का सामना करेंगे।

रूने ने लोरेंजो मुसेटी 6-4, 7-5 जबकि डी मिनौर ने गैर वरीयता प्राप्त फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो 6-4, 4-6, 6-4 से शिकस्त दी। नौरी के बाहर होने का मतलब है कि 11 साल में पहली बार एकल या युगल में ब्रिटेन के किसी भी खिलाड़ी की अंतिम हफ्ते में चुनौती नहीं बची है।

केजिसकोवा बर्मिंघम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

शीर्ष वरीय बारबोरा क्रेजिसकोवा बर्मिंघम चेक गणराज्य की लिंडा फ्रुहवरतोवा को 6-3, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए ग्रासकोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गईं। अन्य मैच में दूसरी वरीयता की जेलेना ओस्तापेंको ने पोलैंड की क्वालिफायर मगदेलेना फ्रेच को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी क्रेजिसकोवा पहली बार इस ग्रासकोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। क्रेजिसकोवा की टक्कर अब चीन झू लिन से होगी। लिन ने रेबेका मैरिनो को 4-6, 6-3, 6-2 से पराजित किया।

अब 11 जुलाई को नहीं होगा भारतीय कुश्ती संघ का चुनाव

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने लगाया स्टे

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी भारतीय कुश्ती संघ का चुनाव 11 जुलाई को होना था, लेकिन अब ये अपने तय समय पर होता नजर नहीं आ रहा है। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने 11 जुलाई को होने वाले इस चुनाव पर स्टे लगा दिया है। हाईकोर्ट ने यह फैसला असम कुश्ती संघ के मांग पर की है जबकि दूसरी तरफ बुधवार को ही आईओए की तदर्थ समिति ने भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव को पांच दिन के लिए आगे बढ़ा दिया था। इससे पहले चुनाव की तारीख 6 जुलाई तय की गई थी।

असम कुश्ती संघ ने

डब्ल्यूएफआई, आईओए तदर्थ निकाय और खेल मंत्रालय के खिलाफ दायर अपनी याचिका में कहा कि हालांकि वह डब्ल्यूएफआई का सदस्य बनने का हकदार था, लेकिन तत्कालीन डब्ल्यूएफआई द्वारा की गई सिफारिश के बावजूद उसे इसकी अनुमति नहीं दी गई। 15 नवंबर 2014 को गोंडा में डब्ल्यूएफआई की जनरल काउंसिल में कार्यकारी समिति ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। तदर्थ पैनल ने निर्वाचक मंडल के लिए नाम प्राप्त करने की अंतिम तारीख 25 जून रखी है जबकि नए गवर्निंग बॉडी के चयन के लिए चुनाव 11 जुलाई को होंगे। असम कुश्ती संघ ने कोर्ट के सामने तर्क दिया कि जब तक उनकी निकाय डब्ल्यूएफआई से संबद्ध नहीं है और वो निर्वाचक मंडल में अपने प्रतिनिधि को नामित नहीं कर सकते तब तक चुनाव की प्रक्रिया को रोक देनी चाहिए। उनकी इस मांग के बाद अदालत ने इसके लिए जिम्मेदार खेल मंत्रालय और डब्ल्यूएफआई तदर्थ निकाय को निर्देश दिया का सुनवाई के लिए अगली तारीफ तय होने तक उन्हें डब्ल्यूएफआई की कार्यकारी समिति के चुनाव की प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। इस मामले पर अब अगली सुनवाई 17 जुलाई को की जाएगी। आपको बता दें कि भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह हैं जिन पर महिला पहलवानों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है।

एशिया कप 2023 से पहले भारत के लिए बड़ी खुशखबरी !

आयरलैंड दौरे पर ही हो सकती है जसप्रीत बुमराह की वापसी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों में जुटी भारतीय टीम के लिए एक खुशखबरी सामने आई है। दरअसल टीम के अनुभवी गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एशिया कप से पहले ही टीम के साथ जुड़ सकते हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह आयरलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। ऐसे में वे एशिया कप के लिए तैयारी कर पाएंगे।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह काफी लंबे अरसे से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं और अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल सितंबर के बाद से मैच नहीं खेला है। बुमराह को पीठ में चोट लगी थी जिसके बाद उनकी सर्जरी भी हुई थी। इसके चलते वे वर्ल्ड टेस्ट चैं पि य न शि प

फाइनल 2023, आईपीएल 2023 और टी20 वर्ल्ड कप 2022 का भी हिस्सा नहीं थे।

हालांकि, मेन इन ब्लू को आखिरकार कुछ सकारात्मक खबर मिली है क्योंकि स्टार पेसर के अगस्त में भारत की तीन मैचों की टी20ई श्रृंखला के लिए आयरलैंड की यात्रा करने की उम्मीद है। बुमराह, जो वर्तमान में एनसीए में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं, श्रृंखला में भाग लेंगे क्योंकि भारत 50 ओवर के विश्व कप से पहले सितंबर में एशिया कप खिताब हासिल करने की तैयारी कर रहा है।

बता दें कि इससे पहले रिपोर्ट में ये दावा किया गया था कि बुमराह सीधे एशिया कप में टीम से जुड़ेंगे। लेकिन उनकी रिकवरी तेजी से होती नजर आ रही है। ऐसे में अगर वे आयरलैंड दौरे पर भी शामिल होते हैं तो भारत को काफी फायदा होगा।

भाई की हत्या की योजना विफल धारदार हथियारों के साथ चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की फलकनुमा पुलिस ने एक हत्या की योजना को विफल कर दिया। पुलिस ने सक्रियता से शनिवार रात एक व्यक्ति की हत्या की साजिश रचने वाले एक किशोर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से तीन हंसिया, तीन चाकू, दो बाइक और सेलफोन जब्त किया है। डीसीपी (दक्षिण), पी साई चैतन्य ने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति फारूकनगर के मीर अशफाक अली उर्फ आमेर खान (27), कालापत्थर के मोहम्मद सुभान खान (19) और सरूरनगर के मोहम्मद जमील खान (19) ने एक किशोर के साथ मिलकर नाजिम उर्फ ईशान को मारने की योजना बनाई। गिरोह में शामिल तीन अन्य फरहान, इमरान और छोटा फरहान भी फरार हैं। आमेर और नाजिम भाई हैं और उनके बीच झगड़ा चल रहा है। कुछ महीने पहले, आमेर ने किसी छोटे पारिवारिक मुद्दे पर नाजिम की पिटाई कर दी थी, जिसके बाद नाजिम आमेर को सार्वजनिक रूप से बदनाम कर रहा था। इसके अलावा, आमेर की पत्नी की तबीयत ठीक नहीं थी और उसे संदेह था कि नाजिम ने उसकी पत्नी पर कुछ काला जादू किया है, जिसके कारण वह अक्सर बीमार रहने लगी थी। शुक्रवार को आमेर ने अपने दोस्तों और कुछ अन्य लोगों को इकट्ठा किया और नाजिम की हत्या की साजिश रची। उसने कुछ महीने पहले नांदेड़ से हंसिया और चाकू मंगवाए और अपने पास रख लिए। डीसीपी ने कहा, "शुक्रवार शाम को, आमेर छह अन्य लोगों के साथ हथियार लेकर फलकनुमा में जैतून होटल के पास इकट्ठे हुए और नाजिम का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच सूचना मिलने पर पर फलकनुमा पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया और हथियार जब्त कर लिए।" गिरफ्तार व्यक्तियों को अदालत में पेश किया गया और रिमांड पर लिया गया।

केसीआर ने टीएस रेरा अध्यक्ष की नियुक्ति में गलती की : भाजपा

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य गुडूर नारायण रेड्डी ने शनिवार को तेलंगाना रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (टीएस रेरा) के अध्यक्ष के रूप में एक गैर-योग्य व्यक्ति को नियुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को दोषी ठहराया। एक मीडिया बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने टीएसआरईआरए के अध्यक्ष के रूप में एक व्यक्ति को नियुक्त करने के लिए रेरा अधिनियम, 2016 द्वारा निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन किया है। अधिनियम के अनुसार कोई व्यक्ति जो राज्य सरकार की सेवा में है या रहा है, उसे अध्यक्ष के रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक कि ऐसा व्यक्ति, राज्य सरकार व केंद्र सरकार में अतिरिक्त सचिव या केंद्र सरकार में किसी समकक्ष पद पर न रहा हो। हालांकि, राज्य सरकार ने एन सत्यनारायण को टीएस रेरा का अध्यक्ष नियुक्त किया, जो राज्य सरकार में संयुक्त सचिव रहे हैं, जो स्पष्ट रूप से रेरा अधिनियम, 2016 के मानदंडों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक अयोग्य और अयोग्य व्यक्ति को रेरा का अध्यक्ष नियुक्त कर इस संस्था को दंतविहीन बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान अध्यक्ष को बीआरएस नेताओं द्वारा आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। वर्तमान अध्यक्ष हैदराबाद और उसके आसपास रियल एस्टेट व्यवसाय को विनियमित करने में स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट कारोबार कुछ मामलों में माफिया गतिविधि की तरह है और इससे निपटने के लिए कुशल अध्यक्ष और सदस्यों के साथ एक मजबूत नियामक प्राधिकरण की आवश्यकता है। कई मामलों में घर और प्लॉट खरीदारों को प्री लॉन्च ऑफर और अन्य के नाम पर डेवलपर्स द्वारा धोखा दिया गया। हजारों लोगों ने धोखेबाज डेवलपर्स के हाथों सैकड़ों करोड़ रुपये गंवा दिए हैं। इससे हैदराबाद में रियल एस्टेट कारोबार की बदनामी हो रही है।

ट्रैक्टर से कुचलकर चालक की मौत

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले के पलाकेडु मंडल के जनपहाड़ में एक ट्रैक्टर के नीचे गिरने से कारण चालक की मौत हो गई। रविवार को घटना के समय श्रीराम एक खेत की जुताई कर रहा था। इसी बीच वह अचानक वह ट्रैक्टर से गिर गया। वह वाहन के पहिये के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

टीएसआरटीसी चेयरमैन ने भद्राचलम बस डिपो का दौरा किया

भद्राद्री सीतारामचंद्र देवस्थानम में विशेष पूजा की

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी चेयरमैन व निज़ामाबाद ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के विधायक बाजीरेड्डी गोवर्धन ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ भद्राचलम सीता रामचन्द्र मूर्ति देवस्थानम् में विशेष पूजा की। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि टीएसआरटीसी अपने पूर्व गौरव को पुनः प्राप्त करे और घाटे को पूरी तरह से दरकिनार कर लाभ की ओर बढ़े। इसके बाद बाद वे भद्राद्रि आरटीसी बस डिपो का दौरा किया। इससे पहले, उन्होंने भद्राद्री टीएसआरटीसी डिपो में हरित तेलंगाना कार्यक्रम के हिस्से के रूप में पौधे लगाने वाले कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने सुझाव दिया कि पर्यावरण संरक्षण में सभी को भाग लेना चाहिए। आरटीसी अधिकारियों से बस डिपो में संचालित गतिविधियों के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी संगठन मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की मदद से और प्रगति करेगा। वे संगठन में लंबित बकाया का भुगतान करने में प्रसन्न हैं। संगठन के कर्मचारियों को कड़ी मेहनत करने और संगठन के मुनाफे के लिए प्रयास करने करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीएस आरटीसी के तत्वाधान में इस महीने की 27 जून को बस स्टेशनों पर मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा और सभी लोगों से अपील की गई है कि इस रक्तदान कार्यक्रम में भाग लें और सभी को जीवनदाता बनना चाहिए। भद्राचलम में टीएसआरटीसी डिपो के कंडक्टरों और ड्राइवरों का यात्रियों के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने उनकी उपलब्धियों और समस्याओं के बारे में जानकारी ली। डिपो का निरीक्षण कर उन्होंने संतुष्टि व्यक्त की। इस अवसर पर निज़ामाबाद जिला परिषद वित्त और योजना, ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष, जेडपीटीसी धारपल्ली बाजीरेड्डी जगनमोहन , बाजीरेड्डी अजय, उप क्षेत्रीय प्रबंधक भवानी प्रसाद, भद्राचलम डिपो प्रबंधक रामा राव आदि उपस्थित रहे।

एमपीटीसी ने अपने ही पार्टी के नेताओं पर लगाए आरोप

मदनूर, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता। डोंगली मंडल एमपीटीसी दीनदयाल ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यो को लेकर अपने ही पार्टी बीआरएस के नेताओं पर सवाल उठा दिया। रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते दीनदयाल ने अपनी ही पार्टी भारत राष्ट्र समिति नेता व कार्यकर्ताओ पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ महीने पहले जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे व जहराबाद सांसद बी. बी पाटील के सहयोग से 13 गांव के साथ नूतन मंडल का निर्माण किया गया।

इस मंडल में कुछ लोगों की मनमानी चल रही है। मंडल में दो करोड़ एसडीएफ निधि को मंजूरी मिली। उस निधि को कुछ भारत राष्ट्र समिति के लोग स्थानीय एमपीटीसी, एमपीपी, व जेडपीटीसी को बिना जानकारी दिए ही सरपंच व कार्यकर्ता से फोन पर बातचीत कर प्रस्ताव दे रहे है। ऐसे करने से पार्टी में भेदभाव हो रहे है। उन्होंने कहा कि डोंगली मंडल में मनमानी नहीं चलने नही देंगे। आने वाले दिनों में जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे को अधिक मत से चुनकर लायेंगे। इस अवसर पर मंडल विकास उपाध्यक्ष जयपाल रेड्डी के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

निलोफर अस्पताल तेलंगाना के सभी 42 एसएनसीयू से जुड़ा

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शिशु और मातृ मृत्यु दर को कम करके प्राप्त लाभ को बनाए रखने और बेहतर बनाने के लिए, तेलंगाना सरकार ने जिलों में सभी 42 विशेष नवजात देखभाल इकाइयों (एसएनसीयू) को निलोफर अस्पताल में एक केंद्रीकृत सुविधा से जोड़ा है। निलोफर अस्पताल के सुपर-स्पेशियलिटी डॉक्टर, हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से, शहर और जिलों में सरकार द्वारा संचालित एसएनसीयू में भर्ती गंभीर समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं के वास्तविक समय के विकास संबंधी स्वास्थ्य देखभाल मापदंडों को ट्रैक करने में सक्षम होंगे। एसएनसीयू, जिन्हें 2014 में 19 से बढ़ाकर 2023 में 42 कर दिया गया, हाल ही में जन्मे बीमार शिशुओं को सभी प्रकार की नवजात देखभाल प्रदान कर रहे हैं। इन सुविधाओं को इसलिए विकसित किया गया है क्योंकि जिला अस्पतालों में प्रसव वार्डों के पास अलग-अलग इकाइयाँ स्थित हैं। एसएनसीयू में बीमार नवजात शिशुओं को गंभीर देखभाल और 24 घंटे निगरानी मिलती है। निलोफर अस्पताल में केंद्रीकृत सुविधा, जिसे उत्कृष्टता केंद्र कहा जाता है, एसएनसीयू को वरिष्ठ मल्टीस्पेशलिटी डॉक्टरों तक पहुंच प्रदान करके सहायता प्रदान करेगी जो वास्तविक समय में शिशुओं के विकास को ट्रैक करेंगे। नीलोफर अस्पताल की अधीक्षक डॉ. टी उषा रानी ने कहा कि हम जिलों में स्थानीय डॉक्टरों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष सहायता प्रदान करेंगे जो एसएनसीयू के प्रभारी हैं। इस तरह का ठोस प्रयास निश्चित रूप से शिशु और मातृ मृत्यु दर को कम करने में काफी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि एसएनसीयू में समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं को जन्म के समय बहुत कम वजन के कारण कई स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। एसएनसीयू में ऐसे शिशुओं में श्वासावरोध, सेप्सिस, श्वसन संकट सिंड्रोम, हाइपोथर्मिया, हाइपोग्लाइसीमिया, जन्मजात विकृतियां और समय से पहले जन्म सहित विभिन्न चिकित्सीय स्थितियों के कारण रुग्णता बहुत अधिक है। अधीक्षक ने कहा, "ऐसे शिशुओं को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है और निश्चित रूप से निलोफर अस्पताल में नई सुविधा कीमती जिंदगियों को बचाने में अपनी भूमिका निभाने में सक्षम होगी।"नीलोफर अस्पताल में जन्मजात हृदय रोगों के साथ पैदा होने वाले शिशुओं की जटिल हृदय सर्जरी करने का प्रयास किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव, जिन्होंने शनिवार को 42 एसएनसीयू को सहायता प्रदान करने के लिए निलोफर अस्पताल में उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया, ने कहा कि अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर जल्द ही ये सर्जरी करना शुरू कर देंगे। हृदय सर्जरी के अलावा, हम 33 विशेष नवजात एम्बुलेंस भी लॉन्च कर रहे हैं ताकि शिशुओं को तुरंत विशेष देखभाल में लाया जा सके।

निलोफर अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर एसएनसीयू में गंभीर रूप से बीमार शिशुओं को बचाने में एसएनसीयू के डॉक्टरों का मार्गदर्शन करेंगे। निलोफर अस्पताल में 2 करोड़ रुपये की सुविधा से तेलंगाना में आईएमआर और एमएमआर में और कमी आएगी। उन्होंने कहा, अब तक, तेलंगाना सरकार ने केवल मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) के लिए विशेष बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर वॉकथॉन का आयोजन

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इनेबलिंग चाइल्ड एंड ह्यूमन राइट्स फॉर सीड कंपनीज (ईसीएचओ) ने रविवार को यहां नेकलेस रोड पर बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस के उपलक्ष्य में एक वॉकथॉन का आयोजन किया। बीज उद्योग में बाल श्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न बीज कंपनियों और गैर सरकारी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 275 से अधिक व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तेलंगाना सरकार के कृषि सहयोग और विपणन मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। वॉकथॉन का आयोजन ग्लोकल, बायर, सिंजेंटा, ईस्ट-वेस्ट सीड इंडिया, बीएएसएफ नुन्हेम्स, एडवांटा, सीड वर्क्स और एचएम क्लॉज सहित ईसीएचओ की सदस्य कंपनियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। आईटी में बाल अधिकार संगठनों की सक्रिय भागीदारी भी देखी गई, जिसमें कृषि क्षेत्र में बाल श्रम से निपटने के लिए आवश्यक सहयोगात्मक प्रयास पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा, हम सभी को कृषि में बाल श्रम के अभिशाप को समाप्त करने और सभ्य कार्य मानकों को लाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। मूल कारणों को संबोधित करके, तेलंगाना सरकार राज्य में बाल श्रम के मुद्दों को संबोधित करने में बहुत अच्छी सफलता हासिल करने में सक्षम थी।

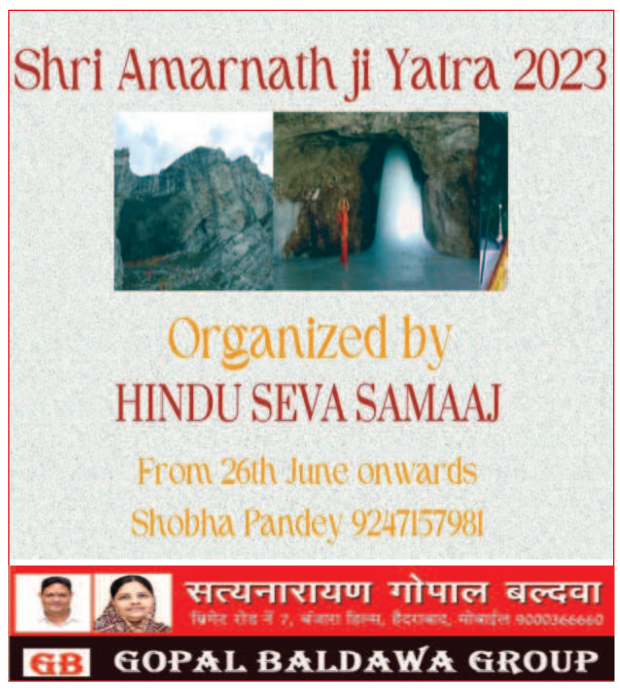

पागल कुत्ते ने बच्चें समेत पांच को काटा

मदनूर , 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल केंद्र ग्राम पंचायत परधी में रविवार के दिन पागल कुत्तों ने जमकर आतंक मचाया। छोटे बच्चे के समेत पांच लोगों को कुत्तें ने काटा। कुत्ते के बुरी तरह से काटने के कारण कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। गांव के लोग पागल कुत्तों के आतंक से परेशान हैं। इस कुत्ते को पकड़ने के लिए सबंधित अधिकारियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। मदनूर ग्राम पंचायत क्षेत्र में कुत्तों का आतंक अधिक है। कुत्तों के हमले से गांव के लोगों की हालत खराब हो रही है। कुत्तों के डर से लोग घर से बाहर निकलने से डर रहे है ग्रामीणों ने पंचायत अधिकारियों से कुत्तों को पकड़ने की मांग है।

बलात्कार और हत्या के मामले में दो को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद में विशेष पास्कों अदालत के प्रभारी सत्र न्यायाधीश के. सुनीता ने शनिवार को एक ऐसे व्यक्ति को दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जिसने अपनी पांच वर्षीय सौतेली बेटी का यौन उत्पीड़न किया और फिर उसे पीट-पीटकर मार डाला। डिचपल्ली मंडल के धरमराम गांव के डी गोविंदा राव अपनी सौतेली बेटी को एक क्लिनिक में ले गए थे। पिछले साल 20 अक्टूबर को उनके पैर में लगी चोट की ड्रेसिंग की गई। इसके बाद वह उसे गांव के बाहरी इलाके में ले गया, जहां उसने उसका यौन उत्पीड़न किया और बाद में पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। बच्ची की मां की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद अदालत में आरोप पत्र दायर किया गया। अदालत ने गवाहों के बयानों और वैज्ञानिक सबूतों के आधार पर राव को दोषी ठहराया, जिन्हें पहले पास्कों अधिनियम (बलात्कार) की धारा 6 के तहत और भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

22 एमएमटीएस ट्रेनें एक सप्ताह के लिए रद्द

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और सिकंदराबाद डिवीजनों में ढांचागत रखरखाव कार्यों के लिए कुछ एमएमटीएस ट्रेनों को 26 जून से 2 जुलाई तक रद्द कर दिया गया है। रद्द की गई एमएमटीएस सेवाओं में लिंगमपल्ली-हैदराबाद (ट्रेन संख्या: 47129, 47132, 47133, 47135 और 47136), हैदराबाद-लिंगमपल्ली (ट्रेन संख्या: 47105, 47108, 47109, 47110 और 47112), उमदानगर-लिंगमपल्ली (ट्रेन संख्या:47165, 47211, 47214 और 47157), लिंगमपल्ली-फलकनुमा (ट्रेन संख्या 47189, 47179), रामचन्द्रपुरम - फलकनुमा (ट्रेन संख्या 47177) और फलकनुमा-लिंगमपल्ली (ट्रेन संख्या: 47158 और 47156) शामिल है।

सीएम का दो दिवसीय महाराष्ट्र का दौरा आज से

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अपने दो दिवसीय दौरे के तहत मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव सोमवार से महाराष्ट्र के दौरे पर जा रहे है। अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री प्रसिद्ध पंढरपुर और तुलजापुर मंदिरों का दौरा करेंगे और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। बाद में, केसीआर शोलापुर में बीआरएस पार्टी की बैठक में हिस्सा लेंगे। मंत्रियों, विधायकों और कई निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ, केसीआर सड़क मार्ग से सुबह 10 बजे हैदराबाद से अपनी यात्रा शुरू करेंगे और शाम तक शोलापुर पहुंचेंगे, जहां वह रात में शहर में रुकेंगे। इस अवसर पर, शोलापुर के एक प्रसिद्ध व्यक्ति भागीरथ बाल्के और महाराष्ट्र राज्य से बड़ी संख्या में लोग केसीआर की उपस्थिति में बीआरएस पार्टी में शामिल होंगे। बाद में, बीआरएस प्रमुख बुनकर समुदाय के परिवार के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे जो तेलंगाना से महाराष्ट्र चले गए हैं। अपने कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को केसीआर सोलापुर के पंढरपुर शहर में भगवान विट्ठल मंदिर जाएंगे और भगवान की पूजा करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इमारत उठाने की कोशिश के बाद झुकी

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रोलिक जैक का उपयोग करके एक इमारत को जमीन से ऊपर उठाने का प्रयास विफल हो गया। इस दौरान इमारत एक ओर झुक गई। यह घटना जीएचएमसी कुतबुल्लापुर सर्कल के चिंतल के श्रीनिवास नगर में हुई। जीएचएमसी अधिकारियों के अनुसार, संपत्ति के मालिकों द्वारा जी प्लट टू संरचना को उठाने का प्रयास करने से पहले कोई पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी। यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय शुरू किए गए हैं कि कोई जानमाल की हानि न हो। जीएचएमसी के एक अधिकारी ने कहा, इसके पास रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए, यदि आवश्यक हुआ तो हम संरचना को ध्वस्त भी करेंगे। वर्तमान में जी प्लस टू संरचना और इसके आस-पास की इमारत में रहने वाले लोगों ने अपने घर खाली कर दिए हैं। प्रवर्तन सतर्कता और आपदा प्रबंधन निदेशालय (ईवी एंड डीएम) द्वारा जीएचएमसी की आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) टीमों को साइट पर तैनात किया गया है।

वाईएस शर्मिला ने सीएम केसीआर पर जमकर निशाना साधा

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की अध्यक्ष शर्मिला ने आज तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक दलित बंधु योजना से कमाया गया कमीशन गिद्ध की तरह खा रहे हैं। शर्मिला ने कहा कि राज्य ने एक बार फिर दलित बंधु योजना के लाभार्थियों की पहचान करने की जिम्मेदारी सत्तारूढ़ दल के विधायकों को सौंपी है। शर्मिला ने कहा कि केसीआर को डर है कि विधायक उनके भ्रष्टाचार के खिलाफ बगावत कर देंगे। उन्होंने मांग की कि पात्र अभ्यर्थियों का चयन सभी जिलों में जिलाधिकारी की देखरेख में किया जाये। शर्मिला ने आरोप लगाया कि केसीआर तेलंगाना आंदोलन के गद्दार हैं और कहा कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों की देखभाल नहीं कर रही है।

स्टेशन कार्यों के कारण पांच ट्रेनें रद्द

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) के खड़गपुर-भद्रक खंड के बहनागा बाजार स्टेशन पर बहाली कार्यों के कारण 26 और 28 जून को पांच ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार रद्द की गई ट्रेनें 26 जून को 18045 शालीमार-हैदराबाद, 26 जून को 18046 हैदराबाद-शालीमार, 26 जून को 22863 हावड़ा-एसएमवीटी बेंगलुरु, 28 जून को 22864 एसएमवीटी बेंगलुरु-हावड़ा और 22841 संतरागाछी-ताबरम हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.